शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा से भरत बोम्मई व कांग्रेस से योगेशर ने दाखिल किया नामांकन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 25 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-295

सुख-समृद्धि से सम्पन्न परिवारवाद की राजनीति

करोड़ों की सम्पत्ति, पर टैक्स नहीं भरते प्रियंका-रॉबर्ट

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर।

भारत में परिवारवाद की राजनीति सुख-समृद्धि से सम्पन्न है और उत्तरोत्तर फैलती ही जा रही है। उत्तर से दक्षिण तक ऐसे धन-सम्पन्न राजनीतिक परिवारों

शुभ-लाभ सरोकार

के बारे में पूरा देश जानता है, लेकिन उन्हें ही वोट देने की बेशर्मी भी करता है। अभी कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का प्रसंग है। उन्होंने केरल के वायनाड से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के साथ दाखिल हुआ उनका हलफनामा भारतीय लोकतंत्र और संविधान के असली सम्मान का ज्वलंत प्रमाण है, जिनकी अरबों की सम्पत्ति है, लेकिन वे इनकम टैक्स नहीं भरते। यह दायित्व केवल भारत के आम लोगों के छोड़ दिया गया। कानून और संविधान की खुली अवमानना करने वाले ये परिवारवादी राजनीतिक लोग संविधान की डायरी जेब में रखते हैं और उस पर लंबी लंबी तकरीरें देते हैं। यही छद्म उनकी नस्लगत असलियत है।

राहुल गांधी के पलायन के बाद केरल के वायनाड से लोकसभा का चुनाव लड़ने उतरीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा

वाड्रा और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा की कुल सम्पत्ति 77 करोड़ है, लेकिन वाड्रा दम्पति पर इनकम टैक्स का 78.5 करोड़ रुपए बकाया है। इनकम टैक्स नहीं भरने का मुकदमा भी चल रहा है, लेकिन सामर्थ्यवानों पर क्या फर्क पड़ता है! टैक्स भरने के लिए तो आम नागरिक है ही। टैक्स भरने में थोड़ी देर हुई तो आम आदमी को जुर्माना अलग से भरना पड़ता है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार 23 अक्टूबर को केरल की वायनाड लोकसभा सीट उपचुनाव के लिए पर्चा दाखिल किया। उनके नामांकन के दौरान भाई राहुल गांधी भी मौजूद रहे। प्रियंका गांधी वाड्रा के दाखिल किए गए चुनावी हलफनामे के मुताबिक उनके पास करोड़ों की सम्पत्ति है और उन पर इनकम टैक्स के भी करोड़ों रुपए बकाया हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा वाड्रा और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने लगभग 78.5 करोड़ का इनकम टैक्स

78 करोड़ इनकम टैक्स बकाया, कानून इनके ठेंगे पर
ऐसे ही लोग लोकतंत्र और संविधान पर भाषण देते हैं

नहीं चुकाया है। इसको लेकर मुकदमे भी चल रहे हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने हलफनामे में खुद ही यह बताया है कि उन्होंने साल 2012-13 का 15.75 लाख का इनकम टैक्स नहीं चुकाया और इसको लेकर इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल में मुकदमा चल रहा है। उन्होंने सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) के पास मात्र 3.15 लाख जमा किए हैं। वर्तमान कार्रवाई के अनुसार, उनके ऊपर 11.11 लाख की रकम का इनकम टैक्स बकाया और उन्हें यह चुकाना है।

प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने इनकम टैक्स की बड़ी रकम दबा रखी है। रॉबर्ट ने 2010-11 के बाद से 2020-21 तक का इनकम टैक्स भरा ही नहीं। यानि वह लगभग 12 साल से इनकम टैक्स नहीं जमा कर रहे हैं। अब यह धनराशि लगभग 78.5 करोड़ पहुंच चुकी है। हलफनामे के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा पर साल 2010-11 के लिए 7.15 करोड़, साल 2011-12 के लिए 3.02 करोड़, साल 2012-13 के लिए 3.39 करोड़, साल 2013-14 के लिए 11.05 करोड़, साल 2014-15 के लिए 10.02 करोड़ और 2015-16 का 8.98 करोड़ बकाया है। ▶10पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक

अंतरिक्ष से लेकर रेल तक की बड़ी योजनाएं मंजूर

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मोदी सरकार की केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आज दिल्ली में हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। फैसले में अंतरिक्ष सेक्टर से लेकर रेल सेक्टर तक समाहित हैं। कैबिनेट बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना को मंजूरी दी। कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया कि भारत सरकार स्पेस सेक्टर में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का वेंचर कैपिटल फंड बनाएगी। इसे पांच साल में खर्च किया जाएगा। 2025-26 में 150 करोड़, 2026-27, 2027-28 और 2028-29 में 250-250 करोड़, 2029-30 में 100 करोड़ खर्च होंगे। इसके साथ ही मोदी सरकार अयोध्या से लेकर सीतामढ़ी तक नई रेलवे लाइन बनाएगी।

अंतरिक्ष में स्टार्टअप को बढ़ावा, वेंचर कैपिटल फंड बनेगा
रेलवे की दो बड़े प्रोजेक्ट्स मंजूर, 6,798 करोड़ खर्च होंगे

केंद्रीय कैबिनेट के फैसले की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक की अध्यक्षता की। वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट बैठक के दौरान आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय के 6,798 करोड़ रुपए के दो प्रोजेक्ट को पास किए। इसमें नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर खंड में 256 किलोमीटर की रेल लाइन को डबल किया जाएगा। वहीं अमरावती होते हुए एर्रुपलेम और नंबुरु के बीच 57 किमी की नई रेल लाइन बिछाई जाएगी। यह आंध्र प्रदेश के एनटीआर विजयवाड़ा और गुंटूर जिलों और तेलंगाना के खम्मम जिले से होकर गुजरेगी।

बिहार में होने वाले दोहरीकरण से नेपाल, पूर्वोत्तर भारत तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मालगाड़ियों के साथ-साथ यात्री ट्रेनों की आवाजाही में सुविधा होगी। दोनों योजनाएं तीन राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों को कवर करेंगी। ▶10पर

छठ और दिवाली में रेलवे चलाएगा सात हजार स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिवाली और छठ के त्यौहार पर यात्रियों को सुरक्षित सफर कराने के लिए रेल विभाग सात हजार स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। गुरुवार को कैबिनेट बैठक में इस फैसले को भी मंजूरी दी गई। केंद्रीय रेल और सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस फैसले से रोज दो लाख यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

हाल ही में त्यौहार को देखते हुए उत्तर रेलवे ने भी 3050 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी। इनमें से अधिकांश ट्रेनें ऐसी हैं जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों की ओर दौड़ेंगी। ▶10पर

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बोले भारत के विदेश मंत्री

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का पुनर्गठन जरूरी

संघर्षों और तनावों को प्रभावी ढंग से सुलझाना आज की जरूरत

कजान, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस के कजान शहर में ब्रिक्स प्लस प्रारूप में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित हुए भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और संयुक्त राष्ट्र का पुनर्गठन आज की अनिवार्य आवश्यकता है। इसी तरह बहुपक्षीय विकास बैंक में भी पूर्ण सुधार आवश्यक है, क्योंकि इनकी कार्य प्रक्रियाएं भी संयुक्त राष्ट्र की तरह ही पुरानी हो चुकी हैं। विदेश मंत्री ने कहा, संघर्षों और तनावों को प्रभावी ढंग से सुलझाना आज की जरूरत है।

जयशंकर ने कहा, ब्रिक्स अपने आप में इस बात का बयान है कि पुरानी वैश्विक व्यवस्था कितनी गहराई से बदल रही है। साथ ही, अतीत की कई असमानताएं भी जारी हैं। वास्तव में, इसने नए रूप और अभिव्यक्तियां ग्रहण कर ली हैं। हम इसे विकासात्मक संसाधनों तक पहुंच और आधुनिक तकनीकों और दक्षताओं तक पहुंच में देखते हैं। आइए हम यह स्वीकार करें कि वैश्वीकरण के लाभ असमान रहे हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, हम एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं? सबसे पहले, स्वतंत्र प्रकृति के प्लेटफ़ॉर्म को मजबूत और विस्तारित करके और कई डोमेन में विकल्पों को व्यापक बनाकर और उन पर अनावश्यक निर्भरता को कम करके, जिनका लाभ उठाया जा सकता है। यह वास्तव में वह जगह है जहां ब्रिक्स वैश्विक दक्षिण के लिए एक अंतर बना सकता है। दूसरा, स्थापित संस्थानों और तंत्रों में सुधार करके, विशेष रूप से स्थायी और गैर-स्थायी श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सुधार अनिवार्य है। इसी तरह बहुपक्षीय विकास बैंक, जिनकी कार्य प्रक्रियाएं संयुक्त राष्ट्र की तरह ही पुरानी हैं।

जयशंकर ने कहा, भारत ने अपने जी-20 प्रेसीडेंसी के दौरान एक प्रयास शुरू किया और हमें यह देखकर खुशी हुई कि ब्राजील ने इसे आगे बढ़ाया। तीसरा, अधिक उत्पादन केंद्र बनाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था का लोकतंत्रीकरण करके और चौथा, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

न्याय की देवी की नई प्रतिमा से मिल रहे कई दूरगामी संकेत

नई प्रतिमा की आंख से पट्टी हटी : अब कानून अंधा नहीं

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्याय की देवी की नई प्रतिमा स्थापित होने जा रही है। न्याय की देवी के बदले हुए स्वरूप से कई दूरगामी और महत्वपूर्ण संकेत मिल रहे हैं। न्याय की नई देवी की प्रतिमा की आंख पर काली पट्टी नहीं है। स्पष्ट है कि इससे यह बताने की कोशिश है कि अब कानून अंधा नहीं रहेगा।

उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के पुस्तकालय में न्याय की देवी की छह फुट ऊंची नई प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार की जगह

संविधान है। सफेद पारंपरिक पोशाक पहने न्याय की देवी की नई प्रतिमा की आंखों पर पट्टी भी नहीं बंधी है और सिर पर लोकतंत्र का मुकुट है।

ऐसे सारगर्भित संकेत देने वाली प्रतिमा को लेकर स्वाभाविक तौर पर व्याकुल रहने वाले लोगों ने आपत्ति जताई है। इसका भी नेतृत्व कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के वर्णसंकर नेता कपिल सिब्बल कर रहे हैं, जो ऐसे किसी भी सांस्कृतिक महत्व वाले विषय पर अपनी आपत्ति जताते हैं। सिब्बल को कष्ट यह है कि न्याय की देवी की प्रतिमा में किए जा रहे बदलाव को लेकर उनसे सलाह-मशविरा क्यों नहीं किया गया। हालांकि इन आपत्तियों को दरकिनार करते हुए न्याय की देवी की प्रतिमा की स्थापना का काम निर्बाध गति से जारी है।

आतंकी हमले में दो फौजियों समेत चार की मौत

3 घायल जवानों की हालत नाजुक

जम्मू, 24 अक्टूबर (ब्यूरो)।

देर रात उड़ी के गुलमर्ग इलाके में आतंकी हमले में कुल चार लोगों की मौत हो गई। इनमें सेना के दो जवान हैं और दो सेना के साथ काम करने वाले कुली हैं। हमले में तीन गंभीर रूप से जख्मी हुए जवानों की हालत नाजुक बताई जा रही है। अंतिम समाचार मिलने तक आतंकियों और सेना के बीच मुठभेड़ जारी थी।उत्तरी कश्मीर में उड़ी सेक्टर के अंतर्गत गुलमर्ग में गुरुवार को आतंकियों ने सेना के

वाहन पर हमला कर दिया। हमले में पांच जवान घायल हुए थे। इनमें से दो जवान शहीद हो गए जबकि दो पोर्टरों की भी मौत हुई है। घटना के बाद से सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया हुआ है। ▶10पर

85 विमानों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बृहस्पतिवार को एक बार फिर से 85 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें एयर इंडिया के 20 विमान, इंडिगो एयरलाइन के 20, विस्तारा एयरलाइंस के 20 और अकासा एयरलाइन की 25 उड़ानें शामिल हैं। पिछले 11 दिनों में इंडियन एयरलाइंस की 250 उड़ानों को इस तरह की धमकियां मिली हैं। पिछले कई दिनों से लगातार विमानों को बम से उड़ानें की धमकियां मिल रही है। बृहस्पतिवार को एक बार फिर से 85 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जिसमें एयर इंडिया, अकासा, इंडिगो की उड़ानें शामिल हैं। पुलिस ने मिली इन धमकियों की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने पिछले आठ दिनों में 90 से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी के संबंध में आठ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। ▶10पर

कश्मीरी पत्रकार ने भी ठुकराया ऑक्सफोर्ड का न्यौता

आतंकियों को जगह देने वालों के मंच पर नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कश्मीरी पत्रकार आदित्य राज कौल ने हाल में ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी का न्यौता ठुकरा दिया। उन्हें आजाद कश्मीर के मुद्दे पर डिबेट के लिए इनवाइट आया था। शुरू में उन्होंने इसे स्वीकार किया, लेकिन बाद में इससे अपना नाम वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि वो एक ऐसे मंच पर आकर बात नहीं रखेंगे जहां एक आतंकी को भी सुना जाए।

उन्होंने ऑक्सफोर्ड को लिखा पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया है। अपने पत्र में उन्होंने ऑक्सफोर्ड को कारण बताया कि मुजम्मिल अयूब ठाकुर जैसों को बुलाए जाने के कारण कार्यक्रम में नहीं आएंगे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड से भी कहा कि ऐसे लोगों को बुलाकर सिर्फ संस्थान अपनी साख कम कर रहा है। ▶10पर

हिंदुओं पर अत्याचार में बांग्लादेश सरकार भी शामिल

यूनुस सरकार ने सौ से अधिक हिंदू पुलिस अफसरों को निकाला

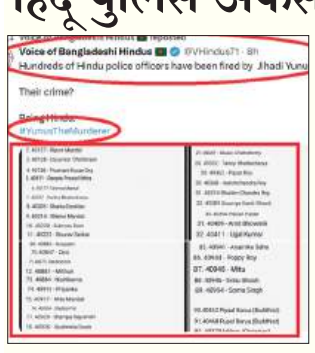

ढाका, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों पर कार्रवाइयां कर रही है। आम आदमी तो छोड़िए वहां पर सरकारी नौकरी करने वाले अल्पसंख्यकों को भी अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ रहा है। अलग-अलग बहाने से कट्टरपंथी सरकार हिंदुओं को नौकरी से बर्खास्त कर रही है। वॉयस ऑफ बांग्लादेश की रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक 100 से अधिक हिंदू पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है।

दुनियाभर में सवाल किया जा रहा है आखिर इन हिंदू पुलिस अफसरों का अपराध क्या था? केवल हिंदू होने के कारण उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। ▶10पर

जीएसटी के 700 अफसरों ने 78 ठिकानों पर मारा छापा

केरल के त्रिशूर में जब्त हुआ 120 किलो सोना

त्रिशूर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की खुफिया शाखा ने बड़ी कार्रवाई के तहत केरल के त्रिशूर में सोने के आभूषण निर्माताओं के यहां से 120 किलोग्राम से अधिक बेहिसाबी सोना जब्त किया। जीएसटी विभाग के लगभग 700 अधिकारियों ने 78 केंद्रों और दुकानों पर छापेमारी की। जांचकर्ताओं ने पांच साल की कर चोरी के सबूतों का खुलासा किया है। जीएसटी विभाग ने छापेमारी की यह कार्रवाई बुधवार 23 अक्टूबर की शाम को शुरू की, जो अगले दिन भी जारी रही। इस छापेमारी अब तक 35 आभूषण निर्माताओं एवं दुकान मालिकों के 78 परिसरों को कवर किया गया है। छापे राज्य जीएसटी विभाग के त्रिशूर स्थित खुफिया और प्रवर्तन विंग द्वारा महीनों तक की गई जांच के आधार पर शुरू किए गए। ▶10पर

आध्यात्मिक यात्रा राइज एंड शाइन का आयोजन

भौतिक सीमाओं से परे जाकर आध्यात्मिक यात्रा एक आंतरिक अनुभव: अरविंद मांडोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अन्तर्गत जीतो महिला विंग द्वारा नवमनोनीत अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना की अध्यक्षता में कार्यकाल के प्रथम कार्यक्रम का आगाज एक दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा राइज एंड शाइन के साथ किया गया। मुख्य प्रशिक्षक राष्ट्रीय वक्ता अरविंद मांडोत ने जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के स्थापना से अब तक के सफलतम कार्यकाल की बधाई दी और नई शुरुआत के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि अपने परिवेश की भौतिक सीमाओं से परे जाकर आध्यात्मिक यात्रा एक आंतरिक अनुभव है, जो अधिक आत्म-जागरूकता और जीवन के प्रति अधिक गहन प्रशंसा की ओर ले जाती है।

यह हमें विकास के अवसर के साथ-साथ स्वयं के व्यक्तित्व को भी प्रोत्साहित करती है। इस प्रकार की आध्यात्मिक यात्रा हर सदस्य को एक दूसरे के गहरे संबंध को बढ़ावा देती है। संस्था हो या जीवन कुछ सूत्रों का ध्यान रखने से सफलता कदम चूमती है। मांडोत ने सफलता के सूत्रों में बताया कि मनुष्य को अपने आपको जानने के लिए साधारण बने रहना जरूरी है। नाम चाह की भूख नहीं होनी चाहिए। मानव भव मिला, मनुष्य बनकर जन्मे हैं हम, भारत में जन्म हुआ सौभाग्य शाली है हम। इसलिए संस्कृति से जुड़े रहें। किसी के प्रति मन में दुर्भाव और गलत भाषा नहीं रखना। सरल हृदय और सादगी पूर्ण व्यवहार मनुष्य के आत्मकल्याण के लिए जरूरी हैं। जो उसके व्यक्तित्व को गरिमा प्रदान करता है।

उन्होंने प्रायोगिक माध्यम से विचारों की प्रस्तुति हेतु प्रशिक्षण दिया एवं सदस्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। जीतो संस्था द्वारा उनका सम्मान किया गया। जीतो महिला विंग पूर्व अध्यक्ष अनीता पिरगल, सुनीता गांधी, बिन्दु रायसोनी एवं महिला विंग साउथ अध्यक्ष बबिता रायसोनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने विचारों की प्रस्तुति दी।

इस एक दिवसीय यात्रा का शुभारंभ प्रातःकाल सर्वप्रथम जैन तीर्थ श्री आदि संस्कार धाम में पूजा अर्चना के साथ हुआ। फिर मंदारगिरी की ओर प्रस्थान किया गया, जहां पर्वतारोहण के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए सभी समवसरण निर्मित स्थान पर पहुंचे। कार्यसमिति सदस्य बिन्दु नाहर एवं मधुबाला बरलोटा ने सभी को ध्यान-साधना में लीन किया। भोजन के उपरांत सभी ने श्री पार्श्व लब्धी धाम की ओर प्रस्थान किया। बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, जेएलडब्ल्यू संयोजक नेमीचंद दलाल ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। संयोजिका नीता गादिया ने प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत का परिचय दिया। सह-संयोजिका प्रेमा रांका ने व्यवस्था संभाली। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ कोषाध्यक्ष संगीता पारख, व कार्यसमिति सदस्य हेमा सोलंकी, जीतो नॉर्थ से उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमुथा, सहमंत्री मीना बडेरा, सुमन रांका, कार्यसमिति सदस्य संगीता नागोरी, साधना धोका, स्वीटी नाहर, संगीता मुथा, सारिका जैन, नंदा बाफना, लेखा गांधी, अल्का लोढ़ा और पुष्पा जैन उपस्थित थे।

सबसे बड़ी जाति मानव की जाति: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने उत्तराध्यन सूत्र के 12वें अध्ययन का विवेचन करते हुए कहा कि तपस्वी हरिकेशवल नामक साधु के संयमी -जीवन से सम्बन्धित इस अध्ययन का नाम हरिकेशीय रखा गया है। इसमें हरिकेशवल के जीवन की झांकी बताई गई है। चाण्डाल जाति में उत्पन्न होने पर भी अपने उत्कृष्ट तप, त्याग और संयम के निर्मल और निर्दोष आराधना से वे महान बन गए थे। भगवान महावीर ने फरमाया है कि संसार में जितने भी मनुष्य है उन सब की एक ही जाति है मानव जाति। चाहे राजश्री परिवार हो, ब्राह्मण परिवार हो, वैस्य हो या क्षुद्र परिवार हो। कोई भी जाति का व्यक्ति साधु बन अपनी साधना द्वारा मोक्ष प्राप्त कर सकता है। मानव की कोई जाति नहीं होती। जाति से ऊपर उठकर मनुष्य की जाति को स्वीकार करना चाहिए। एक सामान्य व्यक्ति आत्मा से महात्मा और महात्मा से परमात्मा किस प्रकार बन सकता है, यह उदाहरण हरि-केशवल मुनि ने अपने जीवन से प्रस्तुत किया है। तप, संयम, त्याग और चारित्र किसी जाति या कुल की बपौती नहीं है, किसी भी जाति का कोई भी व्यक्ति इस मार्ग पर चलकर अपना आत्म- कल्याण तो करता ही है, जगत के अनेक भक्त जिज्ञासुओं को भी वह इस पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता है। लाखों साधारण लोग निरन्तर अनेक दुःख और कष्टों को सहकर भी जागृत नहीं हो पाते। अधिकांश लोग तो इसी परिस्थिति में पड़े-पड़े और समाज के तीव्र प्रहार सहते-सहते जिंदगी पूरी कर देते हैं। वे अपने भाग्य को कोसते रहते हैं, परन्तु पुरुषार्थ के द्वार पर आकर अलख नहीं जगाते। हरिकेशवल जैसे शूद्र जातीय एवं विकट परिस्थिति में पड़े हुए सैकड़ों वर्षों में कोई-कोई जागते हैं। हरिकेशवल के जीवन में भी ऐसी ही कई घटनाएँ निमित्त बनीं, जिन्होंने क्रमशः उन्हें झकझोर कर जगा दिया और वें तप, त्याग और संयम के पथ पर तपस्वी होकर चल पड़े। हरिकेशवल को कैसे विरक्ति हुई और किस निमित्त को पाकर वह तप-संयम के कठोर पथ पर अग्रसर हुए इसका भी वर्णन इस अध्ययन में है। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जीतो होसपेट का शपथ ग्रहण एवं स्थापना समारोह सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो केकेजी जोन के होसपेट अध्याय के नव नियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं स्थापना समारोह होसपेट स्थित होटल मल्लिगी में आयोजित हुआ। जीतो एपेक्स निदेशक व केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना, एपेक्स युवा विंग अध्यक्ष रजत हारडी, जोन उपाध्यक्ष संतोष पोरवाल, महामंत्री दिलीप जैन एवं जीतो पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से समारोह की विधिवत्त शुरुआत हुई। जीतो होसपेट के नव नियुक्त अध्यक्ष हितेश बागरेचा व उनकी टीम को प्रवीण बाफना ने शपथ दिलायी। इस अवसर पर बाफना ने कहा कि एक अग्रणी की सोच एवं कार्यशैली से पूरा अध्याय प्रभावित रहता है और निश्चित रूप जीतो होसपेट अध्याय अपने अग्रणी हितेश बागरेचा के कुशल नेतृत्व में जनहितैषी कार्यों द्वारा सफलता के शिखर को चुमेगा। बागरेचा ने सभी को आश्वस्त किया कि जीतो जोन पदाधिकारियों के मार्गदर्शन एवं उनकी टीम के सहयोग से जीतो होसपेट सफलता की नई इबारत लिखेगा।

केकेजी जोन के मीडिया संयोजक सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार मुख्य अध्याय के साथ जीतो होसपेट के महिला व युवा विंग अध्यक्षों ने भी शपथ ग्रहण की। जिसमें सरिता भंडारी ने महिला अध्यक्ष एवं शिखर मोदी ने युवा अध्यक्ष के रूप में शपथ ग्रहण की। इस दौरान जोन महिला विंग संयोजक पिंकी जैन की उपस्थिति से होसपेट महिला विंग में समर्पण का एक मजबूत मार्गदर्शन तैयार हुआ। जबकि एपेक्स युवा विंग अध्यक्ष रजत हारडी की उपस्थिति से युवा विंग सदस्यों को युवा विंग के विकास में सक्रिय योगदान की प्रेरणा मिली। सभी ने अपनी नियुक्ति पर उन पर जताए गए भरोसे पर खरे उतरने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में उपस्थित जीतो सदस्यों के बीच आपसी नेटवर्किंग एवं जुड़ाव देखा गया। आयोजन में एपेक्स व जोन पदाधिकारियों के साथ अनेकों गणमान्यों ने भाग लिया। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ आयोजन का समापन हुआ।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ चैप्टर का ब्रेन स्टोर्मिंग सत्र सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी कार्यकाल में बेहतरीन कार्यक्रमों की रूप रेखा तय करने और नई प्रबंधन समिति के सदस्यों में उत्साह वर्धन के मकसद से जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ चैप्टर ने ब्रेन स्टोर्मिंग सत्र का आयोजन जीतो कार्यालय चामराजपेट में किया। इसमें संगठन के मूल सिद्धांतों पर केंद्रित आगामी सत्र के लिए कार्य योजनाओं की परिकल्पना और उसको लागू करने के लिए उचित प्रयासों पर विचार विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ। नव गठित प्रबंधन समिति की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि हमें जीतो के मुख्य उद्देशय सेवा, ज्ञान एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा इस संगठन की मूल जानकारी के अंतर्गत सामूहिक रूप से कार्य करते हुए, अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है। महामंत्री निधि पालरेचा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए नवीन विचारों को प्रोत्साहित करने हेतु विचार व्यक्त किए। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के चेयरमैन रंजित सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुनिया और महिला विंग के संयोजक प्रवीण सोफाडिया ने इस अवसर पर महिला विंग को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कार्यक्रम को सुशोभित किया। केकेजी जोन मुख्य सचिव और विख्यात् मोटिवेशनल ट्रेनर दिलीप जैन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य टीम को संगठन के लक्ष्यों और दृष्टिकोण से परिचित कराना था। दिलीप जैन ने जीतो के मिशन, दृष्टिकोण और मूल मूल्यों को समझाया। सम्पूर्ण कमेटी सदस्यों को, महिलाओं को विभिन्न क्षेत्र में सशक्त बनाने और समुदाय के विकास को बढ़ावा देने हेतु, अर्थपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार किया गया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष लता बोहरा, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर एवं चंद्रा जैन, मैनेजिंग कमेटी सदस्य अंगीका बाफना, अंजलि जैन, अर्पिता लधानी, अस्मिता चौहान, हेमा सोलंकी, कविता मुथा, नीतू गुलेचा, निशा कोठारी, प्रिया गांधी, राशि जैन, रेखा जैन, संगीता सियाल, सोमाना सिसोदिया एवं तरुण मेहता उपस्थित रहे।

अनेकान्तवाद के सिद्धान्त से सम्पूर्ण विश्व में सुख-शांति संभव: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में विराजित साध्वी श्री धर्म प्रभा जी ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर के अनेकान्तवाद के सिद्धान्त को सहज - सरल रूप में पालन करने से संघ - समाज, परिवार, राष्ट्र और सम्पूर्ण विश्व के प्राणीमात्र में सुख- शांति संभव है। जहां पूर्वाग्रही, हठाग्रही, दुराग्रही मात्र अपने अहं- दुराग्रह से संकुचित पोषित कर अपने दृष्टिकोण से एक चीज को देखकर उसका खण्डन-मनन करता है, वो सही मायने में पूर्ण सत्य का दर्शन नहीं कर पाता हैं। कह सकते हैं कि यह धर्म नहीं अधर्म का द्वार हैं। जहां व्यक्ति अपने संकीर्ण सोच से धर्म के वास्तविक स्वरूप को नहीं समझ पा रहा है और अपने लिए भी मानसिक रूप से तनाव - चिन्ता अवसाद को जन्म दे रहा हैं।

आग्रह नहीं, आदर की भावना भी होनी चाहिये। फूल में खुशबू भी है, कांटें भी है। अब यह व्यक्ति की सोच पर निर्भर करता है कि वह फूल को कैसे देखकर उसकी समीक्षा - गुण-दोष का चिंतन करता है। भगवान महावीर ने संसार की समस्त समस्याओं के निदान के रूप में यह शाश्वत महान प्रेरक सूत्र की प्ररूपणा की हैं और जगत के भव्य जीवों को एक महान सुन्दर भेंट सौगात हित शिक्षा रूप दी है, जो अनेकान्तवाद का महान सिद्धान्त है। एकान्तवाद अनेक प्रकार की समस्याओं, विघटन का काम करता है, वहीं भगवान का अनेकान्तवाद का यह सिद्धान्त जगत के समस्त जीव की शांति की स्थापना में सदेव प्रकाश स्तम्भ के रूप में है।

मानव सेवा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद एवं तेरापंथ किशोर मंडल राजाजीनगर द्वारा प्रस्तुत खुशियों की दिवाली बांटे खुशियों का गिफ्ट बॉक्स के तहत गुरुवार को दो मानव सेवा कार्य आयोजित किए गए। प्रथम मानव सेवा कार्य नागदेवनहल्ली स्थित कालज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट में सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से किया गया। आश्रम संचालक मुनिराजु ने ट्रस्ट की जानकारी प्रदान करते हुए कहा गत नौ वर्षों से यह ट्रस्ट संचालित किया जा रहा है। जिसमें 35 दिव्यांग बच्चे व बच्चियां प्रवासित है। द्वितीय मानव सेवा कार्य विजयनगर स्थित यशोदा हेल्थ केअर एंड ओल्ड ऐज होम में किया गया, जहां पर लगभग 21 वृद्ध पुरुष एवं महिलाएं प्रवासित हैं। वृद्धाश्रम केयर टेकर ने कहा लगभग 15 वर्षों से यह वृद्धाश्रम संचालित है। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने दीपावली की शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जयंतीलाल गांधी, शांतिलाल पितलिया, रनीत कोठारी, मुकेश भंडारी एवं विक्रम बोहरा उपस्थित थे।

आत्मा का विमोचन पर आधारित कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार 2024 खुशियों की दीपावली के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन बुधवार को तेरापंथ सभा भवन राजाजीनगर में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। उसके पश्चात प्रेरणा गीत का संगान महिला मंडल की बहनों ने किया। अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया और विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। आत्मा का विमोचन नामक कार्यशाला के मुख्य वक्ता उपासक महेंद्र दक थे। उन्होंने बताया की आत्मा का अस्तित्व हमेशा रहता है, लोभ, अज्ञानता, परमार्थ से भी आत्मा अंधकार को प्राप्त होती है। इसलिए प्रमाद को छोड़कर आत्मा को प्रकाशमय बनाने का प्रयास करना चाहिए। केवल बाहरी रूप से नहीं अपितु आंतरिक रूप से भी स्वच्छता और सेवा का भाव लेकर हम परिवार और स्वयं का विकास कर सकते हैं। महेंद्र ने सभी सदस्यों के साथ रोचक संवाद करके उनकी जिज्ञासाओं का निवारण किया। सदस्यों ने एक प्रतीकात्मक इलेक्ट्रीक दीपक अपने हाथों में लेकर अपने जीवन में जिससे भी मन कटु हुआ उनसे क्षमा मांग कर आत्मा के विकार को दूर करने का संकल्प लिया। अनासक्त भावना को पुष्ट करने के लिए अपने घर के अतिरिक्त वस्त्र खिलौने, किताबें और अन्य उपयोगी सामान का विसर्जन किया। उपासक महेन्द्र ने एबीटीएमएम एवं स्थानीय मंडल के इस कार्य की सराहना की। कार्यक्रम के पश्चात महिला मंडल द्वारा एकत्रित कपड़े खिलौने, किताबें और अन्य उपयोगी सामान को मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों और अनाथ आश्रमों में पहुंचाया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया।

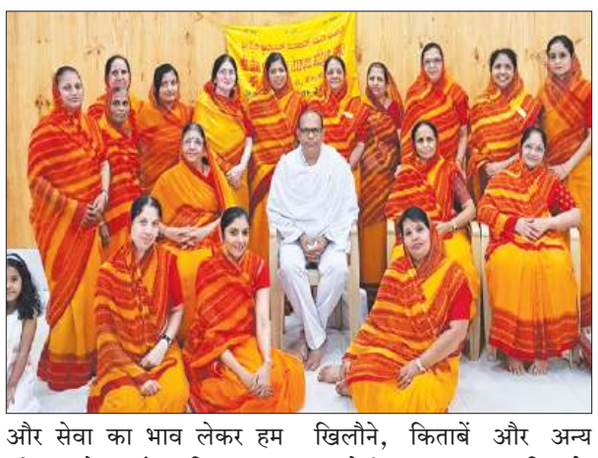

3 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव

भाजपा से भरत बोम्मई व कांग्रेस से योगेश्वर ने दाखिल किया नामांकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मिनी युद्ध के रूप में देखे जा रहे 3 विधानसभा उपचुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने का शुक्रवार को आखिरी दिन है। इसी बीच गुरुवार को पूर्व मंत्री योगेश्वर और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई ने अपना नामांकन पत्र जमा कर दिया है। कांग्रेस ने दो और भाजपा ने एक सीट पर नामांकन दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले प्रत्याशियों ने रोड शो कर शक्ति प्रदर्शन किया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस, विपक्षी दल भाजपा और जेडीएस इस उपचुनाव को प्रतिष्ठापूर्ण मान रहे हैं, इसलिए चुनाव प्रचार में जोरदार मुकाबला है। पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर ने चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है, जो हाई वोल्टेज निर्वाचन क्षेत्र माना जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बसवराज बोम्मई ने शिग्गांव विधानसभा क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी पेश की है। अन्नपूर्णा ई. तुकाराम ने संदूर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपनी उम्मीदवारी पेश की है। इन तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रोड शो किया और फिर अपनी पार्टी के नेताओं के साथ चुनाव अधिकारियों को अपनी उम्मीदवारी सौंपी।

सत्तारूढ़ कांग्रेस तीनों सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। इस चुनाव में भी भाजपा और जेडीएस के बीच तालमेल जारी है और भाजपा के उम्मीदवार शिग्गांव और संदूर निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार चुनने का विवेक दिया गया, जिससे काफी दिलचस्पी पैदा हुई। सीपी योगेश्वर को एनडीए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने की कोशिशें सफल नहीं हुईं। अब वह कांग्रेस की ओर से एनडीए उम्मीदवार के प्रतिद्वंद्वी के तौर पर मैदान में उतर गए हैं, हालांकि शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन है, लेकिन अभी तक चन्नपट्टना सीट के लिए एनडीए उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चन्नपट्टना शहर में नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रोड शो में भाग लिया। भरत बसवराज बोम्मई ने शिग्गांव शहर में नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रोड शो किया। बसवराज बोम्मई सहित भाजपा नेताओं ने भाग लिया। इसी तरह, मंत्री जमीर अहमद खान, पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र, सांसद ई. तुकाराम और अन्य कांग्रेस नेताओं ने संदूर में अन्नपूर्णा के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले आयोजित रोड शो में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा एमएलसी के पद से इस्तीफा देने वाले असंतुष्ट भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सी पी योगेश्वर बुधवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी और चन्नपट्टना से निर्दलीय के रूप में पांच बार विधायक रह चुके योगेश्वर एनडीए उम्मीदवार के रूप में भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने के लिए दृढ़ थे। हालांकि, भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले यह सीट जेडीएस के लिए छोड़ दी थी, क्योंकि यह सीट पहले जेडीएस के पास थी। नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री के रूप में कुमारस्वामी के मांड्या से चुनाव जीतने से योगेश्वर की राह मुश्किल हो गई थी। भाजपा एमएलसी के रूप में अपनी सीट से इस्तीफा देने से पहले ही योगेश्वर मांग कर रहे थे कि उन्हें एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुना जाना चाहिए। उन्होंने टिकट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी भी दी थी। उन्होंने जेडीएस के चुनाव चिह्न पर चन्नपट्टना से एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के कुमारस्वामी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जो उन्हें स्वीकार्य नहीं था। इससे पहले सुबह योगेश्वर ने उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार से मुलाकात की और दोनों ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की थी। केपीसीसी कार्यालय में औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद योगेश्वर ने कहा कि वह बिना शर्त पार्टी में शामिल हो रहे हैं और एक साधारण कार्यकर्ता की तरह काम करेंगे और उन्हें जो भी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, उन्हें पूरा करेंगे।

परिजनों को 5-5 लाख रुपए का दिया जाएगा मुआवजा

सीएम ने बेंगलूरु में अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई के दिए आदेश

अस्पताल में भर्ती लोगों का खर्च सरकार उठाएगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को बेंगलूरु के हुरमावु अगरा इलाके में इमारत ढहने की घटना स्थल का निरीक्षण किया। सीएम ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की, जबकि घायलों को अस्पताल में देखने के बाद अनुग्रह राशि दी जाएगी। उन्होंने घटनास्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा अस्पताल में भर्ती लोगों का खर्च सरकार उठाएगी। इसके अलावा, सरकार द्वारा 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जानी है, घायलों को अस्पताल में देखने के बाद अनुग्रह राशि की घोषणा की जाएगी। सिद्धरामैया ने यह भी उल्लेख किया कि बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को शहर में सभी अवैध निर्माणों को रोकने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा यह एक अनधिकृत इमारत है जिसे बनाया जा रहा था, यह बारिश की वजह से नहीं बल्कि घटिया काम की वजह से गिरी है। इसके लिए नोटिस दिया गया है। निलंबन भी हुआ है। जोनल अधिकारियों को भी नोटिस दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भी आलोचना की, जिसने बारिश के बाद शहर की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर हमला किया है। इस त्रासदी में आठ लोगों की मौत हो गई है और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। आठ अन्य लोगों को बचा लिया गया है। उनमें से छह घायल हैं, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हैं। लेकिन सभी छह घायल व्यक्ति खतरे से बाहर हैं, और सरकार उनके चिकित्सा खर्च को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि मुआवजा से जीवन की क्षतिपूर्ति नहीं होगी। चूंकि पीड़ित मजदूर परिवारों से हैं, इसलिए मुआवजा दिया गया है। अधिकारी शवों को उनके संबंधित स्थानों पर भेजने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा मैं लोगों से अपील करता हूं कि उन्हें कानून के अनुसार ही घर बनाना है और नियमों के विरुद्ध घर नहीं बनाना है। किसी को भी अनधिकृत इमारतें नहीं बनानी चाहिए। जब सरकार ने नोटिस जारी किया था, तब उन्हें निर्माण रोक देना चाहिए था। उन्होंने इसे नहीं रोका। उन्होंने जोर देकर कहा, मालिक, ठेकेदार या किसी अन्य संबंधित व्यक्ति को काम रोक देना चाहिए था तो यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। सभी को भवन निर्माण के लिए लाइसेंस लेना चाहिए। सहायक कार्यकारी अभियंताओं द्वारा इसका निरीक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। भविष्य में मैंने बीबीएमपी आयुक्त को अनधिकृत इमारतों के निर्माण की अनुमति नहीं देने को कहा है। यदि इमारतें अवैध रूप से बनती हैं, तो सहायक कार्यकारी अभियंता, कार्यकारी अभियंता और जोनल अधिकारी जिम्मेदार होंगे। मैंने इस संबंध में बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए हैं। पिछली भाजपा सरकार के दौरान अनधिकृत इमारतों को पहले से जारी किए गए नोटिस के बारे में पूछे जाने पर, सीएम ने कहा कि यह एक सतत प्रक्रिया है, कुछ ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और कुछ अपीलीय अधिकारियों के पास गए हैं। सीएम के साथ मंत्री बैरती सुरेश, एमसी सुधाकर, विधायक बैरती बसवराज और बीबीएमपी आयुक्त और अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अस्पताल का दौरा किया और घायलों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने श्रमिकों के इलाज के लिए सभी आवश्यक आधुनिक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये। इमारत गिरने के मामले में तीन आरोपियों मुनिराजरेड्डी, मोहन रेड्डी और एलुमलाई के खिलाफ हेनूर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। मुनिराजारेड्डी के बेटे भुवन रेड्डी, जिनके नाम पर इमारत का निर्माण किया जा रहा था, को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। डीसीपी ईस्ट डी देवराज के अनुसार, चार मंजिलों के निर्माण के लिए जिम्मेदार ठेकेदार मुनियप्पा को भी हिरासत में ले लिया गया है।

किसी एक पार्टी के प्रति वफादार रहना मुश्किल: जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने यह कहकर उत्सुकता जगा दी है कि हाल के दिनों की राजनीति में किसी एक पार्टी के प्रति वफादार रहना मुश्किल है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई किसी का स्थायी दुश्मन या शुभचिंतक नहीं होता। ऐसा हरियाणा, महाराष्ट्र में हुआ। आजकल किसी एक पार्टी में टिके रहना मुश्किल है। कुछ लोग पार्टी के प्रति वफादार हैं। लेकिन कानून दलबदल की इजाजत देता है। उन्होंने कहा कि अगर इस पर रोक लगा दी जाए तो ये रुक सकता है। मैं भाजपा के पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर के कांग्रेस में शामिल होने का स्वागत करता हूं। हाईकमान ने पहले ही उनके लिए टिकट की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि इससे चन्नपट्टना में पार्टी को बड़ी ताकत मिलेगी। योगेश्वर ने चन्नपट्टना में अच्छा प्रदर्शन किया है। लोग उनके बारे में अच्छी राय रखते हैं। वे पार्टी में आएं तो

अच्छा रहेगा। सवाल ही नहीं उठता कि योगेश्वर कांग्रेस के लिए अपरिहार्य हैं या नहीं। यह महत्वपूर्ण है कि हम मैदान जीतें। उन्होंने कहा कि हम इसके लिए रणनीति बनाएंगे। चन्नपट्टना डीके शिवकुमार और डीके सुरेश के लिए एक परिचित क्षेत्र है। उन्होंने पार्टी हित में कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता राजनीति के लिए आलोचना करते हैं, यह अपरिहार्य नहीं बल्कि जरूरी है। वह भूल गए कि योगेश्वर पहले कांग्रेस में थे। अस्थायी तौर पर भाजपा में चले गए। उन्होंने कहा कि वह अब वापस आ गए हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में शनिवार तक बारिश की संभावना है। सरकार और बीबीएमपी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। भारी बारिश से लोगों को परेशानी हो रही है। बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। एक अनधिकृत इमारत ढह गई है। 8 लोगों की मौत हो गई। लेकिन सरकार स्थिति को संभाल रही है।

हाईकमान शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र में टिकट वितरण के लिए जानकारी प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि टिकट इस आधार पर दिया जाएगा कि कौन जीतेगा। इससे पहले विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा था कि कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर ने भाजपा को धोखा दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, योगेश्वर को टिकट देने के लिए हमने आखिरी वक्त तक हरसंभव प्रयास किया। उन्होंने कहा था कि वह किसी भी कारण से कांग्रेस में शामिल नहीं होंगे। अब वह अचानक कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने गरजते हुए कहा कि इस बार विधानसभा क्षेत्र की जनता सही सबक सिखाएगी। आखिर योगेश्वर भाजपा से नहीं हैं। वह पार्टी के सिद्धांत से सहमत नहीं हुए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि गठबंधन से गद्दारी करने के लिए उन्हें माफ करने का सवाल ही नहीं उठता। खबर है कि सीपी योगेश्वर पांच जगहों से बी फॉर्म लेकर आये थे। वे हमारी बात सुने बिना ही कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने भविष्यवाणी की कि योगेश्वर को कांग्रेस से निराशा जरूर होगी। हम सभी ने कहा कि यह जेडीएस का टिकट है और कुमारस्वामी को फैसला करना चाहिए। एचडीके ने एक कदम आगे बढ़कर जेडीएस चुनाव चिह्न के तहत चुनाव लड़ने की पेशकश की। ऐसे में कांग्रेस की जगह जेडीएस खड़ी हो सकती थी और एनडीए को फायदा होता। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि योगेश्वर ने अब पार्टी को धोखा दिया है।

अशोक ने बेंगलूरु इमारत ढहने पर सिद्धरामैया सरकार पर साधा निशाना

घटनास्थल का किया दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने गुरुवार को 22 अक्टूबर को ढही निर्माणाधीन इमारत पर दुख व्यक्त करने के बाद कर्नाटक सरकार पर कटाक्ष किया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इमारत ढहने से आठ लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, कर्नाटक विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह एक बेहद दुखद घटना थी, जिसके कारण आठ लोगों की जान चली गई। तलाशी अभियान जारी है। यह सरकार की लापरवाही है। 6 मंजिल बनाने की अनुमति क्यों दी गई?

इस सरकार के कमीशन के लिए, लोगों ने अपनी जान गंवाई है। यह सरकार सो रही है। जैसा

कि आप देख सकते हैं कि हर जगह मलबा है। अशोक ने कहा कि केंद्र सरकार ने बेंगलूरु में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त मात्रा में धन जारी किया है। उन्होंने कहा कांग्रेस भूल गई है कि वे सत्ताधारी पार्टी हैं। मैं इस सरकार को चुनौती देता हूं कि आप 1.5 साल से यहां हैं, आपने बुनियादी ढांचे और अन्य विकास कार्यों के लिए कितना पैसा जारी किया है? लेकिन देखें कि केंद्र सरकार ने कितना जारी किया है। आप कैसे कह सकते हैं कि हम राजनीति कर रहे हैं, हम एक सुरक्षित बेंगलूरु चाहते हैं। इससे पहले आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री बैरती बसवराज और भाजपा नेताओं ने इमारत ढहने वाली जगह का दौरा किया और घटना की जानकारी ली।

बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी फ्लाईओवर पर भारी जाम से परेशान लोग

गाड़ी छोड़ कर पैदल ही घर की ओर चल पड़े

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में बारिश के कारण होने वाली यातायात की समस्या फिर से सामने आई है और इस बार इलेक्ट्रॉनिक सिटी में भारी जाम लगा। भारी बारिश के कारण इलेक्ट्रॉनिक सिटी फ्लाईओवर पर तीन घंटे से अधिक समय तक यात्री फंसे रहे, क्योंकि फ्लाईओवर के नीचे जाम लग गया। सूत्रों के अनुसार, इससे परेशान होकर कई आईटी कर्मचारी बुधवार की रात को अपने वाहन छोड़कर पैदल ही घर चले गए। कुछ लोगों ने भारी ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था का एक वीडियो साझा करते हुए बताया कि बुधवार रात को इलेक्ट्रॉनिक सिटी फ्लाईओवर पर और उसके नीचे भारी ट्रैफिक जाम के बाद हजारों लोग अपनी कंपनी की गाड़ियों/बसों से उतरकर अपने घरों की ओर चल पड़े। लोग करीब 3 घंटे तक फ्लाईओवर पर फंसे रहे। इससे पहले 22 अक्टूबर को कर्नाटक सरकार ने कंपनियों को एक एडवाइजरी जारी कर अपने कर्मचारियों से बारिश के मद्देनजर घर से काम करने को कहा था। एडवाइजरी के अनुसार, कर्मचारियों को मंगलवार और बुधवार को घर से काम करने के लिए कहा गया था। हालांकि, कंपनी के आदेशों के कारण कई कर्मचारियों को बुधवार को कार्यालय जाना पड़ा। इससे पहले दिन में सरकार ने भारी बारिश की आशंका के चलते स्कूलों में सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया था। हालांकि, डिग्री, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग और आईटीआई कॉलेजों सहित उच्च शिक्षा संस्थान चालू रहे। यह एक सप्ताह में तीसरी बार है जब बारिश के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। खोए हुए शिक्षण घंटों की भरपाई के लिए सरकार ने स्कूलों को शनिवार दोपहर या रविवार को अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करने का निर्देश दिया है। 22 अक्टूबर की रात को आए तूफान के बाद बेंगलूरु उत्तर में भयंकर बाढ़ आई। अधिकांश घरों और सड़कों से पानी निकल गया, लेकिन कुछ इलाकों में अभी भी पानी जमा है।

पुलिसकर्मी ने दुर्घटना में घायल व्यक्ति को स्कूटर से अस्पताल पहुंचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महिला पुलिस अधिकारी ने मानवता का असाधारण उदाहरण पेश किया जब उसने बुधवार को केपीटी के पास एक दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को अपनी स्कूटी पर अस्पताल पहुंचाया।

कादरी पुलिस स्टेशन से जुड़ी पुलिस अधिकारी मुर्शिदा बानू रात की ड्यूटी पर थीं। सुबह 4 बजे केपीटी की ओर जाते समय उन्हें एक दुर्घटना का पता चला जिसमें पोल्ट्री ट्रांसपोर्ट पिकअप एक खड़े ट्रक से टकरा गया था। पिकअप का क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया और ड्राइवर भी घायल होने के बावजूद क्लीनर की मदद करने में असमर्थ था। ड्राइवर की मदद के लिए चीख-पुकार सुनकर मुर्शिदा बानू उस वाहन के पास पहुंचीं। ऑटो-रिक्शा उपलब्ध न होने के कारण उन्होंने घायल क्लीनर को एक हाथ से पकड़कर अपनी स्कूटी चलाते हुए पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर उरवा पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने घायल ड्राइवर का इलाज कराने में भी मदद की। मुर्शीदा बानू ने तुरंत कादरी यातायात विभाग को सूचित किया और उन्हें दुर्घटना स्थल पर जाने के लिए निर्देशित किया। मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने घायल पीड़ित को समय पर सहायता प्रदान करने के लिए उनकी सराहना की।

निखिल कुमारस्वामी चन्नपट्टना में एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी को चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने अपने आवास पर केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, विधानसभा विपक्ष के नेता आर. अशोक सहित भाजपा-जेडीएस नेताओं की उपस्थिति में चन्नपट्टना उप-चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार के रूप में निखिल कुमारस्वामी के नाम की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर बोलते हुए, येदियुरप्पा ने कहा कि हमने चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के उप-चुनाव के लिए निखिल कुमारस्वामी को अपने उम्मीदवार के रूप में चुना है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से, हम

उपचुनाव 100 प्रतिशत जीतेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न सिर्फ उपचुनाव लड़ने का, बल्कि पूरी जीत का भरोसा है। भाजपा-जेडीएस नेता इलाके में मिलकर प्रचार कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने अपनी पार्टी के नेताओं से चर्चा की और निखिल को उम्मीदवार बनाया। उन्होंने बताया कि हम इस पर सहमत हो गये हैं।

निखिल कुमारस्वामी चन्नपट्टना उपचुनाव के जरिए तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने 2019 में मांड्या लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और हार गए थे। उस वक्त जेडीएस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। उन्होंने 2023 का विधानसभा चुनाव रामनगर निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा और हार गए। अब वह तीसरी बार एनडीए उम्मीदवार के रूप में चन्नपट्टना उपचुनाव लड़ेंगे। हालांकि एनडीए उम्मीदवार के रूप में घोषित निखिल कुमारस्वामी शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन जेडीएस उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करेंगे।

विधान परिषद उपचुनाव में भाजपा के किशोर कुमार पुत्तुर जीते

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बहुप्रतीक्षित परिणाम में, भाजपा के किशोर कुमार पुत्तुर ने दक्षिण कन्नड़ स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधान परिषद उपचुनाव में आरामदायक जीत हासिल की है। 21 अक्टूबर को आयोजित चुनाव कोटा श्रीनिवास पुजारी के लोकसभा में चुने जाने के बाद आवश्यक हो गए थे। गुरुवार को परिणाम घोषित किए गए, जिससे भाजपा की अपेक्षित जीत की पुष्टि हुई। मतगणना में भाजपा को 3,654 वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 1,957 वोट मिले। एसडीपीआई को 195 वोट मिले। सविता समाज से ताल्लुक रखने वाले किशोर कुमार पहले भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष और दक्षिण कन्नड़ जिला भाजपा के महासचिव के रूप में काम कर चुके हैं।

ऑटो-रिक्शा और पिकअप की टक्कर में स्कूली छात्रा की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बेलमा गांव के कल्लपड़े में गुरुवार को स्कूली बच्चों को ले जा रहे एक ऑटो-रिक्शा और एक पिकअप ट्रक के बीच हुई दुर्घटना में चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 11 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। मृतक की पहचान आयशा वहीबा (11) के रूप में हुई है, जो बदकाबैलू के मोहम्मद बी मोनू और मुंशिया की बेटी थी। ऑटो-रिक्शा बच्चों को मदका से नेताजी स्कूल, डेरालाकाटे ले जा रहा था, तभी कल्लपड़े के पास एक तेज रफ्तार और ला-परवाही से आ रहे पिकअप ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल आयशा की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। रिक्शा में सवार चार अन्य छात्रों को मामूली चोटें आईं और ऑटो-रिक्शा चालक भी घायल हो गया। सभी घायलों को डेरालाकाटे के के एस हेगड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेंगलूरु दक्षिण यातायात पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और डेरालाकाटे नेताजी सुभाषचंद्र बोस सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय ने आयशा की याद में अवकाश घोषित कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के जज की जांच की मांग वाली याचिका पर जताई आपत्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना द्वारा तीन मामलों की सुनवाई से खुद को अलग करने की जांच की मांग करने वाली याचिका पर आपत्ति जताई। न्यायमूर्ति अभय एस ओका, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिका दायर करने के तरीके को लेकर याचिकाकर्ता की खिंचाई की और इसे अत्यधिक आपत्तिजनक बताया। पीठ ने याचिकाकर्ता चंद्रप्रभा और अन्य की ओर से पेश हुए वकील से पूछा कि क्या इस तरह की याचिका दायर करना संभव है, क्योंकि सुनवाई से अलग होना

न्यायाधीश के विवेक से संबंधित है। यह क्या है? इससे गलत संकेत जाएंगे। दिशा-निर्देश ठीक हैं, लेकिन आप परिस्थितियों की जांच का निर्देश देकर राहत नहीं मांग सकते। इससे पता चलेगा कि कोई और मकसद है। आप दबाव बनाना चाहते हैं। अदालत ने कहा कि याचिका में सच्चाई का अभाव है। पीठ ने पूछा आपको केवल सिद्धांतों के आधार पर राहत मांगनी चाहिए। सभी निजी पक्षों पर आरोप लगाने और न्यायाधीशों पर आक्षेप लगाने की क्या जरूरत थी। पीठ ने कहा क्या आपके अनुसार न्यायाधीश भी इतने कमजोर हैं? लोकायुक्त न्यायिक नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं? रिट अप्रत्यक्ष तरीके से दायर की गई है, हमें इसके पीछे की मंशा के बारे में पता नहीं है। यदि न्यायाधीश शाम 7 बजे तक जागते हैं तो आपको इसकी चिंता नहीं है।

पीठ ने अपने आदेश में कहा याचिका का अवलोकन करने और याचिकाकर्ता की सुनवाई करने के बाद, हमने पाया कि मामले को सुरक्षित रखे जाने के बाद न्यायाधीशों के खिलाफ आपत्तिजनक और अप्रासंगिक आरोप लगाए गए थे। याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की मांग की, हम इसकी अनुमति देते हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने यह निर्णय नहीं लिया है कि मामले को वापस लेने के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करना उचित होगा या नहीं।

चन्नपट्टना उपचुनाव क्षेत्र में कोई असंतोष नहीं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष डी.के.शिवकुमार ने कहा कि चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में कोई असंतोष नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवार के चयन को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

एक बड़ा आंतरिक सर्वेक्षण चल रहा है। उन्होंने कहा कि इसे जल्द ही पूरा किया जा सकता है। विभिन्न मत सुने गये हैं। राजनीतिक तौर पर कांग्रेस को होने वाले फायदे को लेकर विश्-लेषण चल रहा है। उन्होंने कहा कि उसी के आधार पर टिकट आवंटित किये जायेंगे। उनका कहना था कि डीके सुरेश को चन्नपट्टना सीट से उम्मीदवार बनाने की बात चल रही थी। लेकिन कोई गड़बड़ी नहीं है। डीके सुरेश विधानसभा क्षेत्र के चुनाव प्रभारी होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में आने से पहले सीपी योगेश्वर ने खुद डीके सुरेश से संपर्क किया था और फिर वह मेरे पास आये।

विजयपुरा में फन राइड दुर्घटना में 21 वर्षीय युवती की मौत

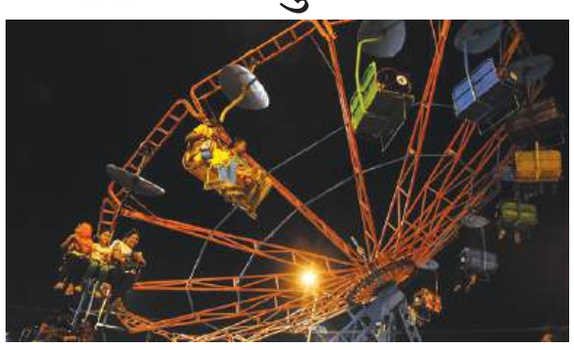

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में बुधवार की रात को फन राइड प्रदर्शनी में फिसलने से एक युवती की मौत हो गई। इंगलेश्वर गांव की 21 वर्षीय निकिता बिरादर नवबाग रोड पर फिश टनल एक्सपो में रेंजर स्विंग राइड की सवारी कर रही थी, तभी सेफ्टी हार्नेस निकल गया और वह जमीन पर गिर गई। उसे गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उसकी मां गीता बिरादर ने पुलिस में शिकायत की है कि उसने मशीन ऑपरेटर रमेश राय से सेफ्टी फीचर्स के बारे में पूछताछ की थी और उसने उन्हें आश्वासन दिया था कि सब कुछ ठीक है। हालांकि, उसने शिकायत में कहा कि वह झूठ बोल रहा था और लापरवाही बरत रहा था, क्योंकि हार्नेस निकल गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया, जब मशीन एक सर्कल में घूमने लगी, तो कुछ लोग चिल्लाने लगे। मैंने ऑपरेटर से बार-बार मशीन बंद करने का अनुरोध किया, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

इससे मेरी बेटी की असामयिक मृत्यु हो गई। पुलिस उपाधीक्षक बसवराज येलिगर ने बताया कि बीएनएस प्रावधानों के तहत लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

न्यायमूर्ति सिद्धैया रचैया कर्नाटक हाईकोर्ट में स्थायी न्यायाधीश नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा की गई सिफारिश पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, केंद्र ने गुरुवार को न्यायमूर्ति सिद्धैया रचैया को कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सिद्धैया रचैया को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से कर्नाटक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करते हैं। एससी कॉलेजियम ने पिछले सप्ताह न्यायमूर्ति रचैया को कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अपनी सिफारिश भेजी थी। इससे पहले अगस्त में कर्नाटक उच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति रचैया को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए सर्वसम्मति से अपनी सिफारिश आगे बढ़ाई थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा कि उसने प्रक्रिया ज्ञापन के संदर्भ में कर्नाटक उच्च न्यायालय के मामलों से परिचित शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीशों से परामर्श किया। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के 26 अक्टूबर 2017 के संकल्प के संदर्भ में भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा गठित सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों की एक समिति ने न्यायमूर्ति सिद्धैया रचैया के निर्णयों का मूल्यांकन किया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा कि उसने कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए न्यायमूर्ति रचैया की योग्यता और उपयुक्तता का आकलन करने के लिए एकमात्र परामर्शदाता-न्यायाधीश की राय और निर्णय मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट सहित रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री की जांच और मूल्यांकन किया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने संकल्प लिया कि न्यायमूर्ति रचैया को मौजूदा रिक्ति के विरुद्ध कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए।

विजयनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। *विजयनगर में गुरुवार को राज्य परिवहन की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा विजयनगर इलाके के सुत्तुर गांव के पास हुआ, जहां बस सड़क से फिसलकर पलट गई। पुलिस आगे की जांच पड़ताल में लगी है।*

त्यौहारी सीजन के दौरान 14 ट्रेनों में अस्थायी रूप से एक-एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे यात्रियों की सुविधा और त्यौहारी सीजन के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 14 ट्रेनों में अस्थायी रूप से अतिरिक्त कोच लगाएगा। ट्रेन संख्या 16589 केएसआर बेंगलूरु-सांगली रानी चेन्नम्मा डेली एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20653 केएसआर बेंगलूरु-बेलगावी डेली एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12649 यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में शुक्रवार से 24 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर इकॉनमी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 16590 सांगली-केएसआर बेंगलूरु रानी चेन्नम्मा

डेली एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 20654 बेलगावी-केएसआर बेंगलूरु डेली एक्सप्रेस में 26 अक्टूबर से 25 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर इकॉनमी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 12650 हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में 27 अक्टूबर से 28 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर इकॉनमी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 12629 यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में 24 अक्टूबर से 26 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर इकॉनमी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 12630 हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में 30 अक्टूबर से 29 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर इकोनॉमी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 17323 एसएसएस हुब्बल्ली-बनारस साप्ताहिक एक्सप्रेस में 25 अक्टूबर से 22 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 17324 बनारस-एसएसएस हुब्बल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस में 27 अक्टूबर से 24 नवंबर तक एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 22685 यशवंतपुर-चंडीगढ़ द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 26 अक्टूबर से 23 नवंबर तक एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 22686 चंडीगढ़-यशवंतपुर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 29 अक्टूबर से 26 नवंबर तक एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा।

बारिश के पानी से भरे लिफ्ट शाफ्ट में गिरने से पांच वर्षीय बच्चा डूबा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के कन्नमंगला इलाके में बुधवार को एक निर्माणाधीन इमारत के पानी से भरे लिफ्ट पिट में पांच वर्षीय सुहास गौड़ा डूब गया। यह दुर्घटना सुबह करीब 9 बजे हुई, जब सुहास साइट के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। लिफ्ट शाफ्ट के लिए बनाए गए पांच फुट गहरे गड्ढे में हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद पानी भर गया था। सुहास अपना संतुलन खो बैठा और गड्ढे में गिर गया। उसके दोस्त उसकी मां श्रीकन्या को सचेत करने के लिए दौड़े, लेकिन जब तक वे वापस

आए, तब तक सुहास डूब चुका था। सुहास की मां श्रीकन्या कोलार जिले के मुलबागिलु की एक मजदूर हैं और अपने पति से अलग हो गई थीं। जिस इमारत में यह घटना हुई, वह कन्नमंगला मिल्क डेयरी एसोसिएशन का हिस्सा है, जो कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) से संबंधित है। रिपोर्ट के अनुसार, पड़ोसियों ने शिकायत की कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गड्ढे के आसपास कोई सुरक्षा अवरोध या सावधानी नहीं बरती गई थी। गड्ढे को ढका नहीं गया था और लोगों को गिरने से बचाने के लिए कोई बैरिकेड भी नहीं था।

पड़ोसियों ने सुहास को गड्ढे से निकाला और अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। कडुगोडी पुलिस ने इमारत के मालिक और दूध डेयरी के अध्यक्ष के खिलाफ लापरवाही के कारण मौत का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की है। अधिकारी अब निर्माण स्थल पर सुरक्षा उपायों की कमी की जांच कर रहे हैं, जिसके कारण यह घातक दुर्घटना हुई। सुहास अपने माता-पिता के अलग होने के बाद साइट के पास अपनी मां और दादी के साथ रह रहा था। मंत्री प्रियांक खड़गे ने घोषणा की थी कि हाल ही में हुई बारिश के बाद बेंगलूरु के चल रहे बुनियादी ढांचे के मुद्दों को हल करने के लिए एक परामर्श समिति बनाई जाएगी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अगुवाई वाली समिति में आईटी, बीटी और स्टार्टअप विजन समूहों के हितधारक शामिल होंगे।

गगनगीर हमले की वीडियो फुटेज पर उठ रहे हैं सवाल

सुरक्षा एजेंसियां उसे वास्तविक नहीं मान रहीं

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 अक्टूबर।

गगनगीर में रविवार की रात को हुए आतंकी हमले की सोशल मीडिया पर चल रही वीडियो पर फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से विश्वास नहीं कर पा रही हैं कि यह हमले के वक्त का वीडियो है या फिर उससे पहले की गई रेकी का।

दरअसल गगनगीर हमले का जो सीसीटीवी फुटेज वीडियो सामने आया है वह कंस्ट्रक्शन साइट पर लगे हुए एक कैमरे का है जहां हमले के वक्त लाइट थी। बाकी जगहों पर लगे हुए किसी भी कैमरे में कोई वीडियो रिकॉर्ड इसलिए नहीं हुआ है क्योंकि हमले के दौरान वहां बिजली बंद थी।

हालांकि अभी तक यह जांच चल रही है बिजली आतंकियों ने काटी थी या फिर श्रमिकों ने हमले से बचने की खातिर बंद की थी।

इसके प्रति विरोधाभासी बयान सामने आए हैं।

इस सीसीटीवी फुटेज में दो फिरनधारी आतंकियों को हाथों में हथियार लेकर भीतर घुसते हुए देखा जा सकता है। उनके हाथों में जो हथियार दिख रहे हैं उनमें से एक एम 4 गन बताई जा रही है और दूसरी एके 47 राइफल। दरअसल यह सीसीटीवी फुटेज हमले के वक्त की है या नहीं इसके प्रति शक पैदा करने वाले दो कारण स्पष्ट रूप से सामने आए हैं। इनमें सबसे पहला कारण, फुटेज पर 27 जनवरी की स्टैंप अंकित है। तो दूसरा इस हमले में बच जाने वाले और घायल हुए श्रमिकों के बयान के अनुसार आतंकियों ने अपना मुंह ढंक रखा था, जबकि वीडियो में उनके चेहरे पर कोई नकाब नहीं है।

शक के इन दो बिंदुओं के प्रति हालांकि अधिकारियों का कहना था कि हो सकता है हमला करते वक्त आतंकियों ने अपना मुंह ढक लिया हो और फुटेज की तारीख के प्रति उनका कहना था कि यह तकनीकी गड़बड़ी भी हो सकती है।

हालांकि इन्हीं अधिकारियों का यह भी मत था कि हमले वाले स्थान की आतंकियों द्वारा रैकी किए जाने की खबरें भी मिली हैं और यह भी संभव हो सकता है कि फुटेज में दिखाई दे रहे आतंकी कई महीने पहले रैकी के इरादे से आए हों और मौका न मिल पाने के कारण वे हमला नहीं कर पाए हों। फिलहाल इन तर्कों के बावजूद यह स्पष्ट हो गया है कि हमले में विदेशी आतंकियों का हाथ था क्योंकि फुटेज में दिखाई दे रहे आतंकियों के प्रति पुलिस का दावा था कि वे स्थानीय कश्मीरी नहीं लग रहे थे।

एक और प्रवासी श्रमिक को गोली मारी, दहशत का माहौल

जम्मू, 24 अक्टूबर (ब्यूरो)।

गगनगीर में प्रवासी नागरिकों पर हमले के चार दिनों के उपरांत आतंकियों ने एक और हमला कर एक प्रवासी नागरिक को गोली मार कर जख्मी कर दिया है। ताजा हमले के उपरांत न सिर्फ प्रवासी नागरिकों में दहशत का माहौल है बल्कि उन कश्मीरी पंडितों में भी डर पैदा हो गया है जो प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में तैनात हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आज तड़के आतंकियों ने दक्षिण कश्मीर के बटगुंड त्राल इलाके में उत्तर प्रदेश के एक प्रवासी नागरिक प्रीतम सिंह को गोली मार कर जख्मी कर दिया। हालांकि उसकी अंगुली में गोली लगी है जिस कारण पुलिस इसे गंभीर हमला नहीं मान रही है। हमले के बाद पहले से ही गगनगीर हमले से डरे हुए प्रवासी नागरिकों व कश्मीर के विभिन्न इलाकों में प्रधानमंत्री रोजगार योजना पैकेज के तहत नौकरी कर रहे कश्मीरी पंडित भी डर गए हैं। इन हमलों के चलते कश्मीर से प्रवासी श्रमिकों व नागरिकों का पलायन तेज हुआ है। पर पुलिस व नागरिक प्रशासन किसी प्रकार के पलायन से इंकार करते हैं। पर जम्मू बस अड्डे और रेलवे स्टेशन पर प्रवासी श्रमिकों की भीड़ कुछ और ही दृश्य बयां करती है।

सोनमर्ग के गगनगीर में 6 प्रवासियों समेत सात लोगों की हत्याएं कश्मीर में पहली बार नहीं हुई हैं।

कश्मीर में जबसे आतंकवाद फैला है प्रवासी नागरिक हमेशा ही आतंकियों के निशाने पर इसलिए रहे हैं क्योंकि आतंकियों की नजर में ये प्रवासी कश्मीर की डेमोग्राफी को बदलने की कथित साजिश के तहत कश्मीर में आ रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को हटा कर जम्मू कश्मीर के दो टुकड़े कर उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिए जाने की कवायद के बाद ऐसे हमलों और हत्याओं में कोई कमी आई हो बल्कि यह अनवरत रूप से जारी हैं।

आतंकी हमले के बाद वहां प्रवासी मजदूरों में डर का माहौल है और वो जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं। जम्मू कश्मीर के गंदरबल में हुए आतंकी हमले के बाद से वहां के प्रवासी मजदूर खुद को असुरक्षित और भयभीत महसूस कर रहे हैं। मिलने वाली खबरें कहती हैं कि इसके बाद से बिहार और देश के अन्य राज्यों के मजदूरों ने कश्मीर को छोड़ना शुरू कर दिया है। हालांकि कश्मीर पुलिस का दावा है कि सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी खबरें झूठी हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन ने गैर-स्थानीय श्रमिकों को कश्मीर छोड़ने के लिए कहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ट्विटर पर लिखा है कि सभी व्यक्तियों को बिना किसी डर या भय के अपनी आजीविका चलाने के लिए सुरक्षा और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए वह प्रतिबद्ध है। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी झूठी सूचनाओं पर ध्यान न दें।

गगनगीर हमले के बाद सहमे हैं कश्मीरी पंडित

जम्मू, 24 अक्टूबर (ब्यूरो)।

गगनगीर हमले के बाद अगर प्रवासी नागरिक दहशतजदा होकर पलायन का रास्ता अपना रहे हैं वहीं प्रधानमंत्री के विशेष पैकेज के तहत काम कर रहे कश्मीरी पंडित प्रवासी कर्मचारियों ने प्रशासन से स्थिति सामान्य होने तक घर से काम करने की अनुमति देने का आग्रह किया है। वे इतने डरे हुए हैंकि कईयों ने आफिस जाना छोड़ दिया है। याद रहे जम्मू कश्मीर के गंदरबल जिले में रविवार 20 अक्टूबर को हुए आतंकी हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे और आज भी आतंकियों ने एक अन्य प्रवासी श्रमिक को गोली मार कर जख्मी कर दिया है।

आल माइग्रेंट (विस्थापित) कर्मचारी एसोसिएशन कश्मीर, जो पीएम के विशेष पैकेज के तहत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है, ने लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा और अन्य शीर्ष अधिकारियों को एक ईमेल के माध्यम से एक आधिकारिक अनुरोध प्रस्तुत किया करते हुए, इसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया है। इस अनुरोध में उन्होंने कहा है कि हम, कश्मीरी प्रवासियों के पुनर्वास के लिए पीएम पैकेज के तहत कर्मचारी, कश्मीर भर में विभिन्न विभागों में काम कर रहे हैं, क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर आपका ध्यान तत्काल लाना चाहते हैं। वे कहते थे कि शोपियां और सोनमर्ग (गंदरबल) में हाल ही में हुए जघन्य लक्ष्य हत्याओं ने एक बार फिर घाटी को भय और अशांति की स्थिति में डाल दिया है।

दरअसल जम्मू कश्मीर में हाल ही में हुई हत्याओं के बाद प्रवासी कर्मचारियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। कई लोगों ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात की है और सरकार को ईमेल के माध्यम से घर से काम करने के विकल्प का औपचारिक रूप से अनुरोध किया है। श्रीनगर स्थित इन कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समुदाय के सदस्य ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि अधिकांश कश्मीरी पंडित श्रमिक किराए के आवास में रहते हैं, जिससे वे विशेष रूप से असुरक्षित महसूस करते हैं।

हालांकि समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक अन्य प्रमुख संगठन कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति (केपीएसएस) ने कश्मीर में कश्मीरी पंडितों से सतर्क रहने का आग्रह किया है। अपने स्वयं के एक्स पोस्ट में, केपीएसएस ने चेतावनी दी है कि कश्मीर में रहने वाले कश्मीरी पंडितों को सतर्क रहना चाहिए। पूर्व में, गैर-स्थानीय लोगों को निशाना बनाए जाने के बाद, कश्मीरी पंडित अक्सर अगले शिकार होते थे। संगठन ने घाटी में पंडित बहुल इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के अनुरोध में उमर अब्दुल्ला और कश्मीर पुलिस को भी टैग किया है।

20 अक्टूबर को हुए हमले के बाद एसोसिएशन ने 22 अक्टूबर को ईमेल में लिखा था। ईमेल में आगे बताया गया है कि कैसे बढ़ते खतरे की धारणा व्यक्तिगत सुरक्षा और प्रोफेशनल्स के काम दोनों को प्रभावित कर रही है। इस ईमेल में एलजी मनोज सिन्हा समेत शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर घर से या हाइब्रिड मोड में काम करने की अनुमति मांगी गई है। साथ उनके शिविरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए भी कहा है, जहां कश्मीरी पंडित और उनके परिवारों के कई लोग रहते हैं।

प्रशासन से संपर्क करने के अलावा, कर्मचारियों ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी अपील की है। एसोसिएशन ने कहा है, हम घाटी में काम करने वाले कश्मीरी पंडित कर्मचारी, लक्षित हत्याओं की बार-बार होने वाली घटनाओं के बाद अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं। जम्मू कश्मीर के सीएम के रूप में, हम अपनी और अपने परिवारों की सुरक्षा के आश्वासन के लिए आपसे उम्मीद करते हैं।

बांग्लादेशी मुसलमानों के कारण हुआ जनसंख्या असंतुलन

असम में मुस्लिमों की संख्या 20% से 45% हो गई

रांची, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों और जनसंख्या असंतुलन को लेकर बड़ा बयान दिया है। झारखंड में एक चुनावी जनसभा के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे घुसपैठियों ने असम की जनसंख्या को परिवर्तित कर दिया है। असम में मुसलमानों की आबादी लगभग दोगुनी हो चुकी है। हिमंत ने कहा कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) चाहती हैं झारखंड का भी यही हाल हो।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में मुसलमानों की संख्या 20 प्रतिशत भी नहीं थी। आज इनकी जनसंख्या 45 प्रतिशत है। ये असम का मुसलमान नहीं है, ये बांग्लादेश से

आए मुस्लिम हैं। बांग्लादेश से आकर इन्होंने जनसंख्या असंतुलन किया है।।

यह काम झारखंड में भी शुरू हो चुका है। हिमंत ने कहा कि जेएमएम ने यह सोच रखा है कि बांग्लादेश से लोग आएंगे और हमें सरकार बनाने में मदद करेंगे। इसीलिए ये लोग घुसपैठियों के खिलाफ कुछ नहीं बोलते हैं। आज झारखंड की हालत ठीक नहीं है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो कानून के रास्ते से झारखंड में एनआरसी लागू करेंगे। एक-एक घुसपैठिये को भगाएंगे। ये सिद्धू कानू की धरती है, ये बिरसा मुंडा की धरती है और इस धरती को झारखंड के लोगों ने महान किया। गौरतलब है कि असम में घुसपैठियों की वजह से मूल संस्कृति खतरे में पड़ी है। असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों पर हाईकोर्ट भी चिंता व्यक्त कर चुका है और इन घुसपैठियों द्वारा बनाए गए अवैध निर्माण भी हटाए गए हैं।

कट्टरपंथियों ने वन विभाग की जमीन पर बनाई मस्जिद

नाकारा वन महकमा सोया रहा या मिला रहा

कालागढ़ (पौड़ी गढ़वाल), 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कालागढ़ रामनगंगा जल विद्युत प्रोजेक्ट के लिए अस्थाई रूप से बसाए गए कालागढ़ कस्बे पर अभी भी यूपी के लोगों के अवैध कब्जे बने हुए हैं। दरअसल ये वन भूमि है और इसे कॉर्बेट टाइगर रिजर्व ने प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए लीज पर दिया हुआ था। प्रोजेक्ट पूरा हो गया जिसके बाद उक्त कालागढ़ की भूमि वापिस वन विभाग में जानी थी, जिसमें से कई हेक्टेयर वापिस दे भी दी गई परन्तु अभी भी सैकड़ों लोग यहां सरकारी भूमि पर अवैध रूप से काबिज है। खास बात ये है कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व कालागढ़ वन

प्रभाग की बफर जोन की भूमि पर अवैध रूप से बसे कब्जेदारों ने एक मस्जिद का निर्माण भी अवैध रूप से किया हुआ और इस मस्जिद के निर्माण को और आगे विस्तार देने के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार करके चंदा जुटाने का आह्वान भी किया जा रहा है। इस मस्जिद को टीन मस्जिद के नाम से प्रचारित किया जा रहा है।

कालागढ़ टाइगर रिजर्व का अतिक्रमण भी इस लिए नहीं हटाया गया कि यहां बिजनौर धामपुर के लोगों ने कब्जा किया हुआ है और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति ने इसे संरक्षण दिया, कांग्रेस के नेता यहां कालागढ़ में अपनी राजनीति करते रहे हैं और यहां अवैध रूप से काबिज लोगों को संरक्षण देते रहे हैं। कालागढ़ में अवैध कब्जे रामगंगा जल विद्युत परियोजना के खत्म हो जाने के बाद लीज पर प्रोजेक्ट के लिए दी गई वन विभाग यानि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के कालागढ़ फॉरेस्ट डिविजन को वापिस होनी थी ऐसा सुप्रीम कोर्ट के साथ साथ राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण का भी आदेश था, कॉर्बेट टाइगर रिजर्व प्रशासन ने बहुत सारी जमीन वापिस भी ली थी, लेकिन आज भी यहां सैकड़ों हेक्टेयर जमीन पर लोगों के अवैध कब्जे हैं जबकि यहां से कोई कारोबार नही होता और यहां ज्यादातर लोग वन सम्पदा की तस्करी में लिप्त बताए जाते हैं, ये भी जानकारी मिली है कि यूपी से अपराधी किस्म के लोग यहां उत्-राखंड की सीमा में आकर पनाह लेते हैं।

कालागढ़ क्षेत्र पौड़ी गढ़वाल का हिस्सा है और इसके एक तरफ नैनीताल जिला है दूसरी ओर यूपी के बिजनौर जिले का अफजल गढ़ क्षेत्र आता है। पौड़ी जिला प्रशासन और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व ने अपनी भूमि खाली करवाने का अभियान 2018 तक चलाया था उसके बाद से ये अभियान छुट-पुट अतिक्रमण हटा कर एनजीटी को ये सूचना देकर खामोश हो जाता है। यहां भवन जर्जर हालत में है लेकिन यहां लोगों ने अपने कब्जे नहीं छोड़े हैं। इनमें बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्होंने अफजलगढ़, बिजनौर में भी अपने मकान बना लिए हैं, किंतु यहां भी कब्जे कर अवैध रूप से बैठे हुए है। ये भी जानकारी मिली है कि इनके उत्-राखंड में भी वोट है और यूपी में भी वोट है। उत्तराखंड में राजनीतिक संरक्षण और तुष्टिकरण की राजनीति की वजह से इन्हें हटाने में शासन प्रशासन भी बेबस साबित हो रहा है।

राज्यों के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिकारियों द्वारा अदालत के आदेश की अवमानना का आरोप लगाने वाली याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मामले से नहीं जुड़ा है, इसलिए वह याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। हालांकि कोर्ट ने साफ किया है कि जो लोग बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित हैं, वो अदालत आ सकते हैं।

पीठ ने कहा कि हम भानुमती का पिटारा नहीं खोलना चाहते हैं। विध्वंस से प्रभावित लोगों को न्यायालय आने दें। दरअसल याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि हरिद्वार, जयपुर और कानपुर में अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद सम्पत्तियों को ध्वस्त किया। याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि उनकी अनुमति के बगैर तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान के

अधिकारियों द्वारा कोर्ट के आदेश की अवमानना की गई। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय का आदेश स्पष्ट था कि इस न्यायालय की अनुमति के बिना कोई तोड़फोड़ नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मामले में एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद सम्पत्ति को ध्वस्त कर दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि याचिकाकर्ता एक तीसरा पक्ष है और उसे तथ्यों की जानकारी नहीं है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जिसके खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई, वह फुटपाथ पर अतिक्रमण था जिसे अधिकारियों ने हटाया था। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर अदालत का रुख किया था। इसके बाद पीठ ने याचिका पर विचार करने से इन्कार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं है। तोड़फोड़ से प्रभावित व्यक्ति अदालत आ सकते हैं, उनकी याचिका पर पीठ सुनवाई करेगी। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि तीन में से दो मामलों में प्रभावित व्यक्ति जेल में हैं। जिस पर पीठ ने कहा कि प्रभावित व्यक्तियों के परिवार के सदस्य भी अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 17 सितंबर को आदेश दिया था कि 1 अक्टूबर तक पूरे देश में उसकी अनुमति के बिना कोई भी ध्वस्तीकरण कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने कहा था कि किसी व्यक्ति का आरोपी या दोषी होना सम्पत्तियों को ध्वस्त करने का आधार नहीं है। हालांकि कोर्ट ने साफ किया था कि यह आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, रेलवे लाइनों और जल निकायों पर अवैध निर्माणों पर लागू नहीं होगा।

मदरसा कानून पर हाईकोर्ट के फैसले को लेकर उठे सवाल

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मदरसा शिक्षा प्रणाली के खिलाफ राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा अपनाए गए रुख को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (22 अक्टूबर) को सवाल उठाया। शीर्ष न्यायालय ने एनसीपीसीआर से पूछा कि क्या उसने अन्य धर्मों के ऐसे ही संस्थानों के खिलाफ यही रुख अपनाया है। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि मदरसा शिक्षा बोर्ड खत्म नहीं करना चाहिए था।

मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की बेंच ने की। ऐसे अन्य संस्थान भी हैं, जहां अन्य धर्मों के बच्चे को धार्मिक शिक्षा और पुरोहित का प्रशिक्षण दिए जाते हैं। इसकी ओर इशारा करते हुए कोर्ट ने पूछा, एनसीपीसीआर को केवल मदरसों

की ही चिंता क्यों है। क्या वह सभी समुदाय के साथ समान व्यवहार करता है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पारदीवाला ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा, क्या एनसीपीसीआर ने मदरसा पाठ्यक्रम का अध्ययन किया है? क्या उस पाठ्यक्रम में धार्मिक शिक्षा के बारे में बात की गई है? धार्मिक शिक्षा क्या है? आपने क्या समझा है? ऐसा लगता है कि आप सभी धार्मिक निर्देश शब्द से मंत्रमुग्ध हैं और इसीलिए आप इससे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। इसी दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा, क्या एनसीपी-सीआर ने अन्य समुदायों में धार्मिक शिक्षाओं पर प्रतिबंध लगाया है? उन्होंने आगे कहा, एनसीपीसीआर इस तथ्य से अवगत है कि पूरे भारत में छोटे बच्चों को उनके समुदाय की संस्थाओं द्वारा धार्मिक शिक्षा दी जाती है। क्या एनसीपीसीआर ने उन सभी पर यही रुख अपनाया कि यह मौलिक संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है?

जब एनसीपीसीआर ने जवाब दिया कि ,धार्मिक शिक्षा को अनिवार्य शिक्षा के रूप में प्रतिस्थापित नहीं किया जाना चाहिए, इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने फिर पूछा, हमें बताएं कि क्या एनसीपीसीआर ने पूरे देश में कोई निर्देश जारी किया है कि बच्चों को मठों, पाठशालाओं में न भेजा जाए, या क्या उसने कोई निर्देश जारी किया है कि जो बच्चे इन संस्थानों में जाते हैं, उन्हें विज्ञान, गणित आदि अवश्य पढ़ाया जाना चाहिए?

सुप्रीम कोर्ट की यह बेंच इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई कर रही थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को असंवैधानिक करार दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। वहीं, यूपी सरकार ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई।

सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार ने कहा कि उन प्रावधानों को खत्म किया जाना चाहिए, जो उल्लंघनकारी हों। यूपी सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराजन ने कहा कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को खत्म करने के पक्ष में नहीं है। पूरे मदरसा अधिनियम को खत्म नहीं करना चाहिए था।

इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए एनसीपीसीआर ने एक रिपोर्ट दायर की है, जिसमें मदरसा प्रणाली पर विभिन्न आपत्तियां उठाई गई हैं। जिसमें कहा गया है कि मानक शिक्षा के अधिकार अधिनियम (ठढए) के अनुरूप नहीं हैं। बता दें कि हाई कोर्ट द्वारा मदरसा बोर्ड खत्म करने के बाद 13,364 मदरसों में पढ़ाई कर रहे 12 लाख बच्चों को राज्य मान्यता प्राप्त बोर्ड में भर्ती करने का आदेश दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी।

भाजपा ने फूलपुर से दीपक पटेल को बनाया प्रत्याशी

प्रयागराज, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भाजपा ने फूलपुर विधानसभा चुनाव के लिए दीपक पटेल को प्रत्याशी बनाया है। इसके साथ ही कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। चुनाव में नामांकन के लिए अंतिम तिथि 26 अक्टूबर को निर्धारित है। दीपक पटेल करछना से बसपा के टिकट पर विधायक रह चुके हैं। इनकी माता केशरी देवी पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष और भाजपा से फूलपुर लोकसभा से सांसद रह चुकी हैं।

दीपक पटेल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और फूलपुर की पूर्व सांसद केसरी देवी पटेल के पुत्र हैं। वे बसपा से 2012 में करछना विधानसभा से विधायक निर्वाचित हुए थे। उन्होंने सपा प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह को पराजित किया था। 2017 में बसपा ने फिर एक बार करछना विधानसभा से दीपक को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वह जीत नहीं पाए। दीपक 2018 में भाजपा में शामिल हुए।

आगामी 13 नवंबर को होने वाले फूलपुर उप विधानसभा के लिए दीपक पटेल को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने दीपक को बधाई दी। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा और जिला अध्यक्ष गंगापार कविता पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, गुरु प्रसाद मौर्य, एमएलसी, सुरेंद्र चौधरी, जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी कहा कि भाजपा फूलपुर में प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी। इसके साथ ही कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, रमेश पासी देवेश सिंह,विवेक मिश्रा, बृजेश त्रिपाठी,विवेक अग्रवाल, राजू पाठक गिरजेश मिश्रा राघवेंद्र सिंह प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती राजेश गोंड, कुलदीप मिश्रा दीप द्विवेदी आदि ने दीपक को बधाई दी।

फूलपुर उप चुनाव के लिए अब सभी प्रमुख दलों के प्रत्याशी मैदान में आ चुके हैं। सपा ने पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी को अपना प्रत्याशी बनाया है। मुज्तबा 2022 में भी सपा से प्रत्याशी थे और भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल से पराजित हो गए थे। मुज्तबा ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया है। इसी तरह बसपा ने जितेंद्र सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। वह बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

अखिलेश यादव के जीजा अनुजेश यादव ने दो टूक कहा

इस लड़ाई में न फूफा न कोई भतीजा

यह सपा बनाम भाजपा की जंग है: अनुजेश

मैनपुरी, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भाजपा से टिकट घोषित होते ही करहल विधानसभा सीट के प्रत्याशी अनुजेश यादव अपने गांव भारौल से सीधे भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां भाजपा कार्यालय पर पत्रकारों के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि करहल विधानसभा की लड़ाई फूफा और भतीजा नहीं भाजपा और सपा की लड़ाई है। इसमें भाजपा की जीत होगी।

बृहस्पतिवार की सुबह करीब 11 बजे से भाजपा ने करहल

विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। भाजपा ने फिरोजाबाद जनपद के भारौल निवासी पूर्व विधायक उर्मिला यादव के पुत्र और सपा प्रत्याशी तेज प्रताप यादव के फूफा अनुजेश यादव को करहल उप-चुनाव में प्रत्याशी घोषित किया है। अपने नाम की घोषणा होने के बाद अनुजेश यादव मैनपुरी स्थित भाजपा के जिला कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ चुनाव की तैयारियों पर रणनीति बनाई।

पत्रकारों ने जब उनसे सवाल किया कि करहल उपचुनाव में फूफा और भतीजा आमने-सामने हैं आखिर जीत किसकी होगी। इस पर अनुजेश यादव ने कहा कि करहल की लड़ाई फूफा और भतीजा नहीं भाजपा और सपा की लड़ाई है। इसमें जनता भाजपा को जीत दिलाएगी। जब उनसे कहा गया कि चुनाव लड़ने से उनकी रिश्तेदारी में खटास आएगी तो उन्होंने कहा कि चाचा शिवपाल भी पहले अलग पार्टी बनाकर लड़ चुके हैं। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी, पूर्व विधायक अशोक सिंह चौहान, भाजपा ब्रज क्षेत्र के उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान, अजय पाल सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

बसपा ने उपचुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बहुजन समाज पार्टी ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए आठ प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। बसपा ने अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट से अमित वर्मा, प्रयागराज की फूलपुर सीट से जितेंद्र कुमार सिंह को, मुजफ्फरनगर के मीरापुर से शाहनजर को, कानपुर नगर की सीसामऊ सीट से वीरेंद्र कुमार शुक्ला को प्रत्याशी बनाया है।

इसी तरह मैनपुरी की करहल सीट से डॉ. अवनीश कुमार शाक्य को, मुरादाबाद की

कुंदरकी से रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा को, गाजियाबाद सीट पर परमानंद गर्ग और मिर्जापुर की मंझवा सीट पर दीपक तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। एक सीट पर प्रत्याशी की घोषणा अभी नहीं की गई है। कटेहरी उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा ने भी मंगलवार को ही नामांकन दाखिल कर दिया था। कटेहरी से 2012 में कांग्रेस से चुनाव लड़ चुके अमित इस बार बसपा से मैदान में हैं। नामांकन दाखिल करने के बाद बसपा प्रत्याशी ने कहा था कि उपचुनाव में बसपा की जीत तय है। भाजपा प्रत्याशी ही घोषित नहीं कर पा रही है तो सपा में अंतर्कलह है।

हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि पार्टी अब किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा था कि सभी राज्यों में और उपचुनाव में बसपा अकेले ही चुनाव लड़ेगी। मायावती ने कहा था कि गठबंधन में बसपा का वोट तो ट्रांसफर हो जाता है पर अन्य दलों का वोट नहीं मिल पाता है।

सपा के निशान पर सभी 9 सीटों पर चुनाव लड़ेगा इंडी गठबंधन

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव में अपने प्रत्याशी नहीं उतारेगी। इंडी गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी सपा के चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यह जानकारी दी है।

बुधवार को देर रात सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच फोन पर वार्ता हुई। सपा ने उप-

चुनाव में कांग्रेस को गाजियाबाद और खैर सीट दी थी, लेकिन कांग्रेस 5 सीटों पर लड़ने के लिए अड़ी हुई थी। हालांकि, अखिलेश यादव मंगलवार को कांग्रेस को एक और सीट फूलपुर देने के लिए तैयार हो गए थे। राहुल और अखिलेश की वार्ता के बाद कांग्रेस के सिंबल पर प्रत्याशी न उतारने का फैसला किया गया।

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के बीच सीटों को लेकर बात नहीं बनी थी। इस पर सपा ने भी हरियाणा में अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे। यह तब अखिलेश और राहुल की वार्ता से ही संभव हो सका था। अब हरियाणा की तर्ज पर ही यूपी में कांग्रेस प्रत्याशी नहीं उतार रही है। अखिलेश यादव ने राहुल से फोन पर वार्ता के बाद कहा, बात सीट की नहीं जीत की है। इस रणनीति के तहत इंडी गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल के निशान पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक बड़ी जीत के लिए एकजुट होकर, कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े हैं।

अयोध्या के एडीएम सुरजीत सिंह की संदिग्ध मौत

अयोध्या, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अयोध्या के अपर जिलाधिकारी कानून व्यवस्था सुरजीत सिंह कोतवाली नगर के सुरसरी कॉलोनी में अपने सरकारी आवास पर मृत अवस्था में पाए गए। पुलिस जांच कर रही है। बृहस्पतिवार को सुबह एडीएम के आवास पर जब उनकी नौकरानी पहुंची तो दरवाजा भीतर से बंद था। कॉल बेल बजाने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तो नौकरानी ने पड़ोस में रहने वाले अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद जिलाधिकारी कार्यालय और पुलिस को जानकारी दी गई। थोड़ी देर में कई अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के पहुंचने पर फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में दरवाजा खोला गया। दरवाजा खोलने पर एक कमरे में एडीएम गिरे हुए पाए गए। थोड़ी दूर पर खून भी बिखरा हुआ था। प्रारंभिक जांच के आधार पर हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। एडीएम अपने आवास पर अकेले रहते थे और पिछले कई दिनों से कुछ अस्वस्थ भी चल रहे थे। इस बीच कमिश्नर गौरव दयाल और डीएम चंद्र विजय सिंह समेत अन्य कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि एडीएम मूल रूप से फर्रुखाबाद के रहने वाले थे। कानपुर नगर के गणेश नगर में उनका परिवार रहता था। परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है। परिवार के सदस्य यहां के लिए रवाना हो गए हैं। एडीएम सुरजीत यहां से पहले प्रतापगढ़ में एसडीएम के पद पर तैनात थे। प्रोन्नति पाकर एडीएम बने और अयोध्या में उनकी तैनाती 25 अक्टूबर वर्ष 2023 को हुई। उनकी उम्र 58 वर्ष बताई जा रही है। इस बारे में फिलहाल कोई भी अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

मां की हत्या में बेटे सहित दो को आजीवन कारावास

हाथरस , 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हाथरस के अपर जनपद न्यायाधीश/एफटीसी कोर्ट संख्या दो ने महिला की हत्या के मामले में उसके बेटे सहित दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है, जिसे अदा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। अभियोजन पक्ष के अनुसार थाना सासनी के गांव बिलखोरा निवासी सत्यवीर ने 16 मार्च 2015 को पुलिस को सूचना दी थी कि उसके परिवार की कुछ लोगों से रंजिश चल रही है। इन लोगों ने अब उनके घर में घुसकर महिल-ाओं पर हमला कर दिया। यह लोग तमंचे राइफल, चाकू हथियार लिए थे। इन लोगों ने उसकी मां सोना देवी की हत्या कर दी है और उसकी पत्नी सत्यवती को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने सोनादेवी के शव का पोस्टमार्टम कराया और घायल सत्यवती का उपचार कराया। इस मामले में सत्यवीर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने अर्जुन सिंह, नाहर सिंह, सौरभ, गौरव, केपी, पवन निवासी बिलखोरा के खिलाफ़ थाना सासनी पर मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस की विवेचना में यह बात सामने आई कि दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए सत्यवीर ने अपने बेटे लोकेंद्र के अलावा शहीदा पुत्र बाबू खान निवासी नगला भूरा थाना सासनी के साथ मिलकर अपनी मां की हत्या की और अपनी पत्नी पर भी जानलेवा हमला किया। पुलिस ने इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इस मामले की सुनवाई अपर जनपद न्यायाधीश/एफटीसी द्वितीय महेंद्र कुमार रावत के न्यायालय में हुई। एडीजीसी प्रतिभा राजपूत ने बताया कि एक आरोपी लोकेंद्र न्यायालय में पेश नहीं हुआ तो न्यायालय ने उसकी पत्रावली पृथक कर दी। न्यायालय ने इस मामले में नामजद आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।सत्यवीर और शहीदा को आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कि अभियुक्त सत्यवीर सिंह ने अपनी मां व पत्नी के विरुद्ध केवल किसी निर्दोष को फंसाने के उद्देश्य से अपराध कारित किया गया है। जो कि एक सामान्य व्यक्ति से कल्पना नहीं की जा सकती है।

पीएम मोदी को दी थी बोटी-बोटी करने की धमकी

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ आरोप तय

सहारनपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में सहारनपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। अब इस मामले में कोर्ट में ट्रायल होगा।

इस मामले में विशेष न्यायाधीश मोहित शर्मा की कोर्ट में 19 लोगों के बयान दर्ज किए गए।

अब कोर्ट ने चार्ज फ्रेम किया है। यह मामला तब का है, जब इमरान मसूद ने 10 साल पहले देवबंद के एक गांव में एक रैली के दौरान विवादित बयान दिया था। मसूद ने कहा था, नरेंद्र मोदी यहां आए, तो बोटी-बोटी कर दी जाएगी। इस बयान में उन्होंने गुजरात और सहारनपुर के मुस्लिम जनसंख्या का भी जिक्र किया था। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत चार्जशीट अदालत में पेश की थी, जिसमें 153ए, 295ए, 504, 506, 3(1), 10 एससी/एसटी एक्ट और 125 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम शामिल हैं। सरकारी वकील गुलाब सिंह ने बताया कि इन धाराओं में दोषी पाए जाने पर 3 से 7 साल की सजा हो सकती है। अब गवाहों की गवाही कराई जाएगी और मामला आगे बढ़ेगा।

संपादकीय

धान की पीड़ा

पंजाब में धान की भरपूर पैदावार के बाद किसानों का हैरान-परेशान होना व्यवस्था की विसंगतियों व तंत्र की नाकामी को ही दर्शाता है। राज्य की अनाज मंडियों में धान बहुतायत में पड़ा होना न केवल खरीद एजेंसियों की अक्षमता को दर्शाता है बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों में व्यावहारिक तालमेल न होना भी बताता है। जिसके चलते विपणन से जुड़े हितधारक विरोध जता रहे हैं। विडंबना देखिए कि किसान खून-पसीने से उगायी फसल को भी समय पर नहीं बेच पाने से परेशान हैं। किसान धीमी खरीद प्रणाली से चिंतित हैं। वहीं चावल मिल मालिकों की दलील है कि उनके पास अतिरिक्त भंडारण की क्षमता नहीं है। दूसरी ओर धान की खरीद से जुड़े आढ़ती अपने कमीशन को बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से ये हालात किसानों को परेशान करते हैं और खरीद प्रणाली में सुधार की जरूरत को बताते हैं। विडंबना है कि यह सारा हंगामा एक ऐसी फसल को लेकर हो रहा है, जिसको उगाने में प्रयुक्त पानी ने राज्य में एक गंभीर जल संकट को जन्म दे दिया है। वजह है धान की फसल की पैदावार बढ़ाने के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन। फलतः राज्य का एक बड़ा इलाका मरुस्थलीकरण की ओर उन्मुख है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल उठता है कि पंजाब आखिर कब तक धान की खेती के जरिये अपने इन अनमोल प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात करता रहेगा? इसमें दो राय नहीं है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर सुनिश्चित खरीद पंजाब के धान उत्पादकों को केंद्रीय पूल में अधिक अनाज के योगदान के लिये प्रेरित करती रही है। निस्संदेह, हरित क्रांति के बाद देश की खाद्य सुरक्षा श्रृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब का बड़ा योगदान रहा है। जिसके चलते देश खाद्यान्न संकट व कुपोषण के अभिशाप से किसी हद तक मुक्त हो सका है। जबकि एक हकीकत यह भी है कि यह फसल पंजाब का मुख्य भोजन नहीं रही है। निश्चित तौर पर केंद्र व राज्य सरकार को तालमेल बनाकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में लबालब भरे अन्न भंडार राज्य की अपेक्षाओं और केंद्र की आवश्यकताओं के बीच तालमेल के अभाव को दर्शाते हैं। विडंबना देखिये, इसी धान के उत्पादन का एक प्रतिप्रभाव यह भी है कि पंजाब के हिस्से में प्रदूषण बढ़ाने वाला पराली दहन का आक्षेप आता है। जिसे उत्तर क्षेत्र में अक्तूबर-नवंबर में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण का प्रमुख घटक बताया जाता रहा है। जबकि हकीकत यह है कि एक तो किसानों को पराली निस्तारण का कारगर विकल्प केंद्र व राज्य सरकारें नहीं दे पायी हैं। वहीं दूसरी ओर किसानों के पास रबी की फसलों की बुआई के लिये अधिक समय नहीं बचा होता। जिसके चलते उनको पराली जलाने के अलावा दूसरा कारगर विकल्प नजर नहीं आता। बहरहाल, इस चौतरफा संकट के बीच यह स्पष्ट हो गया है कि पंजाब में धान की खेती की समाप्ति के लिए चरणबद्ध तरीके से बहुप्रचारित फसल विविधीकरण योजना को अविलंब लागू किया जाना चाहिए। इस योजना के क्रियान्वयन में देरी कई तरह के संकटों को बढ़ावा ही देगी। यह एक हकीकत है कि लंबे समय तक किसानों का धान की ही खेती करना, राज्य के लिये घातक ही साबित होगा। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर चले आंदोलन से कोई सबक नहीं सीखा। हालिया घटनाक्रम से किसानों की वह आशंका बलवती हो रही है कि केंद्र सरकार लंबे समय तक धान की खरीद को जारी नहीं रखना चाहती। दरअसल, कुछ चुनिंदा फसलों के लिये ऊंची एमएसपी की घोषणा अन्य फसलों के उत्पादन के लिये किसानों को प्रेरित करने हेतु पर्याप्त नहीं है। जितनी जल्दी हो सके, केंद्र सरकार को मक्का और दाल जैसी फसलों की एमएसपी पर खरीद के लिये एक मजबूत व्यवस्था बनानी होगी। ऐसे में धान की खेती के लिये किसानों को हतोत्साहित करने से जमीनी स्तर पर बड़ा बदलाव आ सकता है।

> राज्य की अनाज मंडियों में धान बहुतायत में पड़ा होना न केवल खरीद एजेंसियों की अक्षमता को दर्शाता है बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों में व्यावहारिक तालमेल न होना भी बताता है। जिसके चलते विपणन से जुड़े हितधारक विरोध जता रहे हैं। विडंबना देखिए कि किसान खून-पसीने से उगायी फसल को भी समय पर नहीं बेच पाने से परेशान हैं। किसान धीमी खरीद प्रणाली से चिंतित हैं। वहीं चावल मिल मालिकों की दलील है कि उनके पास अतिरिक्त भंडारण की क्षमता नहीं है। दूसरी ओर धान की खरीद से जुड़े आढ़ती अपने कमीशन को बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से ये हालात किसानों को परेशान करते हैं और खरीद प्रणाली में सुधार की जरूरत को बताते हैं। विडंबना है कि यह सारा हंगामा एक ऐसी फसल को लेकर हो रहा है, जिसको उगाने में प्रयुक्त पानी ने राज्य में एक गंभीर जल संकट को जन्म दे दिया है। वजह है धान की फसल की पैदावार बढ़ाने के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन। फलत: राज्य का एक बड़ा इलाका मरुस्थलीकरण की ओर उन्मुख है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के मौजूदा स्वरूप को बदलने और इसमें भारत की बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग रखी थी

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता

अनुज आचार्य

> संयुक्त राष्ट्र के चार उद्देश्य हैं- अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण करना, विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों का विकास करना, अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में सहयोग एवं मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का संवर्धन और देशों की कार्रवाइयों के बीच तालमेल के केन्द्र के रूप में काम करना। लेकिन इधर दो वर्षों से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध एवं इजरायल एवं अरब राष्ट्रों के बीच सीमित युद्धों ने संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

संयुक्त राष्ट्र दिवस प्रत्येक वर्ष 24 अक्टूबर को मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन हुआ था। इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र संघ या संक्षेप में यूएन भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के चार उद्देश्य हैं- अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण करना, विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों का विकास करना, अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में सहयोग एवं मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का संवर्धन और देशों की कार्रवाइयों के बीच तालमेल के केन्द्र के रूप में काम करना। लेकिन इधर दो वर्षों से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध एवं इजरायल एवं अरब राष्ट्रों के बीच सीमित युद्धों ने संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जहां तक संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन में भारत के योगदान एवं भागीदारी का सवाल है तो आज भी भारत विकास एवं गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, निशस्त्रीकरण, मानवाधिकार और विश्व शांति स्थापना के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र संघ का कंधे से कंधा मिलाकर साथ दे रहा है। 140 करोड़ आबादी के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश और एक उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति भी है। भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से विश्व शांति को बढ़ावा देने वाले देश के रूप में रही है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्था की नीति निर्धारक सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से भारत को वंचित तथा बाहर रखना अन्याय ही माना जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के समय से ही रक्षा मिशनों में भारत महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। अब तक विभिन्न शांति अभियानों में भारत के 180000 सैनिक हिस्सा ले चुके हैं। भारत ने 82 देशों के लगभग 800 शांति स्थापना अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया है। मौजूदा समय में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति सैनिक दल में योगदान करने वाले सभी देशों में भारत दूसरा सबसे बड़ा देश है। वर्तमान समय में भी भारत 11 यूएन मिशन और दो यूएन कार्यालयों को 6891 भारतीय सैन्य कर्मी और 782 पुलिसकर्मी उपलब्ध करवा रहा है। इससे विश्व में शांति और सौहार्द कायम करने की भारत की गहरी प्रतिबद्धता साबित होती है और यह प्रदर्शित होता है कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर कितना विश्वास करता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष उसके चार्टर के अनुसार कई ऐसे मुद्दे भी हैं जो लंबे समय से अपना हल निकलने की आस लगाए बैठे हैं। पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे मानवता से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र संघ अभी तक कोई कारगर हल तलाश नहीं पाया है। स्वीडन की पर्यावरण एक्टिविस्ट 16 वर्षीया ग्रेटा थनबर्ग ने संयुक्त राष्ट्र संघ में बोलते हुए कहा था कि, आपने हमारा बचपन, हमारे सपनों को छीन लिया है। लोग मर रहे हैं और पूरा ईकोसिस्टम बर्बाद हो रहा है। उनका कहना था कि विश्व के नेता कुछ नहीं कर रहे हैं। किसी जमाने में परमाणु निशस्त्रीकरण संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख एजेंडे का हिस्सा हुआ करता था, लेकिन बीते दो दशकों में यह मुद्दा जैसे पृष्ठभूमि में चला गया है। यद्यपि यूएन चार्टर का उद्देश्य विश्व समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक प्रगति हेतु कार्य करना है ताकि संसार में समानता, स्वतंत्रता, सहयोग, न्याय, भ्रातृत्व, मित्रता व सुरक्षा का परिवेश निर्मित किया जा सके और युद्ध की नौबत ही न आए। लेकिन बीते 75 वर्षों में न केवल युद्ध जारी हैं, अपितु सीरिया जैसे देश तो बर्बादी के कगार पर पहुंच चुके हैं। विश्व को आज भी ताकत एवं आर्थिक आधार पर ही हांका जा रहा है। पाकिस्तान आज भी आतंकवादियों की जन्मस्थली बना हुआ है और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। उत्तर कोरिया और ईरान बेधडक होकर परमाणु हथियारों की होड़ को बढ़ावा दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग्स का अवैध कारोबार बड़ी तेजी से फल-फूल रहा है जिसमें प्रतिबंधित ड्रग्स का उत्पादन, खेती और बिक्री भी शामिल है। आतंकवाद की बढ़ती विभीषिका और खतरे के दृष्टिगत भारत ने 1996 में संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि का प्रस्ताव रखा था। लेकिन 26 वर्ष बीत जाने के बाद भी यह मुद्दा आपसी सहमति न बन पाने के कारण अभी भी लटका हुआ है और आतंकवाद की परिभाषा तय करने में नाकाम रहा है। जब वैश्विक संस्थाएं अपने एजेंडे एवं चार्टर के अनुरूप काम करती न दिखें तो उनके अस्तित्व पर सवालिया निशान उठना लाजिमी ही हो जाता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संयुक्त राष्ट्र संघ के मौजूदा स्वरूप को बदलने और इसमें भारत की बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग रखी थी। उनका सवाल था कि आखिर भारत, संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए कब तक इंतजार करता रहेगा? नरेंद्र मोदी का कहना है कि सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और संयुक्त राष्ट्र संघ के मूल चरित्र में सुधार वक्त की मांग है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ संस्था के स्वरूप, संगठन और उसके कार्यों में सुधार का जो मामला उठाया है, यदि उस पर शीघ्र ही गौर न फरमाया गया तो आने वाले समय में संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्था निश्चित तौर पर अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष करती नजर आएगी। यह संस्था अपनी पूर्णता एवं समग्रता में विश्व शांति और कल्याण के लिए अपनी सार्थकता सिद्ध कर पाए, इसके लिए विश्व के सभी देशों को मिलजुल कर प्रयास और सहयोग करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

बदलते वक्त के साथ समीकरणों में बदलाव

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बाद अब महाराष्ट्र और झारखंड के लिए भी चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए पहली बार छह असरदार राजनीतिक दल एक तरह से बराबरी के साथ चुनावी समर में उतरेंगे। इसलिए, यहां पर राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतना तय है महाराष्ट्र में महामुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। समंदर की लहरें जिस तेजी से बदलती हैं, पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से देश की आर्थिक राजधानी में राजनीति की लहरें उससे ज्यादा तेजी से बदली हैं। किसे पता था कि 2019 में भाजपा-शिवसेना गठबंधन में चुनाव लड़ने और बहुमत से 16 सीटें ज्यादा हासिल करने के बावजूद मिलकर सरकार नहीं बना पाएंगे। राजनीति के 'सत्ता-सुख' के सिंहासन पर कोई और ही आरूढ़ हो जाएगा। महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना और एनसीपी एक अलग ताकत थी। तब जनता ने शिवसेना को 56 और एनसीपी को 54 सीटें दी थीं। भाजपा 105 सीटें लेकर सबसे बड़ा दल बनकर उभरी थी, लेकिन सरकार बनने से पहले ही उद्धव ठाकरे ने अप्रत्याशित रूप से पाला बदल लिया। उद्धव ने विपरीत विचारधारा वाली कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई और खुद सीएम बने। इतने दशकों की राजनीति के बाद पहली बार ठाकरे परिवार से कोई सीएम की कुर्सी तक पहुंचा था। लेकिन राजनीति में पासे हमेशा अपने पक्ष में नहीं पड़ते। सत्ता संभालने के बाद इतनी उठापटक मची कि उद्धव और शरद पवार दोनों के ही सारे समीकरण बदल गए। महाराष्ट्र की सत्ता उद्धव ठाकरे के हाथ में आने के बाद उन्हें भाजपा से बड़ी चुनौती अपनी ही पार्टी शिवसेना से मिली। वर्ष 2022 में शिवसेना के वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने खुलेआम बगावत कर दी। दरअसल, एकनाथ शिंदे पार्टी के उन नेताओं में शामिल रहे, जो 2019 में ही कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने के खिलाफ थे। तभी से वे बड़े राजनीतिक मौके की फिराक में थे। मई, 2022 में ऐसा अवसर उनके हाथ में आया। गुवाहाटी फाइव स्टार होटल में शिंदे ने 42 शिवसेना और 7 निर्दलीय विधायकों के साथ फोटो जारी कर शक्ति-

प्रदर्शन किया। इसी बीच राज्यपाल ने उद्धव को बहुमत सिद्ध करने के लिए कह दिया। उधर शिंदे को बागी खेमे ने शिव सेना विधायक दल का नेता घोषित किया। 29 जून, 2022 को उद्धव ठाकरे के सीएम पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे के अंदर शिंदे ने सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ले ली। महाराष्ट्र की पिक्चर अभी भी बाकी थी। अब बारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में बगावत और टूट की थी। 10 जून, 2023 को एनसीपी के 25वें स्थापना दिवस पर शरद पवार ने पार्टी के दो कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले के नामों की घोषणा की। अजित पवार को लेकर शरद से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो नेता विपक्ष का पद संभाल रहे हैं। अजित को लगा कि चाचा शरद पवार ने उन्हें साइड लाइन कर दिया है। इसके बाद 2 जुलाई, 2023 को अजित ने 41 विधायकों के साथ महायुति से नाता जोड़ा और शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बन गए। वर्ष 2019 में जब विधानसभा के चुनाव हुए तो महाराष्ट्र में मुख्य रूप से 4 पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना मैदान में थीं। पिछले 5 साल में एनसीपी और शिवसेना के दो-दो धड़े बन चुके हैं। यानी 2024 चुनाव में 6 बड़ी पार्टियों और दो अलायंस के बीच महामुकाबला होगा- बीजेपी, शिवसेना (शिंदे), एनसीपी (अजित), कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव), एनसीपी (शरद)। पार्टियों के समीकरणों के साथ राज्य में वोटर्स के आंकड़े भी बदले हैं। महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या 9.53 करोड़ पर पहुंची है। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ और बीजेपी को करारा झटका लगा। राज्य की 48 सीटों में से एनडीए 17 सीटों पर सिमट गई, इसमें बीजेपी के खाते में मात्र 9 सीटें आईं। वहीं कांग्रेस ने 13, शिवसेना (उद्धव) ने 9 और एनसीपी (शरद) ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की। सबसे खस्ता हालत अजित पवार की हुई, जिनकी पार्टी को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट को 288 विधानसभा सीटों के आधार पर देखें तो आंकड़े और दिलचस्प नजर आएंगे। ये बताते हैं कि अजित पवार की एनसीपी केवल 6 विधानसभा सीटों पर जीती। भाजपा को 23 सीटों का नुकसान हुआ और महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 63 सीटें जीती। नतीजे ये संकेत देते हैं कि त्रिशंकु या गठबंधन सरकार फिर महाराष्ट्र की मजबूरी बनने वाली है। हालांकि, हरियाणा का हाल देखकर कांग्रेस अब फूंक-फूंककर कदम रखेगी। पर महाविकास अघाड़ी गठबंधन में सबसे ज्यादा 63 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस आगे थी। यानी लोकसभा चुनाव तक मोमेंटम कांग्रेस के पास था। अब पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती विधानसभा चुनाव में इस मोमेंटम को बरकरार रखना है। विशेषज्ञ मानते हैं कि विधानसभा चुनाव में कुछ तो बदलाव होंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकल और रीजनल मुद्दों पर हो रहा है। लोकसभा चुनाव में दोनों अलायंस का वोट शेयर लगभग बराबर था। जो मोमेंटम महाविकास अघाड़ी ने आम चुनाव के दौरान हासिल किया था, वो अब पहले जैसा एग्रेसिव नहीं है। वहीं महायुति की सरकार ने लाडली बहन योजना शुरू की।

कुछ अलग

अहोई माता का उपकार

कार्तिक कृष्ण पक्ष में तिथि-त्योहारों की भरमार रहती है। सम्पूर्ण भारत में जिस प्रकार पति की दीर्घायु की कामना के लिए करवा चौथ व्रत मनाया जाता है, उसी प्रकार उसके ठीक चार दिन बाद संतान की सुख-समृद्धि व लंबी आयु की कामना के लिए अहोई अष्टमी व्रत रखा जाता है। अहोई का अर्थ है 'अनहोनी से बचाने वाली' और चूंकि यह व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को ही किया जाता है, इसीलिए इसे अहोई अष्टमी कहा जाता है। यह व्रत अष्टमी के दिन ही किया जाता है, इसीलिए इसे अहोई आठे भी कहा जाता है। इस वर्ष अहोई अष्टमी पर्व 24 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार अहोई अष्टमी पर इस बार कई ऐसे मंगलकारी योग बन रहे हैं, जिनमें जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। इस शुभ अवसर पर साध्य योग और अमृत सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा, सर्वार्थ सिद्धि योग और गुरु पुष्य योग के भी संयोग बन रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अहोई अष्टमी व्रत महिलाओं द्वारा अपने बच्चों की किसी भी प्रकार के अमंगल या अनिष्ट से रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और श्रद्धा भाव से किया जाता है। इस दिन माता पार्वती की पूजा का विधान है, जिन्हें संतान की रक्षा करने वाली देवी माना गया है। यह व्रत स्त्रियां प्रायः संतान की सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु के लिए और निःसंतान महिलाएं संतान की कामना के लिए करती हैं। अहोई अष्टमी व्रत को संतान प्राप्ति के लिए सर्वोत्तम माना गया है। इस व्रत के संबंध में मान्यता है कि इसके प्रभाव से संतान फल की प्राप्ति होती है और जो महिलाएं पूरे विधि-विधान से यह व्रत रखती हैं, उनके बच्चे दीर्घायु होते हैं। प्राचीन समय से चली आ रही मान्यताओं के अनुसार इस व्रत के प्रताप से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अहोई अष्टमी के अवसर पर स्त्रियां दिनभर करवा चौथ की ही भांति कठोर निर्जल व्रत रखती हैं और तारे निकलने के बाद सायंकाल में तारों को अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। संध्या के समय सूर्यास्त होने के बाद जब तारे निकलने लगते हैं तो अहोई माता की पूजा आरंभ होती है। सायंकाल के समय दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के बजाय बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परंपरानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं। पूजा के दौरान महिलाएं प्रायः 'अहोई जिए, अहोआ जिए, मुशा जिए, पूता जिए' शब्दों का उच्चारण करती हैं।

देश दुनिया से

हिंद-प्रशांत इलाके में भारतीय कूटनीतिक बढ़त

> हिन्द-प्रशांत में 40 देश और अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं : ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, दोनों कोरिया, भारत, इंडोनेशिया, जापान, लाओस, मलयेशिया, मालदीव, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, चीन, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, ताइवान, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम। इन 26 देशों के साथ प्रशांत द्वीप के 14 देशों को जोड़ लीजिये, जिसमें अमेरिका का हवाई वाला इलाक़ा भी शामिल है। प्रशांत द्वीप समूह पश्चिम में इंडोनेशिया से लेकर पूर्व में ईस्टर द्वीप तक वृहदाकार इलाके में 20,000 से अधिक द्वीप शामिल हैं, जिनमें इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी द्वारा साझा किया जाने वाला सबसे बड़ा द्वीप, 'न्यू गिनी' भी है।

इंडो पैसिफिक नाम से ही स्पष्ट है, हिंद और प्रशांत महासागर की ज़द में आने वाले देश। हिन्द-प्रशांत में 40 देश और अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं : ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, दोनों कोरिया, भारत, इंडोनेशिया, जापान, लाओस, मलयेशिया, मालदीव, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, चीन, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, ताइवान, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम। इन 26 देशों के साथ प्रशांत द्वीप के 14 देशों को जोड़ लीजिये, जिसमें अमेरिका का हवाई वाला इलाक़ा भी शामिल है। प्रशांत द्वीप समूह पश्चिम में इंडोनेशिया से लेकर पूर्व में ईस्टर द्वीप तक वृहदाकार इलाके में 20,000 से अधिक द्वीप शामिल हैं, जिनमें इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी द्वारा साझा किया जाने वाला सबसे बड़ा द्वीप, 'न्यू गिनी' भी है। जिन महाशक्तियों ने लम्बे समय तक इस इलाके को काबू में रखा, उनके लिए अपना प्रभाव बनाये रखने की चुनौती है। अमेरिका इसी सिंड्रोम से गुज़र रहा है। जो बाइडेन जब सत्ता में आये, उसके कुछ महीनों बाद हिन्द-प्रशांत नीतियों को रिव्यू करने का आदेश व्हाइट हाउस ने सीआईए को सौंपा था। मार्च, 2021 में सीआईए के निदेशक के रूप में नियुक्त बिल बर्न्स, इंडो-पैसिफिक के रणनीतिकार थे। जुलाई, 2021 में सीआईए ने एक विस्तृत रिपोर्ट दी। इंडो-पैसिफिक में चीन के प्रभाव को कैसे कम करें, उसकी योजना बनी। लेकिन चार वर्षों में निराशा ही हाथ लगी। जापान में लगभग 55 हज़ार अमेरिकी सैन्यकर्मी, दक्षिण कोरिया में 28, हज़ार, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, थाईलैंड और गुआम में कई हज़ार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। अपर्याप्त बजट, प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं और चीन से निपटने के तरीके पर वाशिंगटन में आम सहमति की कमी के कारण इन्हें मेंटेन करना भारी पड़ रहा है। यों, कहने के लिए पेंटागन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश को बढ़ा दिया है। लेकिन, आप भारत जैसे दोस्त के साथ सिख आतंकवाद के इश्यू पर जस्टिन ट्रूडो जैसी शख्सियत की तरफ़दारी करें, तो नई दिल्ली को पाला बदलने में कितनी देर लगेगी? दरअसल, यही हुआ है। शी, ताइवान के प्रति अपने व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं। दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों का निर्माण और सैन्यीकरण चीन कर रहा है। चीन ने कंबोडिया में एक विस्तारित नौसैनिक बंदरगाह पर भी काम शुरू किया है, जो किसी अन्य एशियाई देश में उसका पहला सैन्य अड्डा बन सकता है। सोलोमन द्वीप के साथ एक सुरक्षा समझौता, इसी तरह की कूटनीतिक कोशिशों का हिस्सा है। पेइचिंग, अन्य प्रशांत देशों को आक्रामक रूप से लुभाने की कोशिश कर रहा है। क्या इस 'कूटनीतिक बिलियर्ड' को पुतिन खेल रहे हैं? इसके विपरीत, अमेरिका मध्य पूर्व संघर्षों में अपरोक्ष रूप से उलझ चुका है। अफ़ग़ानिस्तान से सैनिकों की वापसी के बाद, अमेरिकी टैक्स पेयर्स राहत की सांस लेने ही वाले थे, कि जो बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन का मोर्चा खोल दिया। यूक्रेन को 54 अरब डालर की प्रतिबद्धता अमेरिकी टैक्स पेयर्स को चुभने लगी है। अमेरिकी अधिकारी इस बात से जूझ रहे हैं, कि एक ही समय में चीन और रूस से कैसे निपटें? जो आमतौर पर ज़ेरे बहस नहीं होती, वो हैं पुतिन की खामोश चालें। हिन्द-प्रशांत समेत दक्षिण-पश्चिम एशिया में जो रणनीतिक बदलाव आ रहा है, उसमें 'मास्को-पेइचिंग नेक्सस' की बड़ी भूमिका है। पुतिन और शी यदि प्रच्छन्न हैं, तो मोदी बिलकुल प्रत्यक्ष रूप से कूटनीति के अखाड़े में हैं। पुतिन और शी ने दक्षिण-पूर्व से लेकर पश्चिम एशिया में व्यापक रणनीतिक बदलाव किया है, तो पीएम मोदी ने भी अपने आपको बदला है। कल तक मोदी इस इलाके में दक्षिणपंथ के नायक माने जाते थे। ऐसे दक्षिणपंथ के कट्टर नायक ने क्यों वामपंथी शासकों को गले लगाया है? यह भी तो विमर्श योग्य प्रश्न है। केपी शर्मा ओली और मोदी का खटराग अब आप नहीं सुनेंगे। 3 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से न्यूयार्क में मुलाकात की। दोनों नेता भरत-मिलाप की मुद्रा में थे। उनके बीच उभयपक्षीय बैठक ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, और व्यापार पर केंद्रित थी। बयान दिया कि भारत-नेपाल मित्रता बहुत मजबूत है, और हम अपने संबंधों को और भी गति देने के लिए तत्पर हैं। पीएम ओली के लिए अब लिपुलेख मुद्दा नहीं रहा। आप फिर श्रीलंका के वामपंथी नेताओं की बात करें। वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक चुनाव से पहले अपने पूरे जत्थे के साथ भारत आये थे। उन्हें सत्ता में आने के वास्ते, क्या कुछ मदद मोदी शासन ने दी थी, उसकी चर्चा फिर कभी। इस बार श्रीलंका, मालदीव हो, या नेपाल, या फिर बांग्लादेश, भारत और चीन के बीच ठीक से झांकिये, तो शत्रु भाव नहीं, क्षेत्रीय सहयोग का समभाव पैदा हुआ है। भारत से आड़े-तिरछे चलने वाले मुइज़्ज़ू, भीगी बिल्ली क्यों बन गए? इस्लामाबाद नई दिल्ली को गले लगाने के वास्ते क्यों आतुर है? इन तमाम सवालों के उत्तर ढूंढ़ने की आवश्यकता है। मोदी न केवल आपदा को अवसर में बदलने वाले नेता हैं, बल्कि जिससे ठन जाती है, उसके 'अवसर' को 'आपदा' में बदल देते हैं। आप 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को याद करें।

आप का नजरिया

हिंदी-चीनी भाई-भाई!

क्या 1954 का वह नारा फिर बुलंद होगा? क्या हिंदी-चीनी वाकई भाई-भाई साबित होंगे? दरअसल जब यह नारा गूंजा था, तो चीन ने भारत की पीठ में छुरा भी घोंपा था। हमें 1962 का युद्ध झेलना पड़ा, पराजित हुए और हजारों वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा भी कर लिया। वह कब्जा आज भी यथावत है। वह कालखंड बहुत पीछे गुजर चुका है। आज न तो 1962 वाला दरिद्र-सा भारत है और न ही भारत की तुलना में चीन इतना ताकतवर है कि जहां चाहे, कब्जा कर ले। पूर्वी लद्दाख का ताजा उदाहरण हमारे सामने है। करीब 4-5 साल के टकराव और तनाव के बाद, अंततः, भारत और चीन में आपसी समझौता हुआ है। चीन आक्रांता था। हमें अपने देश की सीमाओं और जमीन की रक्षा करनी थी, लिहाजा चीन को झुकना पड़ा है और भारत के पक्ष को मानने को बाध्य होना पड़ा है। सेना और राजनयिक स्तर की 31 उच्च स्तरीय बैठकों के बाद यह सर्वसम्मति बनी है कि अप्रैल, 2020 की स्थितियों को बहाल करना होगा। दोनों सेनाएं उस बिंदु तक पीछे हटेंगी। अभी तक हालात ऐसे थे कि भारत-चीन के करीब 50,000 सैनिक (प्रति पक्ष) तैनात थे। वे हथियारबंद थे। तोपखाने के सामने तोपखाना तैनात था। टैंक के मुकाबले टैंक था। यह बराबर की तैनाती बेहद तनावपूर्ण थी। जून, 2020 में गलवान घाटी में चीन ने एकतरफा हमला किया, जिसमें भारत के 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, लेकिन भारत ने जल्द ही पलटवार किया और चीन के 40-45 सैनिक ढेर कर दिए। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और सूचना-तंत्र ने इस पलटवार के खुलासे किए। रूस ने भी दुनिया के सामने स्पष्ट किया कि चीन के सैनिक मारे गए हैं। यह दीगर है कि चीन ने आज तक इसे स्वीकार नहीं किया। लद्दाख के टकराव और तनावग्रस्त माहौल में गलवान ही निर्णायक बिंदु साबित हुआ। अंततः चीन ने महसूस किया कि वह इस बार के युद्ध में भारत से जीत नहीं सकेगा। भारत अब सैन्य स्तर पर ताकतवर देश बन चुका है। चीन के सैनिकों ने डोकलाम पठार के टकराव में भी भारत की ताकत का अनुभव कर लिया था। लद्दाख क्षेत्र में कुछ और टकराव भी हुए, जिनमें हमारे सैनिकों ने चीनियों को जमकर पीटा और उसके कब्जाई मंसूबों को नाकाम कर दिया। कमाल की बात यह है कि एक ओर युद्ध-सी स्थितियां थीं, लेकिन दूसरी तरफ चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बना रहा। हालांकि वह कारोबार निरंतर घाटे का रहा है। आयात-निर्यात में व्यापक असमानताएं हैं। बहरहाल तमिलनाडु के महाबलीपुरम में 2019 में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आखिरी द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। चूंकि अब महत्वपूर्ण समझौता हुआ है और उसकी प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से शुरू होगी, लिहाजा रूस में 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन' के दौरान भारत और चीन के शीर्ष नेताओं के दरमियान एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद हुआ है, तो फिलहाल मानना चाहिए कि पांच साल तक जीम रही बर्फ अब पिघलने लगी है। यह वैश्विक स्तर पर युद्ध और घोर तनाव का दौर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के आतिथ्य सत्कार के लिए कहा–शुक्रिया राष्ट्रपति पुतिन

कजान,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के आतिथ्य सत्कार के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया है। रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने आयोजन को सार्थक कहा। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात भी हुई।दोनों देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के द्विपक्षीय बैठक भी हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन बहुत सार्थक रहा। विविध मुद्दों पर चर्चा करने और विभिन्न विश्व नेताओं से मिलने का अवसर मिला। मैं राष्ट्रपति पुतिन, रूस के लोगों और सरकार को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं। कजान में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की बुधवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात हुई है। जिनपिंग ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के दौरान भारत–चीन संबंधों को बेहतर बनाने के लिए दिए गए सुझावों पर सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है। जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन को एक–दूसरे के प्रति सुदृढ़ रणनीतिक धारणा बनाए रखनी चाहिए। यह दावा चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी खबर में किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर उज्बेकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपतियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ बेहतरीन बैठक की। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मिर्जियोयेव ने व्यापार, आर्थिक, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण और डिजिटल प्रौद्योगिकियों सहित भारत–उज्बेकिस्तान द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा उन्हें उनसे मिलकर बेहद खुशी हुई।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में गैटको भ्रष्टाचार मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा और दो अन्य बरी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया और दो अन्य लोगों को ढाका की एक अदालत ने आज ग्लोबल एग्रो ट्रेड प्राइवेट कंपनी लिमिटेड (गैटको) भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया। हालांकि, अदालत ने 12 अन्य के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश पारित किया। ढाका की विशेष अदालत–3 के न्यायाधीश अबू ताहेर ने सुनवाई के बाद खालिदा व अन्य दो को बरी करने का आदेश पारित किया। खालिदा जिया के साथ बरी किए गए अन्य दो व्यक्तियों में पूर्व मंत्री डॉ. खांडाकेर मोशर्रफ हुसैन और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य अमीर खसरू महमूद चौधरी शामिल हैं। अदालत ने तीनों को बरी करते हुए 12 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया। सनद रहे, दो सितंबर, 2007 को गैटको के साथ लेनदेन के दौरान धन के दुरुपयोग के आरोप में खालिदा और उनके छोटे बेटे अराफात रहमान कोको सहित 13 लोगों के खिलाफ तेजगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इसके अगले दिन खालिदा जिया और कोको को गिरफ्तार कर लिया गया। 13 मई, 2008 को भ्रष्टाचार विरोधी निकाय ने बीएनपी प्रमुख और 23 अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इस मामले में 11 को दोषी ठहराया गया। बाद में खालिदा के छोटे बेटे अराफात रहमान कोको सहित 11 आरोपितों के नाम अलग–अलग तारीखों पर उनकी मौत के बाद आरोप पत्र से हटा दिए गए थे।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी अदियाला जेल से रिहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) से पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को आज रिहा कर दिया गया। वह लगभग नौ माह बाद जेल की सलाखों से बाहर आईं। पाकिस्तान के समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, तोशाखाना केस में इस्लामाबाद हाई कोर्ट के जमानत मंजूर करने के एक दिन बाद उन्हें आज अदियाला जेल से रिहा किया गया। इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने इसी साल 31 जनवरी को इमरान खान और बुशरा बीबी को तोशाखाना केस में 14 साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके तत्काल बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। संघीय जांच एजेंसी ने दंपति पर एक विदेशी नेता के उपहार में दिए गए महंगे आभूषण सेट (एक हार, झुमके, कंगन और अंगूठियां) को कम कीमत पर अपने पास रखने का आरोप लगाया था। आरोप में कहा गया था कि इससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान हुआ। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने 23 अक्टूबर को बुशरा बीबी की जमानत याचिका मंजूर की थी। आज विशेष न्यायाधीश (केंद्रीय) शाहरुख अर्जुमंद ने बुशरा बीबी की रिहाई के आदेश जारी किए। बुशरा बीबी के वकील मलिक तारिक महमूद नून और सोहेल सत्ती ने उनकी रिहाई के लिए आवश्यक जमानत बांड जमा कराए। रिहाई आदेश में कहा गया था कि यदि आरोपित किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है, तो उन्हें रिहा किया जाए।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट का अदियाला जेल प्रशासन को आदेश-पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उसके समक्ष पेश किया जाए

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) प्रशासन को आदेश दिया कि पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को आज दोपहर तीन बजे अदालत के सामने पेश किया जाए। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने यह आदेश वकीलों को पूर्व प्रधानमंत्री खान से मिलने की अनुमति नहीं देने पर अदियाला जेल अधीक्षक के खिलाफ अदालत की अवमानना केस की सुनवाई के दौरान दिया। हाई कोर्ट ने कहा, पीटीआई संस्थापक को लाओ। वह अपने वकीलों के साथ बैठक करेंगे। पंजाब प्रांत सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पिछले दिनों एक बार फिर अदियाला जेल में कैदियों से मुलाकात पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध राजनीतिक कैदियों समेत सभी कैदियों पर लागू होगा और अगले आदेश तक बरकरार रहेगा। इससे पहले पंजाब सरकार ने चार से 18 अक्टूबर तक अदियाला जेल के कैदियों के आगंतुकों से मिलने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद इसे अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, मुलाकात पर प्रतिबंध पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी सहित सभी हाई–प्रोफाइल राजनीतिक कैदियों पर भी लागू होगा।

तुर्किये ने अंकारा में हुए हमले का लिया बदला

उत्तरी इराक और सीरिया में आतंकी समूहों के ठिकानों पर हवाई हमला

अंकारा,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तुर्किये ने राजधानी अंकारा में घातक आतंकी हमले के बाद उत्तरी इराक और सीरिया में हवाई हमला कर आतंकवादी समूहों के ठिकानों को निशाना बनाया। तुर्किये के समाचार पत्र डेली सबाह की खबर में यह जानकारी दी गई।

तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को अंकारा में तुर्किये एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज पर आतंकवादी हमले के कुछ समय बाद उत्तरी इराक और सीरिया के आतंकवादी समूह कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) और पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) के खिलाफ बड़ी हवाई कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि अंकारा में हुए आतंकी हमले में पांच लोगों की जान गई और 22 अन्य लोग घायल हुए हैं। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र आतंकवादी समूह कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी मुख्य रूप से दक्षिण–पूर्वी तुर्किये और उत्तरी इराक के पहाड़ी कुर्द–बहुल क्षेत्रों में सक्रिय है। दूसरा आतंकवादी समूह पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) सीरिया में सक्रिय है। इसे पीपुल्स प्रोटेक्शन यूनिट्स के नाम से भी जाना जाता है।

तुर्किये पर हुए आतंकवादी हमले की दुनिया के अनेक देशों ने कड़ी निंदा की है

तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तुर्किये के जेट विमानों ने हवाई हमले में 32 लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। एयर स्ट्राइक जारी रहेगी। सनद रहे आतंकवादियों ने बुधवार दोपहर राजधानी अंकारा में तुर्किये एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज पर हमला कर दुनिया को दहला दिया। तुर्किये के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि देश के सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों (एक पुरुष और एक महिला) को मार गिराया। तुर्किये हमले में शामिल एक भी आतंकवादी को जिंदा नहीं छोड़ेगा। अंकारा के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने आतंकवादी हमले की जांच शुरू कर दी है।

तुर्किये पर हुए आतंकवादी हमले की दुनिया के अनेक देशों ने कड़ी निंदा की है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स समूह शिखर सम्मेलन के मौके पर हुए इस हमले की निंदा की। हमले की निंदा करते हुए अमेरिका के विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका तुर्किये के साथ खड़ा है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने भी हमले की निंदा की। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि वह आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हैं और घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं। नाटो अपने सहयोगी राष्ट्र तुर्किये के साथ खड़ा है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि संघ इस कठिन समय में तुर्किये के साथ एकजुटता व्यक्त करता है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। इनके अलावा जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ, ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर, कोसोवो के राष्ट्रपति वजोसा उस्मानी, स्लोवेनिया के उपप्रधान मंत्री तंजा फाजोन और सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने हमले की निंदा करते हुए तुर्किये के साथ खड़े रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने नौ आतंकवादियों को मार गिराया

रावलपिंडी, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने लंबे समय से अशांत खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में आधी रात बाद एक खुफिया अभियान में दो आत्मघाती हमलावरों और एक रिंग लीडर सहित नौ आतंकवादियों (खवारिज) को मार गिराया। जियो न्यूज की खबर के अनुसार इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने आज यह जानकारी दी।

आईएसपीआर के बयान के अनुसार, सैनिकों के साथ भीषण गोलीबारी के बाद आतंकवादी गिरोह का नेता सईद मुहम्मद उर्फ कुरैशी उस्ताद भी मारा गया। सुरक्षा बलों को यह कामयाबी 23 और 24 अक्टूबर की रात मिली।

इस दौरान सुरक्षा बलों ने मौके से बड़ी संख्या में हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए हैं। पिछले हफ्ते बलूचिस्तान के पोशिन जिले में पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रांत के झोब जिले में दो आतंकवादी मारे गए।

बांग्लादेश में गृह मंत्रालय के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी मुस्तफा कमालुद्दीन गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग के पूर्व वरिष्ठ सचिव मुस्तफा कमालुद्दीन को आज चटगांव से गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी ढाका ट्रिब्यून की खबर में दी गई।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) की जासूसी शाखा के अतिरिक्त आयुक्त रेजाउल करीम मलिक ने मुस्तफा की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने मुस्तफा कमालुद्दीन को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं।

नेपाल को आपदा प्रबंधन के लिए विश्व बैंक देगा 150 मिलियन डॉलर का सहयोग

काठमांडू, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सितंबर के अंतिम सप्ताह में नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से हुए भारी तबाही से उबरने के लिए विश्व बैंक ने नेपाल को 150 मिलियन डॉलर का आर्थिक सहयोग देने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इससे नेपाल में प्राकृतिक आपदा से बर्बाद भौतिक संरचना के पुनर्निर्माण में खर्च किया जाएगा। विश्व बैंक और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के वार्षिक अंतराष्ट्रीय बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की उपस्थिति में नेपाल के वित्त सचिव डॉ. राम प्रसाद घिमिरे और विश्व बैंक के दक्षिण एशिया कंट्री डायरेक्टर डेविड सीसलॉन ने बुधवार की शाम एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि विश्व बैंक की ओर से नेपाल को सहूलियत ऋण के रूप में 150 मिलियन डॉलर की सहायता दी जाएगी। बयान के मुताबिक यह सहायता नेपाल के हाल ही में आए प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए भौतिक संरचना के पुनर्निर्माण के साथ ही प्रभावित लोगों के पुनर्वास में खर्च किया जाएगा। विश्व बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक के अधिकारियों से मुलाकात के दौरान नेपाल के वित्त मंत्री पौडेल ने देश की शिक्षा, रोजगार, यातायात, ऊर्जा सहित भौतिक संरचना एवं सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिए दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए आने वाले दिनों में इस सहयोग की निरंतरता के लिए आग्रह भी किया।

राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी कमला हैरिस ने ट्रंप के खिलाफ चुनावी रेस में नई रणनीति अपनाई

वाशिंगटन,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अगले माह तय हो जाएगा कि अमेरिका में राष्ट्रपति कौन होगा। इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चुनावी रेस में एक नई रणनीति अपनाई है, जिसमें उन्होंने ट्रंप की उम्र और उनकी ऊर्जा पर सवाल उठाए हैं।

हैरिस का यह कदम न केवल उनकी राजनीतिक पहचान को स्थापित करने का प्रयास है, बल्कि यह ट्रंप के प्रति जनता की धारणा को भी प्रभावित करने की कोशिश है। दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है, जिससे आगामी चुनावों की सटीक भविष्यवाणी करना मुश्किल हो रहा है।

कमला हैरिस ने कहा है कि वह भावी पीढ़ी की लीडरशिप का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनका कार्यकाल वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के कार्यकाल से अलग होगा। यह बयान उनकी युवा पहचान को मजबूत करने और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास है।

कमला हैरिस ने अपने प्रचार अभियान के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें ट्रंप प्रचार रैली के दौरान थके हुए दिखाई दे रहे हैं। हैरिस के अभियान ने इस वीडियो के माध्यम से सवाल उठाया है कि क्या ट्रंप, जो इतनी थकान में हैं, अमेरिका के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए उपयुक्त हैं। यह रणनीति उनके लिए महत्वपूर्ण है, खासकर जब से उन्होंने डेमोक्रेट पार्टी के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में अपनी स्थिति बनाई है।

गैलप पोल के अनुसार, ट्रंप और हैरिस दोनों ही अमेरिका के सबसे अलोकप्रिय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में शामिल हैं। इस पोल में ट्रंप को 50 प्रतिशत और हैरिस को 48 प्रतिशत समर्थन मिला है, जो इस बात को दर्शाता है कि चुनाव परिणामों को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही है।

ट्रंप पर उम्र और ऊर्जा का यह हमला दरअसल उस रणनीति का प्रतिकृति है, जिसे पहले ट्रंप ने बाइडेन के खिलाफ इस्तेमाल किया था। यह न केवल हैरिस की राजनीतिक क्षमता को चुनौती देने वाला कदम है, बल्कि यह दर्शाता है कि अमेरिका की राजनीति में अब उम्र और ऊर्जा के मुद्दे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे हैं। आगामी चुनावों में इन मुद्दों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

भारत पर झूठा आरोप मढ़कर मुसीबत में फंसे कनाडा के प्रधानमंत्री

पार्टी सांसदों ने पीएम जस्टिन ट्रूडो से मांगा इस्तीफा

ओटावा,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का झूठा आरोप मढ़कर विवादों में घिरे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को अब अपनी ही पार्टी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा के सांसदों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को पार्टी सांसदों की बंद कमरे में हुई बैठक में जस्टिन ट्रूडो के लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा नेता के रूप में इस्तीफे की मांग उठी। इस बैठक में ट्रूडो भी मौजूद रहे।

कनाडा के अंग्रेजी समाचार पत्र नेशनल पोस्ट की खबर के अनुसार, बैठक शुरू होते ही सभी के बीच एक पत्र बांटा गया। इसमें जस्टिन ट्रूडो से शीघ्र पद छोड़ने और नए नेतृत्व की प्रक्रिया शुरू करने का आह्वान किया गया। इसकी दो सांसदों ने पुष्टि भी की। हालांकि बैठक में ट्रूडो की उपलब्धियों की प्रशंसा भी कई। मगर कहा गया कि यह मांग मजबूरी में की गई है। वह पद छोड़ने के आह्वान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। इस पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने वाले एक सांसद ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनमें ऐसा करने की हिम्मत है। वे मजबूत इरादे वाले हैं।

सूत्रों के हवाले से कहा है कि ट्रूडो बैठक के दौरान कम ही बोले। बैठक के बाद कमरे से बाहर निकलते ही उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी मजबूत और एकजुट है। बैठक से बाहर आए कई सांसदों ने कहा कि रचनात्मक चर्चा की गई। वह इस बारे में अधिक विवरण साझा नहीं करेंगे।

नेशनल पोस्ट की खबर के अनुसार, न्यू ब्रंसविक सांसद वेन लॉन्ग ने खुलेतौर पर प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बैठक में अच्छी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, मैंने नौ वर्षों में ट्रूडो की पार्टी संसदों के बीच ईमानदार, स्पष्ट और सीधी मुलाकात नहीं देखी है। लॉन्ग ने कहा कि बैठक का विवरण इससे ज्यादा साझा करना उनके लिए मुश्किल है। वह गोपनीयता का सम्मान करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री ट्रूडो बैठक में उठी मांग पर विचार करेंगे। लॉन्ग ने कहा कि कनाडा की भलाई के लिए प्रधानमंत्री ट्रूडो को जाना ही होगा।

यह बैठक पार्लियामेंट हिल पर हुई। परंपरा है कि यहां पर होने वाली बैठकों का विवरण सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया जाता। इसका मकसद यह होता है कि सभी खुलकर अपने विचार व्यक्त करें। इस बैठक में हिस्सा लेने वाले टोरंटो के सांसद नथानिएल एर्स्किन स्मिथ ने कहा कि ट्रूडो से इस्तीफा मांगने वाले का रुख दोतरफा था। ओंटारियो के सांसद चार्ल्स सूसा ने कहा कि प्रधानमंत्री मानते हैं कि उनके सामने बड़ी चुनौती है। ट्रूडो के सहयोगी यवन बेकर ने जो कहा उसे उसे साझा नहीं किया जा सकता। कैलगरी के सांसद जॉर्ज चहल ने कहा कि उनके नेता ट्रूडो हैं। वह आगे भी उनके नेता रहेंगे। वित्तमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने कहा कि बैठक में शानदार बातचीत हुई। उन्होंने तुरंत ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की कटौती करने पर विचार करने को कहा है।

सूत्रों के अनुसार, हजारों पार्टी समर्थकों को कोड रेड पिटीशन भेजकर उनसे तत्काल गुप्त मतदान करने का आग्रह किया गया है। इसमें कहा गया है कि ट्रूडो को पद पर बने रहना चाहिए या इस्तीफा देना चाहिए। उदारवादी रणनीतिकार एंड्रयू पेरेज का कहना है कि सासंदों की मांग को नेतृत्व को गंभीरता से लेना चाहिए।

फीफा अध्यक्ष इन्फेंटिनो ने 2026 विश्व कप के लिए की 9 अफ्रीकी टीमों की पुष्टि

अदीस अबाबा, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पुष्टि की है कि 2026 विश्व कप में कम से कम नौ अफ्रीकी टीमें भाग लेंगी, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में आयोजित किया जाएगा।

इन्फेंटिनो ने यह टिप्पणी इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में मंगलवार को अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) की 46वीं साधारण सभा के उद्घाटन के समय की, जिसमें पूरे अफ्रीका से सदस्य संघों के नेता और प्रतिनिधि एक साथ आए।

इन्फेंटिनो ने मंगलवार को कहा, विश्व कप 2026 में, नौ या दस अफ्रीकी देश (और क्षेत्र) विश्व कप में भाग लेंगे,यह वृद्धि फीफा के विस्तारित विश्व कप प्रारूप के अनुरूप की जानी है।

इन्फेंटिनो ने अफ्रीकी देशों से महाद्वीप के युवा फुटबॉल खिलाड़ियों में और अधिक निवेश करने तथा उनकी क्षमता को उजागर करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, मैं आप सभी को युवा फुटबॉल में निवेश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, क्योंकि वे बच्चे, वे लड़कियां और लड़के, कल के सितारे होंगे।

महिला संख्या छह करने पर विचार

फीफा अध्यक्ष ने कहा कि फीफा महिला विश्व कप में भाग लेने वाली अफ्रीकी टीमों की संख्या बढ़ाकर छह करने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मोरक्को 2030 में फीफा विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो देश को विश्व कप की मेजबानी करने वाला दूसरा अफ्रीकी देश बना देगा।

असेंबली के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, इथियोपिया के राष्ट्रपति टाय एट्सके सेलासी ने सीएएफ से 2029 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन 2029) टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए इथियोपिया की बोली का समर्थन करने की अपील की।

सेलासी ने विश्व कप ट्रॉफी को अफ्रीकी धरती पर लाने की आवश्यकता पर भी ध्यान दिया, हालांकि अफ्रीकी मूल के कई खिलाड़ी गैर-अफ्रीकी देशों की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, ताकि वे प्रतिष्ठित फुटबॉल ट्रॉफी जीत सकें।

सेलासी ने कहा, फुटबॉल खेल को ऊपर उठाने और युवा प्रतिभाओं को विकसित करने की कुंजी सामूहिक प्रयासों को बढ़ाने में निहित है। इस आधारभूत प्रतिभा के साथ, अफ्रीकी फुटबॉल पनप सकता है और वैश्विक मंच पर अपना उचित स्थान प्राप्त कर सकता है।

एएफसीओएन 2029 की मेजबानी के लिए शुभकामनाएं व्यक्त

एएफसीओएन 2029 की मेजबानी के लिए इथियोपिया की बोली के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए, सीएएफ के अध्यक्ष पैट्रिस मोटसेपे ने इथियोपिया की सरकार और फुटबॉल महासंघ को इथियोपिया के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के संबंध में समय पर निर्णय लेने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, हम एएफसीओएन 2029 की मेजबानी के लिए इथियोपिया द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत करने के इरादे से बहुत उत्साहित हैं। फुटबॉल की सफलता इथियोपिया में होने वाली घटनाओं और महाद्वीप के अन्य हिस्सों में होने वाली घटनाओं पर निर्भर करती है। हम कुछ देशों में सफल हैं, अन्य देशों में, हम सफल नहीं हैं।

सैमुएल इटो, जे-जे ओकोचा और एल-हादजी डियॉफ़ सहित पूर्व अफ्रीकी फुटबॉल सितारे 46वीं सीएएफ साधारण महासभा में शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी पेरिस मास्टर्स टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की है। बुधवार को इंस्टाग्राम पर जोकोविच ने लिखा, दुर्भाग्य से मैं इस साल पेरिस मास्टर्स टूर्नामेंट नहीं खेल पाऊंगा। उन सभी से माफ़ी चाहता हूं जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। सभी खिलाड़ियों, प्रायोजकों, आयोजकों और प्रशंसकों को शानदार टूर्नामेंट की शुभकामनाएं। वहां सात खिताब जीतने की मेरी कई शानदार यादें हैं और उम्मीद है कि अगले साल मैं फिर से आपके साथ रहूंगा। उल्लेखनीय है कि जोकोविच ने पेरिस-बर्सी में अपने रिकॉर्ड-तोड़ 40 एटीपी मास्टर्स 1000 खिताबों में से सात जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 50-9 का है और उन्होंने प्रतियोगिता में अपने पिछले 19 मैचों में से 18 जीते हैं। 37 वर्षीय खिलाड़ी का इस सीजन में जीत-हार का रिकॉर्ड 37-9 है और उनके करियर का सबसे शानदार पल इस साल पेरिस में आया, जब उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्काराज़ को हराया। जोकोविच वर्तमान में एटीपी लाइव टू ट्यूरिन रैंकिंग में छठे नंबर पर हैं और सीजन के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल कर सकते हैं। इससे पहले अक्टूबर में, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर ने शंघाई मास्टर्स में जोकोविच को हराकर 2024 का अपना सातवां खिताब हासिल किया था। सिनर ने 7-6(4), 6-3 से जीत हासिल की, और 2016 में एंडी मरे के बाद एक ही कैलेंडर वर्ष में छह से अधिक खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

मेजर लीग बेसबॉल के रियलिटी स्पोर्ट्स सीरीज़ का हिस्सा बने शिखर धवन

नई दिल्ली। मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन को भारत में खेल के विकास को दर्शाने वाली एक रियलिटी स्पोर्ट्स सीरीज़ का हिस्सा बनने के लिए चुना है। यह सीरीज़ 25 अक्टूबर, 2024 को लॉन्च होगी। चार-एपिसोड की इस सीरीज़ में धवन, 5 बार ऑल-स्टार स्लगर एडम जोन्स और खेल प्रस्तोता जतिन सप्रू शामिल हैं। यह सीरीज़ डिज्नी स्टार के सहयोग से बनाई गई है, जिसका शीर्षक 'हॉटशॉट्स' है। हॉटशॉट्स देश के 10 सर्वश्रेष्ठ शौकिया बल्लेबाजों की हिटिंग क्षमता का परीक्षण करता है, जिसमें विजेता को 15 लाख रुपये का शीर्ष पुरस्कार दिया जाता है। शिखर और एडम इन प्रतियोगियों को कोचिंग देंगे। हॉटशॉट्स पिछले साल के इंडियन बेसबॉल ड्रीम्स का अनुसरण करता है, और 2023 में एमएलबी ड्राफ्ट के पहले दौर में चुने जाने वाले पहले-पीढ़ी के भारतीय अमेरिकी अर्जुन निम्माला की प्रेरक वास्तविक जीवन की कहानी बताता है। सीरीज़ की रिलीज़ 26 अक्टूबर को निर्धारित 120वीं वर्ल्ड सीरीज़ की शुरुआत के साथ होगी। हॉटशॉट्स में भाग लेने पर शिखर धवन ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूँ!

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने गुरुवार को संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका 16 साल का शानदार करियर समाप्त हो गया। टोक्यो ओलंपिक में भारत को ऐतिहासिक चौथे स्थान पर पहुंचाने वाली रानी आगामी महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में पंजाब और हरियाणा के सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच होंगी, जिसका आगाज इस साल के अंत में होगा। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, यह एक शानदार यात्रा रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारत के लिए इतने लंबे समय तक खेलूंगी। मैंने बचपन से बहुत गरीबी देखी है, लेकिन मेरा ध्यान हमेशा कुछ करने, देश का प्रतिनिधित्व करने पर था। टोक्यो ओलंपिक के बाद हैमस्ट्रिंग की चोट से मजबूत वापसी करने के बावजूद, रानी पूर्व कोच जेनेके शोपमैन के पक्ष में नहीं थीं और राष्ट्रीय टीम के लिए ज्यादा खेल नहीं पाईं। उन्हें हाल ही में सब-जूनियर महिला खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कोच के रूप में शामिल किया गया था। रानी रामपाल ने 254 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और कुल 205 गोल किए। भारतीय हॉकी में उनका योगदान बहुत बड़ा है, उन्होंने 2008 में सिर्फ़ 14 साल की उम्र में अपना पहला मैच खेला था।

विश्व अंडर-23 कुश्ती चैंपियनशिप

विश्वजीत मोरे ने ग्रीको रोमन स्पर्धा में जीता कांस्य, अंजली फाइनल में

नई दिल्ली,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्वजीत मोरे ने बुधवार को अल्बानिया के तिराना में अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप 2024 में पुरुषों के 55 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में कांस्य जीतकर भारत के लिए पहला पदक हासिल किया।

उन्होंने रोमांचक मुकाबले में एडम उल्बाशेव को 14-10 के स्कोर से हराया। यह उपलब्धि इस चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। अली अब्दुल्ला अहमदी वाफा ने रशद मम्मादोव को 11-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि कोहेल यामागीवा ने मोरे के साथ कांस्य पदक साझा किया। मोरे शुरुआती बढ़त के बावजूद सेमीफाइनल में वाफा से 5-14 से हार गए थे। इससे पहले, अंजली ने महिलाओं की 59 किग्रा श्रेणी में इटली की ऑरोरा रूसो के खिलाफ 4-0 के स्कोर के साथ जीत हासिल करके फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में अंजली का सामना यूक्रेन की सोलिमिया विन्निक से होगा।

अश्विन आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज नाथन लियोन को पीछे छोड़ते हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन ने यह उपलब्धि पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान हासिल की। पहली पारी में खेल के दौरान, अश्विन ने अब तक 19 ओवर में 2.50 की इकॉनमी रेट से 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। 2019 में लीग प्रारूप में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से अब तक 39 मैचों में, अश्विन ने 20.71 की औसत से 189 विकेट लिए हैं, जिसमें 7/71 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने प्रतियोगिता में नौ बार चार विकेट और 11 बार पांच विकेट लिए हैं। 2019-21 और 2021-23 चक्रों में, अश्विन 14 मैचों में 71 विकेट लेकर अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज और 13 मैचों में 61 विकेट लेकर चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने लियोन 20 मैचों में 88 विकेट लेकर शीर्ष पर रहे। प्रतियोगिता के मौजूदा 2023-25 चक्र में, अश्विन 12 मैचों में 57 विकेट लेकर फिर से शीर्ष पर हैं।

आईओसी अध्यक्ष बाख ने युगांडा के राष्ट्रपति मुसेवेनी को मानद स्वर्ण पदक प्रदान किया

कंपाला। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाख ने युगांडा के राष्ट्रपति को पदक प्रदान कर खेलों के विकास में उनके योगदान की सराहना की है। बाख ने बुधवार को एंटेबे में स्टेट हाउस की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति योवेरी कागुटा मुसेवेनी को मानद स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

आईओसी अध्यक्ष ने मुसेवेनी के नेतृत्व में युगांडा सरकार को खेलों का हमेशा समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया, जो ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश द्वारा जीते गए कई पदकों से साबित हुआ है।

मुसेवेनी ने अपनी पत्नी और शिक्षा और खेल मंत्री जेनेट काटाका मुसेवेनी के साथ मिलकर वचन दिया कि सरकार नए युगांडा ओलंपिक समिति मुख्यालय के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराएगी। इससे पहले, आईओसी अध्यक्ष बाख ने युगांडा की प्रधानमंत्री रोबिना नब्बांजा से भी मुलाकात की,

जिन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार हमेशा खेलों का समर्थन करेगी क्योंकि यह राष्ट्र निर्माण के मामले में देश के लिए बहुत बड़ा योगदान देता है।

पुणे टेस्ट : न्यूजीलैंड की पहली पारी 257 रन पर सिमटी, वाशिंगटन सुंदर ने झटके 7 विकेट

पुणे,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में 259 रन बनाए, न्यूजीलैंड के लिए डेवोन कॉनवे (76) ओर रचिन रवींद्र (65) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर ने सात विकेट लिए।

इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे ने न्यूजीलैंड को सधी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 32 रन जोड़े। रविचंद्रन अश्विन ने इसी स्कोर पर लैथम को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। लैथमने 15 रन बनाए। अश्विन ने 76 के कुल स्कोर पर विल यंग को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। यंग ने 18 रन बनाए। इसके बाद कॉनवे और रचिन रवींद्र ने तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी की। इस दौरान कॉनवे ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 138 के कुल स्कोर पर कॉनवे को अश्विन ने आउट कर भारत को तीसरी सफलता सफलता दिलाई। कॉनवे ने 141 गेंदों पर 11 चौकों की बदौलत 76 रन बनाए।

वाशिंगटन सुंदर का चला जादू- यहां से वाशिंगटन सुंदर ने अपना जादू चलाया और कीवी बल्लेबाजों को अपनी फिरकी पर जमकर नचाया। उन्होंने 197 के स्कोर पर रचिन रवींद्र को आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। रवींद्र ने 65 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद सुंदर ने एक के बाद एक कीवी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजना शुरू किया और अंत में मिचेल सेंटनर (33) को 259 के कुल स्कोर पर बोल्ड कर न्यूजीलैंड की पारी समाप्त की। संदर ने 23.1 ओवर में 59 रन देकर 7 विकेट लिये, जबकि रविचंद्रन ने 3 विकेट लिए। इसके पहले भारत ने इस मैच के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव किये, केएल राहुल, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया और शुभमन गिल वाशिंगटन सुंदर और आकाशदीप को शामिल किया गया। जबकि न्यूजीलैंड ने भी अपनी टीम में एक बदलाव किया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी की जगह स्पिनर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया।

मुरादाबाद में 4 दिवसीय 26वीं उप्र पुलिस वार्षिक घुड़सवारी प्रतियोगिता शुरू

अपर पुलिस महानिदेशक अमित चन्द्रा ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन

मुरादाबाद। डॉ. भीमराव आम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी के घुड़सवारी मैदान में गुरुवार को चार दिवसीय 26वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक घुड़सवारी प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय मुरादाबाद में अपर पुलिस महानिदेशक अमित चन्द्रा द्वारा किया। प्रतियोगिता का समापन 27 अक्टूबर को होगा।

उप्र पुलिस वार्षिक घुड़सवारी प्रतियोगिता में मुरादाबाद, लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, बरेली की घुड़सवारी टीमें प्रतिभाग कर रही है। प्रतियोगिता में 85 प्रतिभागी और 45 घोड़े शामिल हैं। अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र कुमार ने बताया कि आज पहले दिन टीम टेन्ट पेगिंग, इण्डियन फाईल लॉन्स तथा सोर्ड, शो जम्पिंग प्रिमनलरी, डेसाज व्यक्तिगत टीम द्वारा हुई। 25 अक्टूबर शुक्रवार को प्रात: 8 बजे से उप्र पुलिस रिले कम्पटीशन, ब्राबो जम्पिग, व्यक्तिगत टेन्ट पेगिंग, हार्स टेस्ट ड्रेसाज 26 अक्टूबर शनिवार को सईस कम्पटीशन, मिडले रिले, फाल्ट एण्ड आउट, हार्स टेस्ट 27 अक्टूबर क रविवार को टेन्ट पेगिंग लॉन्स, सोर्ड राउन्ड-ए, शो जम्पिंग टॉप स्कोर ओपन शे जम्पिंग ओपन सिक्सवार, टेन्ट पेगिंग लॉन्स, सोर्ड राउण्ड-बी होगी तथा रविवार शाम 4 बजे मुख्य अतिथि डॉ भीमराव आम्बेडकर उप्र पुलिस अकादमी के निदेशक व अपर पुलिस महानिदेशक राजीव सभरवाल मुरादाबाद द्वारा पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

एटलेटिको मैड्रिड ने 2027 चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी के लिए लगाई बोली

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड ने क्लब के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में 2027 चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की है, यूईएफए ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

मेट्रोपोलिटानो के पास वर्तमान में यूरोपीय फुटबॉल के सबसे बड़े खेल की मेजबानी के लिए केवल एक प्रतिद्वंद्वी है, जो कि अज़रबैजान में बाकू ओलंपिक स्टेडियम है, लेकिन अन्य उम्मीदवारों को पेश करने के लिए 19 मार्च, 2025 तक खिड़की खुली है। 64,000 क्षमता वाले इस स्टेडियम ने लिवरपूल और टोटेनहम के बीच 2019 चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी की थी, जिसे लिवरपूल ने मोहम्मद सलाह और डिवोक ओरिगी के गोलों की मदद से 2-0 से जीता था। एटलेटिको के खिलाफ एक कारक उनके प्रशंसकों का व्यवहार है, यूईएफए ने हाल ही में क्लब पर 30,000 यूरो का जुर्माना लगाया था, क्योंकि उनके समर्थकों के एक वर्ग ने हाल ही में बेनफिका से 4-0 की हार के दौरान नाजी सलामी दी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत को 4-0 से हराया

नई दिल्ली,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को सुल्तान ऑफ जोहोर कप के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत को 4-0 से मात देकर भारतीय टीम के विजय रथ को रोक दिया। इस मैच ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए कई महत्वपूर्ण सबक दिए, खासकर उनके आक्रामक और रणनीतिक खेल में। मैच में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट्रिक एंड्रयू ने 29वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद, डेकिन स्टैंगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 33वें, 39वें और 53वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई, जिससे ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 4-0 तक पहुंच गई। उनका आक्रामक खेल भारतीय रक्षा को तोड़ने में सफल रहा।

हालांकि, भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षापंक्ति को तोड़ने के लिए संघर्ष किया। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा ने अपने शानदार खेल का मुजाहिरा किया और ऑस्ट्रेलिया के कई हमलों को विफल किया। लेकिन, जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, भारत की टीम गोल करने में विफल

रही, जिससे उन्हें अंतत: हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद, भारत नौ अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए, फिर भी वे न्यूजीलैंड के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

आगे की चुनौतियां- भारत को अब अपनी अगली रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना होगा, ताकि वे अपनी फॉरवर्ड लाइन के प्रदर्शन को बेहतर बना सकें और आगामी मैचों में सफल हो सकें। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह हार उनके लिए एक चुनौती है, लेकिन टीम में सुधार की काफी संभावनाएं हैं। इस प्रकार, सुल्तान ऑफ जोहोर कप का यह मुकाबला न केवल ऑस्ट्रेलिया की शक्ति को दर्शाता है, बल्कि भारत के लिए आत्म-विश्लेषण और सुधार के अवसर भी प्रदान करता है।

खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया भारतीय टीम के लिए फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर लगाएगी

नई दिल्ली,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। 13 जनवरी से 19 जनवरी 2025 तक खेले जाने वाले पहले खो खो वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया भारतीय टीम का आठ दिसम्बर से एक माह का फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर लगाएगी । भारत के प्राचीनतम खेलों में से एक खो खो के इस विश्व कप का उद्घाटन नई दिल्ली में होगा। आयोजन में छह महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे, जिनमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें शामिल होंगी।

अन्तर्राष्ट्रीय खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया की इंदिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किये जाने बाले इस कैंप के माध्यम से खिलाडियों में टीम भावना भरने के साथ खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक क्षमता को बढ़ाने पर फोकस किया जायेगा ताकि बह अन्तराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें ।

उन्होंने बताया की इस प्री सीजन फिटनेस और फील्डिंग ट्रेनिंग कैंप में खिलाडियों के फिटनेस स्तर, स्फूर्ति, नेतृत्व ,रणनीतिक सोच ,तथा खेल के मैदान में बेहतर प्रदर्शन के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा ताकि वह विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन कर सकें ।

उन्होंने बताया की महिला और पुरुष प्रतेयक टीम के साठ - साठ खिलाडियों को विश्व कप की प्रतिस्पर्धा के विभिन्न पहलुओं के बारे में इस कैंप में गहन प्रशिक्षण दिया जायेगा।

सुधांशु मित्तल ने बताया की इन 60 खिलाडियों का चयन राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप में उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर नेशनल सिलेक्शन कमेटी द्वारा किया गया है।उन्होंने बताया की

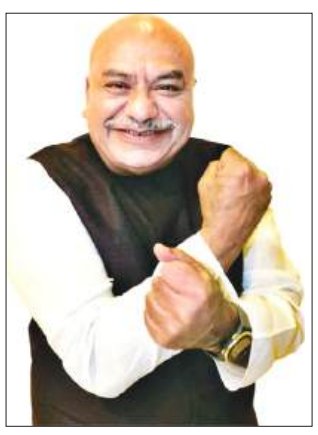

खिलाडियों को दबाब से मुक्त रखने एक खेल मनोवैज्ञानिक की व्यवस्था की गई है ताकि वह अपनी चुनौतियों के बारे में खुल कर बात कर सकें । उन्होंने बताया की इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से खो खो वर्ल्ड कप के लिए महिला और पुरुष दोनों टीमों के 15 -15 खिलाडियों का चयन किया जायेगा । उन्होंने बताया की इस चैंपियनशिप में विदेशों से आठ सौ खिलाडी ,सहायक स्टाफ और कोचों के हिस्सा लेंगे । सुधांशु मित्तल बताया कि ईज़ माई ट्रिप को ट्रेवल और होस्ट पार्टनर चुना गया है । उन्होंने बताया की स्टार स्पोर्ट्स सभी मैचों की लाइव कवरेज करेगा जबकि सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग सोशल मीडिया के माध्यम से की जाएगी ।मैच के दौरान दर्शकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दर्शकों को मुफ्त प्रवेश दिया जायेगा तथा इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों में खो खो के प्रति आकर्षण और रूचि पैदा करने के लिए दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थानों के बच्चो को मैच देखने के लिए आमंत्रित किया जायेगा। खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा विश्व कप से पहले, खो खो खेल को बढ़ावा देने के लिए दस शहरों के दो सौ शीर्ष स्कूलों में खेल को ले जाने की योजना बनाई है ।महासंघ स्कूली छात्रों के लिए सदस्यता अभियान भी चलाएगा, जिसका उद्देश्य विश्व कप से पहले कम से कम पचास लाख खिलाड़ियों को पंजीकृत करना है।

मित्तल ने बताया की हम 2025 में पहले खो.खो विश्व कप के लिए आधिकारिक भागीदार बनने के लिए उत्साहित हैं। यह आयोजन न केवल खो.खो की गतिशील भावना को प्रदर्शित करने में बल्कि ओलंपिक और एशियाई खेलों में इसे लाने की आकांक्षाओं के साथ वैश्विक मंच पर इसके समावेश को बढ़ावा देने में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

पाकिस्तानी टेस्ट टीम से बाहर हुए मीर हमजा

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज मीर हमजा को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया है ताकि वह कराची में अपने रिहैबिलिटेशन पर काम कर सकें। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रावलपिंडी में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीसरे और निर्णायक टेस्ट के पहले दिन इस बात की घोषणा की। इस खिलाड़ी को अपने दाहिने ग्लूट में कुछ परेशानी थी। तीसरे टेस्ट से पहले उन्होंने पाक के किसी भी सत्र में ट्रेनिंग या गेंदबाजी नहीं की और मंगलवार को उन्हें टीम के फिजियोथेरेपिस्ट के साथ बैंड रिहैबिलिटेशन एक्सरसाइज करते देखा गया।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने विश्व बैंक अध्यक्ष से मुलाकात में एमडीबी सुधारों पर की चर्चा

वाशिंगटन/नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने यहां वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं में निजी पूंजी की भागीदारी से संबंधित मुद्दों, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबीएस) में सुधार पर चर्चा की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को यहां विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकों से इतर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात की और अन्य मुद्दों के अलावा एमडीबीएस में सुधार पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने कहा कि वह विश्व बैंक द्वारा भारत की जी-20 अध्यक्षता से एमडीबी सुधारों पर आईईजी की सिफारिशों को आगे बढ़ाने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हैं। उन्होंने भविष्य में सिफारिशों के कार्यान्वयन पर नियमित निगरानी का भी अनुरोध किया। सीतारमण ने बैठक के दौरान ब्रेटन वुड्स संस्थानों के 80 साल पूरा होने पर चर्चा के लिए विश्व बैंक तथा आईएमएफ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सलाहकार तंत्र पर व्यापक परामर्श प्रक्रिया की जरूरतों को रेखांकित किया।

ब्रेटन वुड्स संस्थान, आईएमएफ और विश्व बैंक का एक समूह है। इस संस्था की स्थापना 1944 में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर के ब्रेटन वुड्स में एक सम्मेलन में की गई थी। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बैठक के दौरान आईईजी सिफारिशों पर पर्याप्त प्रगति का उल्लेख किया, जिन्हें जी20 में प्रस्तुत किया जाना है। उन्होंने डब्ल्यूबीजी के रोजगार, ज्ञान ढांचे, बैंक योग्य परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने कौशल, जल और स्वच्छता तथा शहरी विकास सहित भारत की बजट प्राथमिकताओं के साथ सहयोग करने पर जोर दिया। भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान 2023 में गठित स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह (आईईजी) ने एमडीबी में सुधारों के 'ट्रिपल एजेंडे' की सिफारिश की थी। इस एजेंडे के तीन तत्व अत्यधिक गरीबी को खत्म करना, साझा समृद्धि को बढ़ावा देना और 2030 तक वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के लिए सतत ऋण स्तर को तीन गुना बढ़ाने में योगदान देना तथा तीसरा वित्तपोषण तंत्र बनाना शामिल है। इसके अलावा एमडीबी एजेंडे के तत्वों का समर्थन करने के इच्छुक निवेशकों के साथ उद्देश्यपूर्ण ढंग से जुड़ने के लिए लचीली और नवीन व्यवस्था बनाना है।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा बाजार में 80 हजारी हुआ सोना, चांदी में भी तेजी जारी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना एक और माइलस्टोन कर आज 80 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया। सोने की कीमत आज 420 रुपये से 450 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम उछल गई है। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80,230 रुपये से लेकर 80,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73,560 रुपये से लेकर 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बिजनेस रोड शो : बिहार में बिजनेस करने का दिया आमंत्रण

बिहार सरकार ने लुधियाना में इन्वेस्टर समिट का किया भव्य आयोजन

पटना, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने लुधियाना में एक विशेष बिजनेस रोड शो का आयोजन गुरुवार को किया, जो निवेश आकर्षित करने और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उसके महत्वाकांक्षी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। यह कार्यक्रम बहुप्रतीक्षित बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 – ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण और सामान्य निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बिहार की विशाल संभावनाओं को प्रदर्शित करना है।

यह समिट बिजनेस टू गवर्नमेंट (बी2जी) दृष्टिकोण के तहत आयोजित की गई, जिसमें उद्योग क्षेत्र के प्रमुख लीडर्स जैसे नाहर ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री कमल ओसवाल, कैंडेक्स फिलामेंट के प्रबंध निदेशक राकेश गोयल इत्यादि ने भाग लिया। बिहार सरकार के उद्योग विभाग ने लुधियाना में इस प्रभावशाली निवेशक समिट की मेजबानी की, जिसमें उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी और उद्योग निदेशक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति रही। यह रोड शो निवेश को बढ़ावा देने और बिहार की निवेशक-अनुकूल नीतियों को बताने के लिए आयोजित किया गया था।

निवेशक सम्मेलन' (बिहार की संभावनाओं को खोलना-nlocking Bihar's Potential: Investor Summit) शीर्षक से आयोजित इस रोड शो का उद्देश्य उभरते अवसरों, इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और आकर्षक नीतियों को प्रस्तुत करना था, जो बिहार को निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाते हैं। उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने निवेशकों के साथ बातचीत करके बिहार में निवेश के व्यापक लाभों पर चर्चा की। इसके साथ ही, उद्योग निदेशक और अन्य अधिकारियों ने मेगा फूड पार्क का दौरा भी किया।

इस दौरान उन्होंने देखा कि मेगा फूड पार्क किस प्रकार से स्थानीय किसानों, उद्यमियों और उद्योगों को एक साथ लाकर कृषि-आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहा है। साथ ही वहां की कार्य इकाइयों और पंजाब सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं का अवलोकन भी किया। पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन द्वारा विकसित यह पार्क खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों के लिए एक प्रमुख केंद्र है, जो प्लॉटेड एरिया, एमएसएमई शेड, और कोर प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी अनेक सुविधाएं प्रदान करता है।

इस मौके पर नाहर ग्रुप के प्रबंध निदेशक कमल ओसवाल ने कहा, नाहर ग्रुप, मुम्बई में 20 मिलियन वर्ग फीट से अधिक विकसित परियोजनाओं के साथ रियल एस्टेट में अग्रणी है, जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, एंटरटेनमेंट और बिजनेस सेंटर्स जैसे क्षेत्रों में सफलतापूर्वक विविधता लाई है। बिहार में दो कपड़ा इकाइयों का संचालन करते हुए, हमें राज्य सरकार से असाधारण समर्थन मिला है। उपलब्ध सुविधाएं और कुशल श्रम शक्ति बिहार को हमारे बहुमुखी संचालन के विस्तार के लिए आदर्श स्थान बनाती है।

कैंडेक्स फिलामेंट के प्रबंध निदेशक राकेश गोयल ने कहा, बिहार का कपड़ा उद्योगतेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य की सक्रिय नीतियों ने व्यापार विस्तार के लिए आदर्श वातावरण तैयार किया है। लुधियाना रोड शो इन आशाजनक अवसरों को बताने के लिए एक बेहतरीन मंच के रूप में काम आया। हम बिहार में सामान्य विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार में अपार संभावनाएं देखते हैं, जिससे राज्य के रणनीतिक लाभों और सहायक इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाया जा सके।

निवेशकों को निमंत्रण

इस समिट में बिहार सरकार ने लुधियाना और पूरे भारत से निवेशकों को बिहार की अपार संभावनाओं को जानने के लिए आमंत्रित किया। उपस्थित लोगों को बिहार के विभिन्न उभरते क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया गया।

मजबूत लिस्टिंग से फ्रेशर एग्रो के निवेशक हुए गदगद, 16 प्रतिशत प्रीमयम के साथ हुई शुरुआत

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में आज सिर्फ एक कंपनी ने ही लिस्टिंग के जरिये अपनी जगह बनाई। कृषि उत्पादों का निर्यात करने वाली कंपनी फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स ने आज घरेलू शेयर बाजार में एंट्री की। कंपनी के शेयर आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 16.38 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स के शेयरों में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस शेयर ने रिकवर भी कर लिया।

आईपीओ के तहत फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स के शेयर 116 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 135 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लुढ़क कर 128.25 रुपये के स्तर पर आ गया लेकिन इस गिरावट के बाद एक बार फिर निवेशकों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे इस शेयर की रफ्तार में तेजी आने लगी। दोपहर 12 बजे फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स का शेयर 18.95 रुपये यानी 16.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 134.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स का 75.39 करोड रुपये का आईपीओ 17 से 21 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। निवेशकों ने इस आईपीओ को हाथों-हाथ लिया, जिससे ये ओवरऑल 236.80 गुना सब्सक्राइब हो गया। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 129.22 गुना सब्सक्रिप्शन आया, जबकि नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर के लिए रिजर्व पोर्शन 510.61 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 180.80 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 64,99,200 नए शेयरों को जारी किया गया है। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, कंपनी के कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरतों में और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

करोड़ों की सम्पत्ति...

इसके अलावा 2016-17 के 4.12 करोड़, 2017-18 के 3.06 करोड़, 2018 के लिए 2.39 करोड़ और 2019-20 के इए 24.16 करोड़ भी बकाया हैं।

प्रियंका और रॉबर्ट की आय (रु.)

आय का वर्ष	प्रियंका गांधी वाड्रा	रॉबर्ट वाड्रा
1. आय साल 2023-24	69,31,660	55,58,000
2. आय साल 2022-23	19,89,420	11,38,710
3. आय साल 2021-22	45,56,940	9,03,810
4. आय साल 2020-21	47,21,820	9,35,530
5. आय साल 2019-20	46,39,100	15,09,220
6. बैंक सेविंग्स अकॉउंट	3,67,281	13,95,604
7. बैंक करंट अकॉउंट	जीरो	2,95,251
8. बैंक फिक्स्ड डिपोजिट	जीरो	35,60,245
9. शेयर	जीरो	65,72,012
10. म्यूचुअल फंड	2,24,93,988	32,79,998
11. पीपीएफ/एलआईसी	17,38,265	6,00,000
12. विभिन्न कंपनियों को दिया गया पैसा	जीरो	35,38,89,724
13. सोना-चांदी-जेवरात	2.509 किलो सोना (1,15,79,065) 59.830 किलो चांदी (29,55,581)	जीरो
14. कुल चल सम्पत्ति	4,24,78,689	37,91,47,432
15. दिल्ली में जमीन	3.78 एकड़ (2,10,13,598)	जीरो
16. व्यावसायिक भवन	जीरो	27,64,38,633
17. आवासीय भवन	7,74,12,598	जीरो

रॉबर्ट वाड्रा ने 2020-21 का 1 करोड़ का इनकम टैक्स भी नहीं जमा किया है।

इस हलफनामे में प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा की सम्पत्तियों की जानकारी भी सामने आई है। हलफनामे में प्रियंका गांधी वाड्रा ने बताया है कि उनके पास 60 किलो से अधिक सोना-चांदी है। इसके अलावा उनके पास करोड़ों की जमीन भी है। प्रियंका गांधी वाड्रा और रॉबर्ट वाड्रा के पास कोई नई गाड़ी नहीं है। हलफनामे में बताया गया है कि दोनों के पास तीन कारें और एक मोटरसाइकिल है। यह सभी गाड़ियां 15 वर्ष से अधिक पुरानी हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा वाड्रा और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा पर इनकम टैक्स का बकाया उनकी कुल सम्पत्ति से भी ज्यादा है। हलफनामे के अनुसार, दोनों की कुल सम्पत्ति लगभग 77.5 करोड़ है जबकि उनके ऊपर 78 करोड़ से ज्यादा का इनकम टैक्स बकाया है। प्रियंका गांधी वाड्रा और रॉबर्ट वाड्रा का कुल इनकम टैक्स बकाया लगभग 78.5 करोड़ है।

नामांकन दाखिले में दिए गए हलफनामे के मुताबिक साल 2023-24 में प्रियंका गांधी वाड्रा की आय 69,31,660 रुपए और रॉबर्ट वाड्रा की आय 55,58,000 रुपए थी। साल 2022-23 में प्रियंका गांधी वाड्रा की आय 19,89,420 और रॉबर्ट वाड्रा की आय 11,38,710 रुपए थी। साल 2021-22 में प्रियंका गांधी वाड्रा की आय 45,56,940 रुपए और रॉबर्ट वाड्रा की आय 9,03,810 रुपए थी। साल 2020-21 में प्रियंका गांधी वाड्रा की आय 47,21,820 रुपए और रॉबर्ट वाड्रा की आय 9,35,530 रुपए थी। साल 2019-20 में प्रियंका गांधी वाड्रा की आय 46,39,100 रुपए और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा की आय 15,09,220 रुपए थी। प्रियंका गांधी वाड्रा के बैंक सेविंग्स अकाउंट में 3,67,281 रुपए और रॉबर्ट वाड्रा के खाते में 13,95,604 रुपए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा के करंट बैंक अकाउंट में पैसा नहीं है, जबकि रॉबर्ट वाड्रा के करंट बैंक अकाउंट में 2,95,251 रुपए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा का बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट शून्य है, जबकि उनके पति रॉबर्ट वाड्रा का बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट 35,60,245 रुपए का है। शेयर में प्रियंका गांधी वाड्रा का पैसा नहीं लगा है, लेकिन उनके पति रॉबर्ट वाड्रा के 65,72,012 रुपए शेयर में निवेशित हैं। म्यूचुअल फंड में प्रियंका गांधी वाड्रा के 2,24,93,988 रुपए लगे हैं, जबकि रॉबर्ट वाड्रा के 32,79,998 रुपए म्यूचुअल फंड में निवेशित हैं। पीपीएफ/एलआईसी में प्रियंका गांधी वाड्रा के 17,38,265 रुपए और रॉबर्ट वाड्रा के 6,00,000 रुपए लगे हैं। प्रियंका के पति ने विभिन्न कंपनियों को भी 35,38,89,724 रुपए दे रखे हैं। जबकि प्रियंका ने ऐसा नहीं किया है। प्रियंका गांधी वाड्रा के पास 2.509 किलो सोना और 59.830 किलो चांदी है। सोने की कीमत 1,15,79,065 रुपए और चांदी की कीमत 29,55,581 रुपए है। प्रियंका गांधी वाड्रा के पास कुल चल सम्पत्ति 4,24,78,689 रुपए है। उनके पति रॉबर्ट वाड्रा की कुल चल सम्पत्ति 37,91,47,432 रुपए है। दिल्ली में प्रियंका गांधी वाड्रा के पास 3.78 एकड़ जमीन है, जिसकी कीमत 2,10,13,598 रुपए बताई गई है। रॉबर्ट वाड्रा के पास उनके नाम से कोई जमीन दिल्ली में नहीं है। प्रियंका गांधी वाड्रा के पास व्यावसायिक भवन नहीं है, जबकि उनके पति रॉबर्ट के पास व्यावसायिक भवन है, जिसकी कीमत 27,64,38,633 बताई गई है। प्रियंका गांधी वाड्रा के पास आवासीय भवन है, जिसकी कीमत 7,74,12,598 रुपए है। रॉबर्ट वाड्रा के पास उनके नाम से कोई आवासीय भवन नहीं है।

तो इस सुख-समृद्धि से लैस लोग लोकतंत्र में चुनाव लड़ने के लिए उतरते हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा चुनावी राजनीति में उतरने वाली गांधी परिवार की सबसे नई सदस्य हैं। यदि वह चुनाव जीतती हैं तो गांधी परिवार के सभी सदस्य सांसद होंगे। उनके भाई राहुल गांधी वर्तमान में रायबरेली के सांसद हैं जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सांसद हैं।

आतंकी हमले में ...

सेना प्रवक्ता के अनुसार, कश्मीर के गुलमर्ग के बोटा पत्थर इलाके नगीन क्षेत्र में आतंकियों द्वारा सेना के एक वाहन पर हमला किया गया जिसमें सेना के साथ काम करने वाले दो एक सिविलियन पोर्टर मारे गए जबकि दो जवानों ने बाद में दम तोड़ दिया। अतिरिक्त सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया है। घायलों की दशा नाजुक बताई जा रही है। आतंकियों और सेना के बीच अंतिम समाचार मिलने तक मुठभेड़ जारी थी।आज के दिन यह दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले पुलवामा जिले के त्राल इलाके में सुबह आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के एक मजदूर को गोली मारकर घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बिजनौर निवासी प्रीतम सिंह को बटागुंड गांव में आतंकवादियों ने गोली मार दी, मजदूर के हाथ में गोली लगी है। प्रीतम सिंह को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती है। पिछले एक सप्ताह में कश्मीर में गैर-स्थानीय मजदूरों पर लगातार हमले हो रहे है।गुलमर्ग में हुए आतंकी हमले पर दुख प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बूटा पथरी इलाके में सेना के वाहनों पर हुए हमले की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसमें कुछ लोग हताहत और घायल हुए हैं। कश्मीर में हाल ही में हुए हमलों की यह श्रृंखला गंभीर चिंता का विषय है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैं इस हमले की कड़ी निंदा करती हूं और मारे गए लोगों के प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना करती हूं। बारामुला में सेना के काफिले पर हुए आतंकवादी हमले से स्तब्ध और बहुत दुखी हूं, जिसमें एक नागरिक कुली मारा गया है। मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं और घायल सैनिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

छठ और...

इस बार चलाई जा रहीं ट्रेनें पिछले साल के मुकाबले 172 फीसदी ज्यादा हैं। उत्तर रेलवे ने पिछले साल 1082 विशेष ट्रेनें चलाई थीं।

अंतरिक्ष से...

इसके अलावा एक और परियोजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी देते हुए अयोध्या से मां सीता के जन्म स्थान सीतामढ़ी तक करीब 257 किलोमीटर की रेल लाइन बिछाने का फैसला किया है। यह रेल लाइन नेपाल सीमा के आसपास होगी। इससे उत्तर बिहार, मिथिलांचल, पूर्वी चंपारण-पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर जैसे शहर जुड़ेंगे। ये प्रोजेक्ट पूरा करने में 4553 करोड़ का खर्च आएगा।इससे पहले, 9 अक्टूबर 2024 को हुई पिछली कैबिनेट बैठक में दिसंबर 2028 तक गरीबों को मुफ्त अनाज देने पर मुहर लगाई गई थी। इसके अलावा राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में 4406 करोड़ रुपए के निवेश से 2280 घच् सड़क निर्माण को मंजूरी दी गई थी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को भी मंजूरी दी गई थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि इसमें 17,082 करोड़ रुपए खर्च होंगे, जिसे पूरी तरह से केंद्र सरकार उठाएगी। उससे पहले 3 अक्टूबर 2024 को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मोदी सरकार ने रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन के बोनस का ऐलान किया था। इसके लिए सरकार ने रेलवे कर्मचारियों के लिए 2029 करोड़ रुपए के प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस को मंजूरी दी थी। इससे रेलवे के 11,72,240 कर्मचारियों का फायदा मिलेगा।

संयुक्त राष्ट्र ...

औपनिवेशिक युग से विरासत में मिली वैश्विक अवसंरचना में विकृतियों को ठीक करके। दुनिया को तत्काल अधिक कनेक्टिविटी विकल्पों की आवश्यकता है जो रसद को बढ़ाते हैं और जोखिमों को कम करते हैं। यह आम अच्छे के लिए एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जिसमें क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का अत्यधिक सम्मान हो। और पांचवां, अनुभवों और नई पहलों को साझा करके।विदेश मंत्री ने कहा, संघर्षों और तनावों को प्रभावी ढंग से सुलझाना आज की विशेष आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि यह युद्ध का युग नहीं है। विवादों और मतभेदों को बातचीत और कूटनीति से सुलझाया जाना चाहिए। एक बार समझौता हो जाने के बाद, उनका ईमानदारी से सम्मान किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून का बिना किसी अपवाद के पालन किया जाना चाहिए और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए। हमारे लिए मध्य पूर्व-पश्चिम एशिया की स्थिति एक समझ योग्य चिंता है। इस बात को लेकर व्यापक चिंता है कि संघर्ष इस क्षेत्र में और फैल जाएगा।

केरल के त्रिशूर ...

यह कार्रवाई राज्य में जीएसटी विभाग द्वारा की गई अब तक की गई सबसे बड़ी छापेमारियों में से एक है। इसमें करीब 700 अधिकारी शामिल हैं। छापेमारी गुरुवार की दोपहर खबर लिखे जाने तक जारी थी। छापेमारी में आभूषण कारखानों की तलाशी ली गई, जहां सोना पिघलाया और तैयार किया जाता है। इसके साथ ही कारोबारी मालिकों के घरों की भी तलाशी ली गई।जीएसटी के विशेष आयुक्त रेन अब्राहम इस रेड की निगरानी कर रहे हैं, जो शहर भर में चल रहा है। गोपनीयता को बनाए रखने के लिए अधिकारियों को घूमने, जीएसटी प्रशिक्षण या स्थानीय मंदिरों के दर्शन के बहाने बसों और कारों सहित विभिन्न साधनों से त्रिशूर लाया गया। छापे का नाम टोरे डेल ओरो रखा गया है, जो स्पेन के एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक द गोल्डन टावर के नाम से जाना जाता है।अब्राहम रेन ने कहा, इसका मुख्य उद्देश्य पांच वर्षों की अवधि में आभूषण निर्माताओं और आभूषण मालिकों के बीच हुए बेहिसाब लेन-देन का पता लगाना था। अधिकारियों के अनुसार, जांच से पता चला है कि कई निर्माता बिना कर चुकाए सोने के लेन-देन में लगे हुए हैं। कुछ मालिकों ने कर चोरी की है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी में कर चोरी के सबूत मिले हैं। त्रिशूर में लगभग 3,000 स्वर्ण आभूषण बनाने वाली इकाइयां हैं। त्रिशूर का सोने से जुड़ाव तब शुरू हुआ जब रोमन और अरब व्यापारी कोडुंगल्लूर के अब लुप्त हो चुके बंदरगाह शहर मुजिरिस में अक्सर आते थे। हालांकि, आर्थिक उदारीकरण, स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम को निरस्त करने और अनिवासी भारतीयों को 5 किलोग्राम तक सोना लाने की अनुमति देने से स्वर्णकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

यूनुस सरकार ने...

दुनियाभर के लोग बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस को हिंदुओं का हत्यारा करार दे रहे हैं। रघुनंदन दा नाम के व्यक्ति ने इस घटना को लेकर कहा कि 1.7 करोड़ अल्पसंख्यकों के साथ मोहम्मद यूनुस क्या कर रहे हैं? क्यों नहीं हिंदू संगठित होकर बांग्लादेश में नए देश के निर्माण की मांग कर रहे हैं? गौरतलब है कि बांग्लादेश इस्लामिक कट्टरपंथ का नजारा उस वक्त देखने को मिला था जब नवरात्र के दौरान ढाका, चिटगांव समेत बांग्लादेश के कई स्थानों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने दुर्गा पूजा पंडालों पर हमला किया था। हिंदुओं को इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया था।

कश्मीरी पत्रकार ने...

मुजम्मिल के बारे में पता हो कि खुद को कार्यकर्ता कहने वाले मुजम्मिल के आईएसआई से संबंध है और वो टेरर फंडिंग भी कराता है। उसके खिलाफ जम्मू-कश्मीर में 2022 में यूएपीए के तहत मुकदमा हुआ था।मालूम हो कि ऑक्सफोर्ड की डिबेट में आदित्य राज से पहले प्रसिद्ध फिल्म निदेशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी न्यौता ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें यह कार्यक्रम भारत और कश्मीर विरोधी लगा, इसलिए उन्होंने यह निमंत्रण ठुकराया।

85 विमानों को...

जिसे लेकर पुलिस ने कई लोगों को भी गिरफ्तार किया है। यही नहीं डीजीसीए की ओर से भी लगातार सामने आ रही इस तरह की घटनाओं को लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए है।अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा कि आज उनकी कुछ उड़ानों को सुरक्षा अलर्ट मिला है। प्रवक्ता ने कहा, अकासा एयर की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमें स्थिति की निगरानी कर रही हैं और सुरक्षा व नियामक अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में सुरक्षा और सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं। वहीं, एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, एयर इंडिया की कुछ उड़ानों को आज सोशल मीडिया पर सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ा। तय प्रोटोकॉल के अनुसार संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया गया। सुरक्षा और हमारे यात्रियों, चालक दल और विमानों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।इसके अलावा गोवा के दोनों एयरपोर्ट को विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

बम की आशंका के चलते दोनों हवाई अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खतरों का आकलन करने के लिए दोनों हवाई अड्डों के लिए बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) का गठन किया गया है। गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को हाई अलर्ट पर रखा गया था, क्योंकि हवाई अड्डों के लिए जाने वाले चार विमानों को बम की धमकी मिली थी। खतरों का आकलन करने के लिए दोनों हवाई अड्डों के लिए एक समिति का गठन किया गया है।इस हफ्ते विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा था कि सरकार उड़ानों को बम की धमकियों के मामलों से निपटने के लिए कानूनी कार्रवाई की योजना बना रही है, जिसमें ऐसे धमकी देने वालों को नो-फ्लाई लिस्ट में डालना भी शामिल है। इस बीच, केंद्र सरकार ने मेटा और एक्स से जांच में सहयोग करने के लिए कहा है। उनसे बम धमकी के ट्वीट करने वालों का डाटा साझा करने के लिए कहा गया है।

सौभाग्य और समृद्धि के वास्तु उपाय

वास्तु दोषों को दूर करने अथवा कम करने में आपके घर की आंतरिक साज-सज्जा मददगार साबित हो सकती है। घर में सुख-शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए कुछ वास्तु नियमों को अपनाया जा सकता है। वास्तु सिद्धांत के अनुसार घर का प्रत्येक सामान किसी न किसी तत्व और भावना का प्रतीक होता है और हमारे जीवन के किसी न किसी कार्य को पूरा करता है, इसलिए वास्तु में हर चीज को रखने के लिए जगह निर्धारित की गई है। वास्तु दोषों को दूर करने अथवा कम करने में आपके घर की आंतरिक साज-सज्जा मददगार साबित हो सकती है। घर में सुख-शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए कुछ वास्तु नियमों को अपनाया जा सकता है। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि रिश्तों में मधुर संबंधों के लिए अतिथियों का स्थान या कक्ष उत्तर या पश्चिम की ओर बनाना चाहिए। आरोग्य के दिशा क्षेत्र उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा में दवाइयां रखने से ये जल्दी सकारात्मक असर दिखाती हैं। सब कुछ ठीक होने के बाद भी आपको लगता है की हमारे हाथ में धन नहीं रुकता तो आपको अपने घर के दक्षिण-पूर्व दिशा क्षेत्र से नीला रंग हटाने की जरूरत है। इस दिशा में हल्का नारंगी,गुलाबी रंगों का प्रयोग करें। घर के अंदर लगे हुए मकड़ी के जाले, धूल-गंदगी को समय-समय पर हटाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती। पार्किंग हेतु उत्तर-पश्चिन स्थान प्रयोग में लाना शुभ माना गया है।

वास्तु विशेषज्ञ ने बताया कि घर में बनी हुई क्यारियों या गमलों में लगे हुए पौधों को नियमित रूप से पानी देना चाहिए। यदि कोई पौधा सूख जाए तो उसे तुरंत वहां से हटा दें। दक्षिण-पश्चिम दिशा में ओवरहैड वाटर टैंक की व्यवस्था करना लाभप्रद रहता है। दरवाज़े को खोलते तथा बंद करते समय सावधानी से बंद करें,ताकि कर्कश ध्वनि न निकले। यदि आपने घर में पूजा घर बना रखा है तो शुभ फलों की प्राप्ति के लिए उसमें नियमित रूप से पूजा होनी चाहिए एवं दक्षिण-पश्चिम की दिशा में निर्मित कमरे का प्रयोगपूजा-अर्चना के लिए नहीं किया जाना चाहिए। गैस का चूल्हा किचन प्लेटफार्म के आग्नेय कोण में दोनों तरफ से कुछ इंच जगह छोड़कर रखना वास्तु सम्मत माना गया है। शयन कक्ष में ड्रेसिंग टेबल हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में रखनी चाहिए,सोते समय शीशे को ढक दें।

किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में दक्षिण दिशा की तरफ पैर करके नहीं सोना चाहिए,ऐसा करने से बेचैनी,घबराहट और नींद में कमी हो सकती है। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर करके नहीं सोएं।पूर्व दिशा में सिर एवं पश्चिम दिशा में पैर करके सोने से आध्यात्मिक भावनाओं में वृद्धि होती है। घर या कमरों में कैक्टस के पौधे या कंटीली झाड़ियाँ या काँटों के गुलदस्ते जो की गमलों में साज-सज्जा के लिए सजाते हैं उनसे पूरी तरह बचना चाहिए। भवन में उत्तर दिशा,ईशान दिशा,पूर्व दिशा,वायव्य दिशा में हल्का सामान रखना शुभ फलदाई होता है। घर में अग्नि से सम्बंधित उपकरण जहाँ तक संभव हो दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने चाहिए।

सूर्य सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। सूर्य मजबूत हो तो जातक को करियर में सफलता मिलती है और उसकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। वास्तु नियमों के अनुसार घर की पूर्व दिशा में सूर्य यंत्र की स्थापना करनी चाहिए।घर का मुख पूर्व की ओर हो तो घर के मुख्य द्वार के बाहर या ऊपर भगवान सूर्य की कोई प्रतिमा जरूर लगाएं। इससे आपके करियर में चल रही दिक्कतें खत्म होती हैं। जिन लोगों के जीवन में शनि की साढ़े साती या फिर शनि की ढैया चल रही हो उन लोगों को घर की पश्चिम दिशा में शनि यंत्र की स्थापना करनी चाहिए। इसके अलावा अपने घर के मुख्य द्वार पर हर रोज एक लोटा पानी जरूर डालें। इससे शनि देवता की कृपा बनी रहती है और आर्थिक स्थिति में भी सुधार आता है।

वास्तु के अनुसार घर में एक मुख्य कांच जरूर होना चाहिए। घर में कभी भी दो कांच आमने-सामने नहीं होने चाहिए। घर के मुख्य दरवाजे पर कांच नहीं लगा होना चाहिए। घर का मुख्य कांच हमेशा पूर्व या फिर उत्तर के दीवार पर लगा होना चाहिए। इस दिशा में कांच लगे रहने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। घर का किचन ईशान कोण में हो तो खाना पकाने वाले चूल्हे को हमेशा आग्नेय कोण में रखें। साथ ही साफ बर्तनों को रसोई के ईशान कोण में रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करने से रुका हुआ धन मिलने लगता है। वास्तु में घर के मुख्य दरवाजे पर घोड़े की नाल टांगना बहुत शुभ माना गया है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है और घर के सदस्य बुरी नजर से भी बचे रहते हैं। घोड़े की नाल टांगने घर के सदस्यों का समाज में मान-सम्मान भी बढ़ता है।

वास्तु शास्त्र

क्या आप जानते हैं कि जिस तरह से आपका घर स्थापित किया गया है, वह बहुत प्रभावित कर सकता है कि आप कैसा महसूस करते हैं और आप जीवन में कितना अच्छा कर सकते हैं? वास्तु सिद्धांतों का पालन करके और लेआउट की सावधानीपूर्वक योजना बनाकर, आप अपने रहने की जगह में सकारात्मकता और खुशी ला सकते हैं। सही वास्तु टिप्स के साथ, आप एक ऐसा घर बना सकते हैं जो सद्भाव, सफलता और समृद्धि को बढ़ावा देता है। इस प्रकार वास्तु को अपने घर की डिजाइन में शामिल करके आप अपने घर को आजीवन संतोष पाने का स्थान बना सकते हैं।

वास्तु शास्त्र एक पुराना भारतीय विज्ञान है जो भवन और डिजाइन के बुनियादी नियमों पर केंद्रित है। यह हिंदू और बौद्ध मान्यताओं पर आधारित होता है जो तय करता है कि इमारतों को कैसे बनाया जाना चाहिए। इसका लक्ष्य इमारत में प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक सकारात्मक और अच्छा वातावरण बनाना है।

भारतीय वास्तु शास्त्र, मंदिरों, घरों और कार्यालयों जैसी इमारतों को कैसे रखा जाना चाहिए, यह योजना बनाने में मदद करने के लिए विशेष आकृतियों और डिजाइनों का उपयोग करता है। इसे एक पवित्र विज्ञान माना जाता है, जिसका दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा पालन किया जाता। इमारत का निर्माण करने से पहले, लोग यह सुनिश्चित करने के लिए वास्तु शास्त्र का उपयोग करते हैं कि ब्लूप्रिंट सही है या नहीं। इन सिद्धांतों का उपयोग करके, हम ऐसे स्थान बना सकते हैं जो शांतिपूर्ण हैं, अच्छी तरह से संतुलित हैं, और उनमें रहने या काम करने वाले लोगों के लिए अनुकूल है।

वास्तु शास्त्र क्या है?

वास्तु शास्त्र क्या है? इसका उत्तर बहुत सरल है! वास्तु शास्त्र, जिसे वास्तु विद्या भी कहा जाता है, उन इमारतों और घरों को बनाने से संबंधित है जो खुशी, धन और सकारात्मक वाइब्स लाते हैं। यह प्राचीन ज्ञान पर आधारित वास्तुशिल्प सिद्धांतों का पालन करता है। एक इमारत का डिज़ाइन, उसके कमरे, दिशा, फर्नीचर और सजावट सभी स्थान के भीतर सकारात्मक ऊर्जा प्रवाह बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब कोई इमारत वास्तु दिशानिर्देशों का पालन करने के बाद बनाई जाती है, तो वहां रहने वाले या काम करने वाले लोगों को अच्छा और शांत महसूस होने में मदद मिलती है ।

बहुत से लोग अक्सर उन जगहों पर असहज या चिंतित महसूस करते हैं जो वास्तु सिद्धांतों का पालन किए बिना बनाई गई हैं। इमारतों के डिजाइन और सजावट में वास्तु शास्त्र टिप्स का उपयोग करके, हम ऐसे स्थान बना सकते हैं जो सकारात्मक और सुखद वाइब्स महसूस करवाते हैं। यह हमें अपने शरीर, मन और आत्मा में एक अच्छा संतुलन खोजने में मदद करता है।

हम अपने घर और ऑफिस के अंदर सबसे अधिक समय बिताते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि हमारे रहने और कार्य करने का स्थान आरामदायक हो। ऐसे में एक शांतिपूर्ण और आरामदायक माहौल बनाने के लिए वास्तु शास्त्र ही सबसे उपयोगी तरीका प्रदान करता है।

वास्तु शास्त्र कैसे काम करता है?

हमारे परिवेश में मौजूद ऊर्जा हमारे जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वास्तु शास्त्र हमारी भलाई और समृद्धि पर ऊर्जा के प्रभाव में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह प्राचीन वास्तुशिल्प विज्ञान किसी स्थान को डिजाइन करने और व्यवस्थित करने के लिए सुझाव और दिशानिर्देश प्रदान करता है जो सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ावा देता है और नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है।

वास्तु शास्त्र टिप्स हमें अपने घरों,ऑफिस या व्यावसायिक स्थानों को अधिक संतुलित और सकारात्मक बनाने के व्यावहारिक तरीके देती हैं। हम चीजों को सही स्थानों पर रख कर और सही रंगों व सामग्रियों का उपयोग करके ऐसा कर सकते हैं। जब हम वास्तु सिद्धांतों का पालन करते हैं, तो हम एक अच्छा वातावरण बना सकते हैं जो हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में सकारात्मकता और समृद्धि लाता है।

वास्तु शास्त्र क्यों महत्वपूर्ण है?

यह बहुत से लोग नहीं जानते कि वास्तु शास्त्र कितना महत्वपूर्ण और मूल्यवान है। यह हमें प्रकृति के सिद्धांतों के अनुरूप अपने रहने और काम करने के स्थान को बनाने में मदद करता है। यदि हम वास्तु दिशानिर्देशों की अनदेखी करते हैं, तो हम नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकते हैं जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, वित्तीय कठिनाइयों और अन्य बुरे परिणामों का कारण बन सकते हैं।

वास्तु शास्त्र इस विचार पर आधारित है कि प्रत्येक दिशा, एक विशेष भगवान से जुड़ी होती है जो इसके प्रभारी होते हैं, और प्रत्येक भगवान की एक अलग भूमिका होती है। उदाहरण के लिए, उत्तर-पूर्व दिशा को मंदिर बनाने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि यह कई देवताओं द्वारा शासित है। इसी तरह, दक्षिण-पूर्व रसोईघर रखने के लिए एकदम सही है क्योंकि यह अग्नि देव द्वारा शासित है। जब हम अपने घरों और ऑफिस में वास्तु टिप्स का पालन करते हैं, तो हम सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करते हैं जो हमें अच्छा महसूस करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद करता है।

क्या वास्तु एक विज्ञान है?

वास्तु एक पुराना भारतीय विज्ञान है जो प्रकृति की शक्तियों और मानव जीवन पर उनके प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमता है। वास्तु शास्त्र हमें इमारतों को स्मार्ट तरीके से डिजाइन करने में मदद करता है, यह देखते हुए कि प्राकृतिक ऊर्जा कैसे काम करती है। यह रहने के लिए एक संतुलित और शांतिपूर्ण जगह बनाने के लिए प्राकृतिक ऊर्जा और ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं को एक साथ लाता है।

वास्तु हमें सिखाता है कि सूर्य, जो हमें ऊर्जा देते हैं, एक अच्छी रहने की जगह और सकारात्मक ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है। इसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए, वास्तु टिप्स हमें अच्छे वेंटिलेशन और सूरज की रोशनी के संपर्क के साथ इमारतों को डिजाइन करने की सलाह देते हैं।

यह विज्ञान कला, विज्ञान, खगोल विज्ञान और ज्योतिष जैसे कई क्षेत्रों को जोड़ता है, ताकि लोगों के शरीर, मन और आत्मा को अच्छा महसूस करवाने के लिए एक पूरी प्रणाली प्रदान की जा सके।

वास्तु दिशाएं और तत्व

वास्तु शास्त्र प्रकृति के आठ दिशाओं और पांच तत्वों के बीच संबंध पर आधारित है। दिशाओं में उत्तर, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व, दक्षिण,दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, पश्चिम और पूर्व दिशा शामिल हैं, और वह किसी एक तत्व जैसे पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष, अग्नि और वायु से जुड़ी हुई है।

वास्तु शास्त्र का मुख्य विचार प्रकृति के तत्वों और एक इमारत की स्थिति के बीच संतुलन बनाना है। गुरुत्वाकर्षण, चुंबकीय क्षेत्र और इमारत के डिजाइन जैसी चीजों पर विचार करके, इस प्राचीन भारतीय वास्तुशिल्प विज्ञान का उद्देश्य रहने, काम करने और व्यवसाय करने के लिए ऐसा स्थान बनाना है जो कल्याण, शांति और सफलता को बढ़ावा देता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

वास्तु के अनुसार घर में होनी चाहिए सीढ़ियां

सीढ़ियां बनाते समय किसी भी इमारत या भवन में यदि वास्तुशास्त्र के नियमों का पालन किया जाए तो उस स्थान पर रहने वाले सदस्यों के लिए यह कामयाबी और सफलता की सीढ़ियां बन सकती हैं। बस इतना सा आप समझ लें कि सीढ़ियों से ही प्राणिक ऊर्जा ऊपरी मंजिल तक पहुंचती है। वास्तु में सीढ़ियों का विशेष महत्व होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु शास्त्र में घर के हर हिस्से के लिए नियम बनाए हैं, जिनसे परिवार में प्रेम भाव बना रहता है और समृद्धि भी घर आती है। वहीं अगर वास्तु दोष होता है तो कितनी भी मेहनत कर लें उसका फल पूरा नहीं मिलता है। इससे अवसाद और मानसिक तनाव बढ़ जाता है। इसलिए हर इंसान चाहता है कि उसके घर में किसी भी तरह का कोई वास्तु दोष ना हो। घर के वास्तु में सीढ़ियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सीढ़ियां घर में नकारात्मक और सकारात्मक ऊर्जा भी लाती हैं और इसका सीधा असर घर में रहने वाले लोगों पर पड़ता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि भवन के दक्षिण-पश्चिम यानि कि नैऋत्य कोण में सीढ़ियां बनाने से इस दिशा का भार बढ़ जाता है जो वास्तु की दृष्टि में बहुत शुभ माना जाता है। इसलिए इस दिशा में सीढ़ियों का निर्माण सर्वश्रेष्ठ माना गया है इससे धन-संपत्ति में वृद्धि होती है एवं स्वास्थ्य अच्छा रहता है। दक्षिण या पश्चिम दिशा में इनका निर्माण करवाने से भी कोई हानि नहीं है। अगर जगह का अभाव है तो वायव्य या आग्नेय कोण में भी निर्माण करवाया जा सकता है , परन्तु इससे बच्चों को परेशानी होने की सम्भावना होती है। घर का मध्य भाग यानि कि ब्रह्म स्थान अति संवेदनशील क्षेत्र माना गया है अतः भूलकर भी यहां सीढ़ियों का निर्माण नहीं कराएं अन्यथा वहां रहने वालों को विभिन्न प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

ईशान कोण की बात करें तो इस दिशा को तो वास्तु में हल्का और खुला रखने की बात कही गई है अतः यहां सीढ़ियां बनवाना अत्यंत हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ऐसा करने से पेशेगत दिक्कतें, धनहानि या कर्ज में डूबने जैसी समस्याएं सामने आती हैं। बच्चों का करिअर बाधित होता है। शुभ फल की प्राप्ति के लिए ध्यान रहे कि सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए जैसे -5 ,7 ,9 ,11 ,15 , 17 आदि।

सीढ़ियों के शुरू और अंत में दरवाजा होना वास्तु नियमों के अनुसार होता है लेकिन नीचे का दरवाज़ा ऊपर के दरवाज़े के बराबर या थोड़ा बड़ा हो। इसके अलावा एक सीढ़ी से दूसरी सीढ़ी का अंतर 9 इंच सबसे उपयुक्त माना गया है । सीढ़ियां इस प्रकार हों कि चढ़ते समय मुख पश्चिम अथवा दक्षिण दिशा की ओर हो और उतरते वक्त चेहरा उत्तर या पूर्व की ओर हो।

ऐसा कभी न करें

सीढ़ियों के नीचे किचन, पूजाघर, शौचालय, स्टोररूम नहीं होना चाहिए अन्यथा ऐसा करने से वहां निवास करने वालों को तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जहां तक हो सके गोलाकार सीढ़ियां नहीं बनवानी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो, निर्माण इस प्रकार हो कि चढ़ते समय व्यक्ति दाहिनी तरफ मुड़ता हुआ जाए अर्थात क्लॉकवाइज़। खुली सीढ़ियां वास्तुसम्मत नहीं होतीं अतः इनके ऊपर शेड अवश्य होना चाहिए। टूटी-फूटी,असुविधाजनक सीढ़ी अशांति और गृह क्लेश उत्पन्न करती हैं। सीढ़ियों के नीचे का स्थान खुला ही रहना चाहिए ऐसा करने से घर के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

सीढ़ी की सही दिशा

घर में सीढ़ी बनाते समय सबसे जरूरी है। उसकी सही दिशा वास्तु अनुसार घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में सीढ़ी बनवाना अत्यंत शुभ माना जाता हैं। यदि किसी कारणवश यह संभव नहीं हो पाए तो आप पश्चिम, नैर्ऋत्य, मध्य दक्षिण, वायव्य में भी सीढ़ी बनवा सकते हैं। कोशिश करें कि सीढ़ी की शुरुआत उत्तर दिशा से होकर दक्षिण दिशा में खत्म हो।

यहां बिल्कुल न बनवाएं सीढ़ी

अक्सर लोग घर बनवाते समय अपने अनुसार तमाम चीजों का डिजाइन बनवाते हैं। ऐसे में अक्सर वास्तु ज्ञान के बगैर ही वे अपने सीढ़ी आदि का निर्माण करवा लेते हैं, जिससे उत्पन्न दोष का नकारात्मक उन पर पड़ने लगता है।. वास्तु के अनुसार घर के ईशान कोण या ब्रह्म स्थान पर कभी भी सीढ़ी नहीं बनवानी चाहिए। माना जाता है कि इस स्थान पर सीढ़ी बनवाने से घर मे दरिद्रता आती है।

सीढ़ी की संख्या

अक्सर लोग अपने घर में अच्छी डिजाइन और बेहतर लुक को पाने के लिए अक्सर घुमावदार सीढ़ी बनवाते हैं, जो वास्तु अनुसार अशुभ मानी जाती है। कोशिश करें कि सीढ़ी जहां से शुरू हो रही है जहां खत्म हो रही है, दोनों ओर दरवाजा बना हो। वास्तु के अनुसार डिजाइन एवं दिशा के अलावा सीढ़ी की संख्या भी मायने रखती है। कोशिश करें कि सीढ़ी विषम संख्या में ही हो जैसे - 5,7,9,11,15,17 आदि।

सीढ़ी के नीचे इन बातों का रखें ध्यान

ज्यादातर लोग घर में बनी सीढ़ी के नीचे के खाली स्थान को सामान से भर देते हैं। वास्तु अनुसार इस स्थान को हमेशा खाली रखना चाहिए। सीढ़ी के नीचे किचन, बाथरूम या पूजाघर कभी भूलकर भी न बनाएं। वास्तु अनुसार ऐसा करने से घर में तमाम तरह की परेशानियां आने लगती हैं।

सीढ़ी से जुड़े वास्तु दोष का उपाय

यदि वास्तु के अनुरूप आप के घर में सीढ़ी नहीं बनी है तो उसे दूर करने के लिए आप स्वास्तिक से जुड़ा अचूक उपाय कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार सीढ़ियों के साथ वाली दीवार पर रोली से स्वस्तिक बनाने से वहां पर स्थित वास्तु दोष दूर हो जाता है। यदि आप ने सीढ़ी के नीचे कुछ गलत चीज का निर्माण करवा दिया है तो इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए वहां तुलसी का पौधा रखें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अमरन का ट्रेलर आउट

देशभक्ति और प्यार के बीच रोलर कोस्टर राइड है साईं पल्लवी–शिवकार्तिकेयन की फिल्म

राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म अमरन का मोस्ट अवेटेड रिलीज किया गया था जो दर्शकों को एक इमोशनल और देशभक्ति से भरपूर कहानी पेश करता है। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा निर्मित, फिल्म में मेजर मुकुंद वरदराजन का रोल शिवकार्तिकेयन प्ले कर रहे हैं साथ ही साईं पल्लवी, भुवन अरोड़ा, राहुल बोस जैसे शानदार कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं।अमरन शिव अरूर और राहुल सिंह की बुक सीरीज इंडियाज मोस्ट फियरलेस: ट्रू स्टोरीज ऑफ मॉडर्न मिलिट्री का रूपांतरण है, जो मेजर वरदराजन की बहादुरी पर केंद्रित है। ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन सीन और इमोशनल पल है जो देशभक्ति और प्यार के बीच चलने वाले उतार चढ़ावों को दिखाता है। अमरन की स्टोरी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है इसीलिए फिल्म को लेकर काफी एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म में साईं पल्लवी मेजर मुकुंद वरदराजन की पत्नी की भूमिका में है जिनका नाम इंदु रेबेका वर्गीज है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक आर्मी ऑफिस की जिंदगी कैसी होती है। किस तरह उनका परिवार उनके साथ रहना चाहता है और उनके बच्चे हमेशा उन्हें मिस करते हैं। देशभक्ति के साथ ही कैसे एक सोल्जर अपने परिवार का ध्यान रखता है इन सब इमोशन के ताने बाने से बुनी गई है अमरन।साईं पल्लवी और शिवकार्तियन की अमरन दिवाली के मौके पर 31 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में जीवी प्रकाश कुमार ने संगीत दिया है। और इसे राजकुमार पेरियासामी ने निर्देशित किया है। फिल्म में साईं पल्लवी और शिवकार्तिकेयन के अलावा भुवन अरोड़ा, राहुल बोस जैसे शानदार कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं।

नायरा बनर्जी ने शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में की खुलकर बात

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नायरा बनर्जी तेलुगू, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में कई सफल शो देने के बाद अब अपने आगामी शो चेकमेटळ के लिए तैयार हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने शो में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की और कई खुलासे किए।दिव्य दृष्टिळ और जुबान संभालकरळ जैसे टेलीविजन शो में काम कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री ने साझा किया कि उनके शो में उनका किरदार उनसे काफी मिलता-जुलता है। शो रहस्यमय हत्याओं, रोंगटे खड़े कर देने वाले अपराधों और सस्पेंस से भरा है। शो में वह मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम नीलम है।उनका किरदार शो में पति शेखर के साथ घुटन भरे विवाह के बंधन में फंस जाता है।

अभिनेत्री ने बताया कि शेखर काफी रहस्यमयी व्यक्ति हैं। नाखुश शादी के इस जाल से बाहर आने का संघर्ष, उनका लचीलापन, ताकत और शक्ति ही शो का सार है।शो के बारे में बात करते हुए नायरा ने कहा मेरा मानना है कि यह शो अपने आप में बहुत अच्छी तरह से शूट किया गया है। आज की दुनिया में इस तरह की धोखाधड़ी हमारे समाज में बहुत आम है, लेकिन हम कभी-कभी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं या बात नहीं कर पाते हैं।अभिनेत्री ने आगे कहा कि वास्तव में इस शो के किरदार ने मुझे इस भूमिका को जीवंत बनाने का मौका दिया। दर्शक देख सकते हैं कि शो हर एपिसोड के साथ अपने रहस्य को कैसे उजागर करता है।शो में नायरा बनर्जी के साथ शालीन मल्होत्रा, रोहित खंडेलवाल और अरफीन अल्वी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। नायरा ने शो को फिल्माने के दौरान अपने सबसे कठिन शॉट को साझा करते हुए कहा मेरा मानना है कि एक रहस्य ड्रामा को फिल्माना अपनी अनूठी चुनौतियों के साथ आता है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रहस्यपूर्ण अनुभव बनाना हमारी जिम्मेदारी है। सबसे कठिन सीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि इनमें से सबसे कठिन हत्या का प्रयास वाला सीन था।उन्होंने कहा हमें यह सुनिश्चित करने और सीन को सही तरह से करने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि परिणाम असाधारण रूप से शानदार रहे।

विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को मिली नई रिलीज तारीख

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी फिल्म सेक्टर 36 की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके किरदार ने लोगों को हैरान करके रख दिया है। इस फिल्म के बाद वह जल्द ही द साबरमती रिपोर्ट नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कई बार स्थिगित होने के बाद अब आखिरकार द साबरमती रिपोर्ट को नई रिलीज डेट मिल गई है। गुरुवार को विक्रांत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का एक नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया। इस पोस्ट के मुताबिक उनकी यह फिल्म 15 नवंबर को सिनमाघरों में दस्तक देगी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 15 नवंबर को ज्वलंत सच्चाई सामने आ जाएगी। देखते रहिए।इस फिल्म को पहले मई 2024 में रिलीज किया जाना था और फिर इसे 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज करने की घोषणा की गई। हालांकि, दोनों ही तारीखों पर यह फिल्म पर्दे पर नहीं आ सकी। फिल्म में विक्रांत मैसी के अलावा राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में साबरमती एक्सप्रेस पर हुई दुखद घटना के बारे में अज्ञात तथ्यों दिखाने की कोशिश की गई है । फैंस को इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है।

फिल्म में विक्रांत एक स्थानीय पत्रकार समर कुमार की भूमिका निभाएंगे, जो राशि खन्ना द्वारा अभिनीत एक साथी रिपोर्टर और रिद्धि डोगरा द्वारा अभिनीत एक वरिष्ठ एंकर के साथ मिलकर काम करता है। रंजन चंदेल के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन ने किया है।

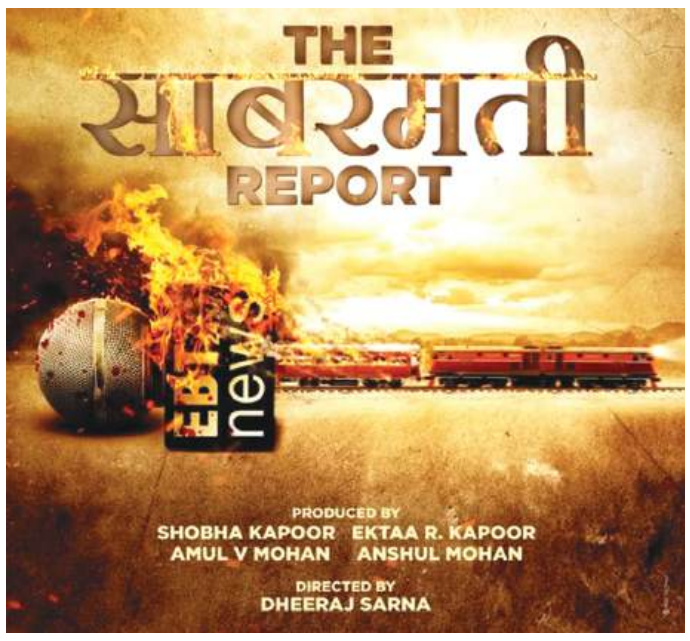

भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने स्विमसूट पहन स्विमिंग पूल के किनारे बैठकर दिए पोज

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। उनकी इन फोटोज को देखकर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं।मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्ड अदाओं से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनकी हॉटनेस ने फैंस का दिल जीत लिया है। मोनालिसा ने ब्लू प्रिंटेड स्विमसूट पहनकर स्विमिंग पूल के किनारे बैठकर पोज दिए, जिसमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है।खुले बाल और स्विमिंग पूल के किनारे बैठी मोनालिसा की तस्वीरों ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। भोजपुरी इंडस्ट्री से टीवी तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा इन दिनों काफी पॉपुलर हो चुकी हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है।बताते चलें कि एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।मोनालिसा सोशल मीडिया लवर हैं और एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

वरुण तेज और नोरा फतेही की पैन-इंडिया फिल्म मटका को मिली रिलीज तारीख

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता वरुण तेज पिछले लंबे समय से अपनी आने वाली फिल्म मटका को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।इस फिल्म में उनकी जोड़ी जानी-मानी अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।अब मटका की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। इसके साथ फिल्म का नया पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें वरुण का धांसू अवतार देखने को मिल रहा है।मटका 14 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म की शूटिंग आखिरी चरण में है।यह वरुण के करियर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है, जो करुणा कुमार के निर्देशन में बन रही है।मटका में मीनाक्षी चौधरी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, जो तमिल और तेलुगु के अलावा हिंदी में भी रिलीज होगी।यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी।इसमें वरुण तेज को दो अवतारों में दिखाया गया है। एक अवतार में वरुण तेज युवा नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरे अवतार में वरुण तेज अधेड़ उम्र के व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं।

केट शर्मा ने सेक्सी ब्रालेट में गिराई बिजली

स्विमिंग पूल के किनारे दिए किलर पोज

एक्ट्रेस केट शर्मा सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस और ग्लैमरस अंदाज के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनकी एक एक तस्वीर सोशल मीडिया का पारा हाई किए रहती है। वहीं, उनकी कातिलाना तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा को एक बार फिर ब्रालेट अवतार में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं।टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने हाल ही में अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। केट ने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह ग्रीन ब्रालेट और शॉर्ट डेनिम पहने स्विमिंग पूल के किनारे किलर पोज देती नजर आ रही हैं। लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ केट का यह ग्लैमरस अंदाज फैंस के दिलों पर छा गया है। वीडियो में केट की अदाएं और स्वैग देखने लायक हैं, जिसने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। केट शर्मा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी किलर तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। केट शर्मा रूहदार और कुछ तो जरूरी है जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। केट शर्मा अपनी बोल्ड तस्वीरें देने से कभी नहीं झिझकती हैं। फैंस उनकी तस्वीरों के लिए व्याकुल रहते हैं।एक्ट्रेस केट शर्मा ने अक्टूबर 2018 में मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई पर मीटू के तहत गंभीर आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी इस पोस्ट पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट्स में तारीफें कर रहे हैं। केट का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और उनके फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं।केट शर्मा भले ही फिल्मों में कुछ ज्यादा खास नहीं कर पाईं हो लेकिन, इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 2।7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

प्रभास का फैंस को रिटर्न गिफ्ट

द राजा साब का मोशन पोस्टर आउट, डबल रोल में धमाल मचाएंगे रिबेल स्टार

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपने 45 वां बर्थडे के मौके पर उन्होंने अपने फैंस को जबदस्त रिटर्न गिफ्ट दिया है। प्रभास ने अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब का मोशन पोस्टर रिलीज किया है। हाल ही में मेकर्स ने अनाउंस किया था कि वे प्रभास के बर्थडे पर कुछ खास लाने वाले हैं। जिसके बाद फैंस एक्साइटेड हो गए और अब फाइनली प्रभास ने फैंस का इंताजर खत्म कर दिया है।प्रभास की द राजा साब के मेकर्स ने मोस्ट अवेटेड फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। इसमें प्रभास का अलग और नया अवतार देखने को मिल रहा है। पोस्टर में प्रभास एक सिंहासन पर बैठे हुए हैं। उनका लुक अब तक की उनकी फिल्मों से बिल्कुल अलग और नया है। मेकर्स ने पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा, रॉयल बाय ब्लड, रिबेल बाय चॉइस, वो उसे लेकर रहेगा जो हमेशा से उसका था।जैसे ही प्रभास का यह पोस्टर रिलीज किया गया फैंस ने कमेंट करना शुरू कर दिया। सबसे ज्यादा फैंस ने इस बात पर ध्यान दिया कि क्या इस फिल्म में प्रभास डबल रोल में होंगे। एक यूजर ने कमेंट किया, डबल रोल वाह क्या बात है। एक ने लिखा, क्या प्रभास दादा और पोते का रोल प्ले कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट किया, क्या लुक है रिबेल स्टार आलवेज रॉक। एक ने लिखा, हैप्पी बर्थडे प्रभास, क्या गिफ्ट दिया है आपने।डायरेक्टर मारुति ने एक्स पर बताया था कि वे जल्द ही द राजा साब से कुछ स्पेशल शेयर करने वाले हैं। प्रभास गारु का बर्थडे आ रहा है। होर्डिंग, फ्लेक्स, बैनर सब दिखा दिया। लेकिन काफी टाइम हो गया कुछ नया अपडेट नहीं है इस पर डायरेक्टर मारुति ने कहा- हां जल्द ही कुछ डार्लिंग की तरफ से डार्लिंग के फैंस के लिए कुछ आने वाला है। हमारे साथ बने रहें।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास की पिछली रिलीज फिल्म कल्कि 2898 एडी थी। जिसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी । अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड रहेगी । आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें । जीवनसाथी की आवश्कताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है । युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नही हैं आप को चिंता घेर सकती हैं अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बह हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें।आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी । सगे संबधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है। बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन मे बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रुप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव मे जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा की । सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दुर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी भी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरते। आपको भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र मे भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी महनत के दम पर पूरा नही कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त मे जागकर ध्यान लगाए जीवध मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मक रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग–व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव–पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज दीन–हीन बच्चों की जरुरत को पूरा करें ग्रहों का दोष दूर होगा दिन अनुकूल नही हैं । किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं। व्यवसाय में मंदी का सामना करेंगे। आर्थिक स्थिति में बदलाव होगा। अनजान लोगों की वजह से आपको हानि हो सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी। किसी मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं। खानपान का ध्यान रखें। सेहत ठीक नहीं रहेगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। आप जीवनसंगिनी की बातों को लेकर ज्यादा उत्तेजित होने की आवश्यकता नही हैं धैर्य से काम लेना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए । अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं । किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदूरस्ती आ जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म–कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 25 अक्टूबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 03:25 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रात: 07:40 तक
योग : शुभ उत्तर रात्रि 05:25 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:38 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रात: 07:40 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस का गठबंधन से किनारा

सातों सीट पर घोषित किए प्रत्याशियों के नाम

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस सभी सातों सीटों पर मुकाबला करेगी। बुधवार देर रात कांग्रेस ने उपचुनावों के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। इसमें झुंझुनूं से अमित ओला, रामगढ़ से आर्यन जुबैर, दौसा से डीडी बैरवा, देवली–उनियारा से केसी मीणा, खींवसर से डॉ. रतन चौधरी, सलूंबर से रेशमा मीना और चौरासी से महेश रोत को प्रत्याशी बनाया है।

राजस्थान में 13 नवंबर को होने वाले सात सीटों पर उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने बुधवार देर रात प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। झुंझुनूं से अमित ओला, रामगढ़ से आर्यन जुबैर, दौसा से डीडी बैरवा, देवली–उनियारा से केसी मीणा, खींवसर से डॉ. रतन चौधरी, सलूंबर से रेशमा मीना और चौरासी से महेश रोत को प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा ने अब तक चौरासी पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। इसलिए फिलहाल 6 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा का आमने–सामने का मुकाबला तय हो चुका है। हालांकि इनमें से कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं। बीएपी चौरासी के साथ सलूंबर में भी चुनाव लड़ रही है। वहीं, गठबंधन के इंतजार में बैठी आरएलपी भी अब खींवसर के अलावा अन्य कुछ सीटों पर भी अपने प्रत्याशी उतार सकती है।

भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला, रामगढ़, देवली–उनियारा और दौसा में है, जबकि चौरासी, झुंझुनू, सलूंबर और खींवसर में त्रिकोणीय मुकाबला होगा। भाजपा और कांग्रेस के अलावा झुंझुनूं में पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, खींवसर में आरएलपी तथा सलूंबर और चौरासी में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के प्रत्याशी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाएंगे।बता दें कि दो सीटों पर तो उपचुनाव मौजूदा विधायकों कांग्रेस के जुबैर खान (रामगढ़) और भाजपा के अमृतलाल मीना (सलूंबर) के निधन के कारण हो रहे हैं। बाकी पांच सीटों पर विधायक लोकसभा चुनाव में सांसद चुने गए थे, जिसके कारण उपचुनाव की जरूरत पड़ी। वर्तमान में 200 सीटों वाली राज्य विधानसभा में भाजपा के 114 विधायक, कांग्रेस के 65, भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बसपा के दो, रालोद का एक और आठ निर्दलीय विधायक हैं।कांग्रेस विधायक बृजेंद्र ओला (झुंझुनू), हरीश चंद्र मीना (देवली–उनियारा), मुरारी लाल मीना (दसाऊ), राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल (खींवसर) और भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक राजकुमार रोत (चोरासी) इस साल लोकसभा चुनाव में सांसद चुने गए थे। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की तरह उपचुनाव के लिए किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया है।

इमामबाड़ा की खाली जमीन पर भी वक्फ बोर्ड ने ठोक दिया दावा

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार जमीनों पर अपना दावा ठोंक दे रहा है। इसी तरह का एक और मामला राजस्थान से प्रकाश में आया है, जहां इमामबाड़ा में खाली पड़ी जमीन पर वक्फ बोर्ड ने अपना बोर्ड लगा दिया। वक्फ बोर्ड की इस हरकत पर भड़के भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने इलाके का दौरा करने के बाद दो टूक कहा कि वे इस तरह का मनमाना कब्जा नहीं होने देंगे।

शहर में इमामबाड़ा के बदनपुरा स्थित खारवाल कॉलोनी स्थित एक जमीन खाली पड़ी हुई थी, लेकिन हाल ही में वक्फ बोर्ड के लोगों ने वहां पर एक नोटिस बोर्ड लगा दिया। इसमें लिखा था, यह सम्पत्ति शिया वक्फ (गजट नोटिफिके शन–1965–1967) मुस्लिम वक्फ बोर्ड। इस मामले की जानकारी लगते ही सैकड़ों की संख्या में लोग वहां पर जमा हो गए और उन्होंने वक्फ बोर्ड के इस कार्य का जमकर विरोध किया। वहीं पर मौजूद भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य को इसकी जानकारी दी।

इस बीच इस घटना के बाद मौके पर पहुंचे भाजपा विधायक ने बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि वो किसी को भी इस तरह से वक्फ का बोर्ड लगाकर जमीन पर कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि वो इस मामले पर एक्शन लेने के लिए अधिकारियों को पत्र लिखेंगे। भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण करने के लिए वक्फ बोर्ड ने रातों रात साइन बोर्ड लगा दिया, जिसे अभी तक उसने हटाया नहीं है। जमीनों पर इस तरह से अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।भाजपा विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य के एक्शन पर कट्टरपंथी मुस्लिम भड़क गए हैं। कट्टरपंथियों ने गलता गेट थाने का घेराव किया। वक्फ शिया समुदाय के लोगों का कहना है कि उस जमीन का असली मालिक वक्फ बोर्ड ही है। यहां पर चार माह पहले ही वक्फ बोर्ड ने अपना दावा ठोका था।

राज्य सरकार गो ग्लोबल के माध्यम से हरियाणा में परिवर्तन लाने की दिशा में कर रही कार्य

हरियाणा के सीएम सैनी ने जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल से की मुलाक़ात

चंडीगढ़, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री निवास पर जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाक़ात की और हरियाणा एवं जर्मनी के बीच ऑटोमोटिव, फार्मास्युटिकल्स, शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, जलवायु परिवर्तन समेत विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ काम करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल में जर्मनी के केल्स्टरबाक के मेयर मैनफ्रेड ओकेल, रसेलहेम के मेयर पैट्रिक बर्गहार्ट, रौनहेम के मेयर डेविड रेंडेल और फ्रैंकफर्ट के सांसद राहुल कुमार जैसे प्रमुख व्यक्ति शामिल थे। श्री सैनी ने जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुये कहा कि हरियाणा एक अग्रणी प्रदेश है और जनसंख्या में छोटा होते हुए भी विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं के लिये रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिये निवेशकों को आकर्षित कर रही है। निवेशकों को यहां विभिन्न सहूलियतें दी जा रही हैं, अगर जर्मनी की ओर से भी प्रदेश में निवेश करने की इच्छा जताई गयी, तो प्रदेश सरकार हर संभव सुविधायें उपलब्ध करवाने का प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गो ग्लोबल के माध्यम से हरियाणा में परिवर्तन लाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसमें विदेशी सरकारों एवं संगठनों के साथ रणनीतिक साझेदारी, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने, ग्लोबल इन्वेस्टमेंट, विदेशी प्लेसमेंट और प्रवासी लोगों के साथ मिलकर राज्य को विकसित बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य एक्सपोर्ट प्रेपरेडनेस इंडेक्स में टॉप पोजीशन पर है। इसके अलावा, कंज्यूमर एक्सपेंडिचर एंड मॉडर्न रिटेल में 26 प्रतिशत भागीदारी के साथ देशभर में प्रथम स्थान पर है। इंक्रीमेंटल परफॉर्मन्स के लिये बनायी गयी एजुकेशन –इंडेक्स में भी हरियाणा पहले स्थान पर है।

श्री सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार जहां फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट को पूरी तरह से प्रमोट कर रही है वहीं कृषि, ऑटोमोबाइल, आईटी एंड ईएसडीएम, टैक्सटाइल एंड गारमेंट्स, फार्मेसिटिकल एंड केमिकल, लोजिस्टिक्स, एजुकेशन तथा बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन मैटेरियल्स के क्षेत्र में सबसे अग्रणी राज्य है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने भी जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा की विकासात्मक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि हरियाणा भारत की राजधानी नई दिल्ली को क्षेत्र के तीन तरफ से घेरे हुए है, जिसका प्रदेश को विकास की राह में आगे बढ़ने में काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने केएमपी ग्लोबल कॉरिडोर, गुरुग्राम में प्रस्तावित ग्लोबल सिटी, नारनौल में बनने वाले मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब जैसे विभिन्न प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी दी।

भगवान महावीर के अहिंसा आदर्श को अपनाते हुए करें कार्य : बागडे

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भगवान महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह और मानव मात्र ही नहीं जीव जंतुओं तक के प्रति करूणा रखते कार्य करने के संदेश आज भी प्रासंगिक बताते हुए अहिंसा पर्व पर उनके जिएं और जीने दो के संदेश से सीख लेते हुए सभी को मानवता के लिए काम करने पर जोर दिया।

श्री बागडे गुरूवार को राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित अहिंसा पर्व वर्ष 2551 के शुभारंभ समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव को आगामी एक नवम्बर को 2500 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। यह समय उनकी शिक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए भारत के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का है। राज्यपाल ने जैन धर्म में तीर्थंकरों की परम्परा की चर्चा करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने युगीन संदर्भों में जीवन के आदर्श की राह दिखाई। उन्होंने उनके अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांत के आचरण को अपनाने, सभी के प्रति मन–वन कर्म से शुद्ध रहते जीवन जीने की उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने अहिंसा पर्व मनाए जाने की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने आरंभ में जैन मुनिगण को प्रणाम निवेदित कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव को अहिंसा पर्व रूप में मनाने की पहल की सराहना की।

टायर फटने से कार पलटी पांच लोगों की मौत

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सिरोही जिले में ब्यावर पिंडवाड़ा राजमार्ग पर टायर फटने से एक कार अनियंत्रित होकर पलट गयी, इससे कार में सवार गुजरात के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक महिला घायल हो गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक परिवार के लोग कार से गुजरात से जोधपुर जा रहे थे। सिरोही जिले में ब्यावर पिंडवाड़ा मार्ग पर अचानक कार का टायर फट गया, इससे कार अनियंत्रित होकर कई पलटी खाकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्रताप भाई, रामूराम, उषा बेन, पुष्पादेवी और एक वर्षीय बालक को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल शारदा का उपचार किया जा रहा है।कार में सवार लोग गुजरात के बताये जा रहे हैं।

युवा महोत्सव की मेजबानी के लिए जनता कॉलेज तैयार

27 कॉलेजों से 650 विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतिभा

चरखी दादरी, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में स्थित जनता कॉलेज चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव की मेजबानी के लिए तैयार है। कार्यक्रम के लिए कॉलेज में चार स्टेज लगाए गए हैं और महाविद्यालय प्रबंधन समिति ने तमाम व्यवस्थाएं कर दी हैं। शुक्रवार सुबह साढ़े 10 बजे तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक कमेटी प्रभारी डॉ. नीरज गर्ग ने बताया कि चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की ओर से शहर के जनता कॉलेज में युवा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसमें दादरी व भिवानी के सीबीएलयू एडिड 27 कॉलेजों के 650 विद्यार्थी भाग लेंगे। गुरुवार को सभी स्टाफ सदस्यों ने मिलकर तैयारी की। कॉलेज के मुख्य द्वार व प्रवेश द्वार को फूलों से सजाया गया। महोत्सव के लिए कॉलेज के ऑडिटोरियम में मुख्य स्टेज बनाया गया है। इस स्टेज पर नृत्य, सांस्कृतिक गतिविधियां और पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इनके एक प्रांगण में स्टेज लगाया गया है और वहां गायन संबंधी कार्यक्रम करवाए जाएंगे। तीसरा स्टेज संस्थान के पुस्तकालय में लगाया गया है, जिसमें रंगोली व पेंटिंग आदि गतिविधियां करवाई जाएंगी। इनके अलावा कमरा नंबर 216 में भाषण, वाद–विवाद व कविता गायन आदि स्पर्धाएं करवाई जाएंगी। युवा महोत्सव में थिएटर एकांकी, मूक नाटक, डांस, लघु नाटक, भारतीय व अन्य सांस्कृतिक नृत्य, भाषण, विभिन्न भाषाओं और बोलियों में कविताएं, पेंटिंग, रंगोली, कॉलाज, मिट्टी कलाकृतियां समेत अन्य 38 विधाओं में गतिविधियां करवाई जाएंगी।

तीन चलने वाले कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि तीनों दिन राजनीति, शिक्षा, प्रशासनिक अधिकारी शिरकत करेंगे। सभी कॉलेजों के विद्यार्थी एक माह से विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए तैयारी कर रहे हैं। कॉलेज की ओर से सभी स्टाफ सदस्य व प्रतिभागियों के लिए आईडी कार्ड दिए जाएंगे। कार्यक्रम में केवल आईडी कार्ड धारक ही प्रवेश पा सकेंगे। कॉलेजों के छात्र–छात्राएं भी अपने आईडी कार्ड दिखाकर प्रवेश ले सकेंगे। इनके अलावा किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

उकलाना में किसानों ने किया प्रदर्शन

हिसार, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के उकलाना में किसानों ने गुरुवार को मंडियों में फसल बेचने में आ रही परेशानियों और खाद की कमी को लेकर प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय किसान सभा के नेता मियां सिंह के नेतृत्व में उकलाना क्षेत्र के किसान तहसील परिसर में इकठ्ठा हुए और प्रदर्शन किया।

किसानों ने कहा कि उन्हें अनाज मंडियों में फसल बेचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर डीएपी खाद को लेकर भी मारामारी है और कोई भी खाद विक्रेता उन्हें खाद नहीं दे रहा है, जबकि मार्केट में ब्लैक में खाद बेची जा रही है। इसी तरह से नहर का पानी का भी उकलाना क्षेत्र में एक सप्ताह कर दिया गया है, जिससे उनके खेतों में फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। विरोध प्रदर्शन करने के बाद किसानों ने नायब तहसीलदार के मार्फत मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा।

2027 तक राजस्थान बिजली क्षेत्र में होगा आत्मनिर्भर : सीएम शर्मा

अलवर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि वर्ष 2027 तक हम बिजली के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएंगे और उसके बाद हम किसानों को रात में ही नहीं दिन में भी बिजली देंगे, जिससे किसान भी रात में नींद ले सकें।

श्री शर्मा ने गुरुवार को रामगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी सुखवंत सिंह की नामांकन रैली को संबोधित करते हुये कहा कि हमारी सरकार बिना भेदभाव के काम करती है और सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिये घोषणायें करती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है। यह पहला बजट है और यह ट्रेलर है। अभी और भी बजट आयेंगे। सरकार राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाना चाहती है और देश का पहला राज्य होगा, जो पूर्ण रूप से विकसित होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि जो घोषणायें हमने अपने संकल्प पत्र में पांच वर्ष के लिये की थीं, उनमें से 50 फ़ीसदी घोषणायें मात्र 10 महीने में पूरी कर दी और बाकी संकल्प पत्र में किये गये सभी वायदे लगातार पूरे किये जाने के प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग झूठ और लूट की बात करते

हैं। अफवाह फैलाते हैं। लोगों को सपने दिखाते हैं कि भाजपा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) कहां से ला रही है। जब उनका राज था तो उन्होंने इस संबंध में बात भी नहीं कि अब भाजपा की सरकार बनते ही ईआरसीपी की बात कर रही है।

श्री शर्मा ने कहा, वह कह रहे हैं कि पानी कितना लेकर आयेंगे, हमने कहा कि जो हमने वायदा किया है, उससे ज्यादा पानी लेकर आयेंगे। हमने इस संबंध में करार कर लिया है और अब उसका शिलान्यास करने जा रहे हैं। उन्होंने यमुना समझौते का जिक्र करते हुये कहा कि हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कहा था कि अगर कांग्रेस की सरकार हरियाणा में बनी तो राजस्थान से यमुना समझौता रद्द कर देंगे। उन्होंने कहा, जब मैं चुनाव प्रचार के लिये हरियाणा गया और कहा कि सरकार आएगी तभी तो रद्द करोगे और हरियाणा में पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है।

श्री शर्मा ने कहा कि ईआरसीपी की योजना के साथ कई पेयजल परियोजनायें चल रही हैं। किसानों की खेती के लिये पानी उपलब्ध हो। बाणगंगा नदी से रूपारेल नदी परियोजना पर काम कर रहे हैं। भाजपा नदी से नदी को जोड़कर काम कर रही है। किसानों की जमीन यहां सोना उगलेगी। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस में सबको कुर्सी चाहिये। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। अलवर में भी जमीन घोटाले हुये हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सीएम नीतीश ने 7160 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में रिमोट का बटन दबाकर पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 7,160 करोड़ रुपये की लागत की 2,615 पंचायत सरकार भवन एवं राज्य पंचायत संसाधन केंद्र, सोनपुर के भवन का शिलान्यास किया। साथ ही 13 जिला पंचायत संसाधन केंद्रों, 65 पंचायत सरकार भवन, ई-ग्राम कचहरी कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा जिला परिषद पोर्टल का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज 2,615 पंचायत सरकार भवनों का शिलान्यास किया गया है। हमारा शुरू से ही 'पंचायत सरकार भवन' बनाने पर जोर है। हमारा कॉन्सेप्ट (विचार) है कि पंचायती राज संस्थाओं में वैसी व्यवस्था हो, जो राज्य सरकार की होती है। इसलिए हमने इन भवनों को पंचायत भवन न कहकर पंचायत सरकार भवन कहा है। हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि शुरू में 330 पंचायत सरकार भवन बनाए गए। आज पंचायत सरकार भवन के शिलान्यास के बाद राज्य के 8,053 पंचायत भवनों में से 6,858 भवन स्वीकृत कर दिए गए हैं। इनमें से 1,548 पूर्ण हो गए हैं एवं शेष निर्माणाधीन हैं।

आज के कार्यक्रम में 65 पंचायत सरकार भवनों का उद्घाटन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि अब बचे हुए 1,195 पंचायत सरकार भवनों के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश की जा रही है। जिला

पदाधिकारियों को आदेश दिया गया है कि संबंधित ग्राम पंचायत के किसी भी गांव में उपयुक्त भूमि चिन्हित कराकर वहां पंचायत सरकार भवन का निर्माण तुरंत शुरू कराएं। पंचायत सरकार भवन में केवल पंचायत से जुड़ा काम ही नहीं होता है। बल्कि दूसरे विभागों का भी काम होता है। पंचायत सरकार भवन बन जाने से लोगों को काफी सहूलियत होगी। पंचायत सरकार भवनों की छत पर सोलर प्लेट लगवाएं। इससे बिजली के खर्च में बहुत बचत होगी।

मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि जून, 2025 तक सभी पंचायतों में 'पंचायत सरकार भवनों का निर्माण पूर्ण कराएं। सभी पंचायत सरकार भवन का रखरखाव बेहतर ढंग से किया जाए। जिला स्तर पर भी आज 13 जिला पंचायत संसाधन केन्द्रों का उद्घाटन किया गया है। सोनपुर में राज्य स्तरीय संसाधन केन्द्र का शिलान्यास भी किया गया है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 के तहत अनेक योजनाओं का काम जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का काम साल 2021 से ही तेजी से चल रहा है। अनेक वार्डों में सोलर स्ट्रीट लाइट लग गई है।

हर वार्ड में औसतन 10-10 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है। बड़े वार्ड एवं सार्वजनिक स्थलों हेतु आवश्यकता होने पर हर पंचायत में 10 के अतिरिक्त सोलर लाइट लगाने की व्यवस्था की गई है। सोलर स्ट्रीट लाइट से गांव में रातभर रोशनी मिलती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में 1,09,321 वार्ड हैं, जिसमें 11,75,740 स्ट्रीट लाइट लगाने का लक्ष्य है। आज तीन लाख 75 हजार सोलर स्ट्रीट लाटिों का लोकार्पण किया जा रहा है। अब शेष बचे 8,00,740 स्ट्रीट लाइट लगाने का काम किया जा रहा है, जिसे मार्च, 2025 तक पूरा करें। पहले की सरकार में कुछ नहीं किया गया। हमने बिजली के क्षेत्र में काफी काम कराया है। हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है और लोगों को इसका लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत जिला परिषद के तहत जिला परिषद अध्यक्ष एवं जिला परिषद के सदस्यों द्वारा तथा प्रखंड स्तर पर, पंचायत समिति के तहत प्रखंड प्रमुख एवं पंचायत समिति सदस्यों द्वारा एवं पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत के तहत मुखिया एवं वार्ड सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के सुझाव एवं समस्याओं के बारे में सूचना हमारे पास पहुंची है। इन सुझावों एवं समस्याओं की समीक्षा कर आवश्यक कार्य करने का निर्देश दिया गया है। आज सभी पंचायत प्रतिनिधियों से अनुरोध करता हूं कि सभी पंचायत सरकार भवन एवं सोलर स्ट्रीट लाइट को मार्च, 2025 तक पूरा करने में आप सहयोग देंगे। सभी पंचायत प्रतिनिधियों को राज्य सरकार का पूरा सहयोग मिलता रहेगा। आपकी समस्याओं एवं सुझावों पर राज्य सरकार गौर करेगी। आज के इस अवसर पर पंचायती राज विभाग को विशेष तौर पर बधाई देता हूं।

कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज विभाग के कार्यों पर आधारित एक लघु वृत्त चित्र प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने हरित पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज एवं पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव दिवेश सेहरा, पंचायती राज विभाग के निदेशक आनंद शर्मा, पंचायती राज विभाग की अपर सचिव प्रीति तोगड़िया उपस्थित थीं। जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सांसदगण, विधायकगण, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न जिलों से जुड़े हुए जिलाधिकारीगण, अन्य पदाधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति जुड़े।

मुजफ्फरपुर की बागमती नदी में नाव पलटी

आठ लोगों को बचाया गया दो लोग अभी भी लापता

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक बार फिर से नाव हादसा हुआ है। बताया गया है कि नाव पर करीब 10 लोग सवार थे, तभी नाव पानी में डूबने लगी। उसके बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग तैरकर बाहर निकल गए, जबकि कुछ लोगों को सकुशल सुरक्षित निकाल लिया गया है। वहीं, इस दौरान दो लोग अब भी डूबे हुए हैं, जिनको निकालने की कवायद की जा रही है।

हादसा जिले के औराई थाना क्षेत्र के फतेहपुर बरौनी का बताया गया है। जहां बागमती नदी को पार कर रहे लोगों से भरी नाव पलट गई। इस दौरान इसमें मवेशी से लिए चारा भी लोड था और जिसके कारण नाव पर भी लोड था, जिसकी वजह से यह नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। बता दें कि नाव पर 10 से अधिक लोग सवार थे।

हालांकि, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। वहीं, दो लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी के बाद मौके पर अंचलाधिकारी और पुलिस पहुंच चुकी है। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया है और लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति बनी हुई है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों के द्वारा रेस्क्यू किए जाने के लिए वरीय अधिकारी को अवगत कराया है। इस मामले की सूचना एसडीआरएफ की टीम दी गई है, जिसके बाद मौके के लिए रवाना हो गई है।

पूरे मामले में एसडीएम पूर्वी अमित कुमार ने बताया है कि एक नाव के बागमती नदी में पलटने की जानकारी मिली थी। इसमें मिली जानकारी में कुल 10 से अधिक लोग सवार थे, जिसमें कुल आठ को सकुशल बरामद कर लिया गया है। जबकि दो लोग अब भी लापता हैं, जिनकी खोज के लिए एसडीआरएफ की टीम को मौके पर भेजा गया है। घटना के बाद आपदा प्रबंधन विभाग के भी अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। जबकि अंचलाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं।

गिरिराज सिंह को राजद विधायक ने दी खुली चुनौती

दम है तो दलित के घर भोजन करके दिखाएं

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री हिंदू जागरण यात्रा को लेकर के राजद के मीनापुर से विधायक राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव तंज कसा है। उन्होंने इस यात्र को ढकोसला बताया है। तंज कसते हुए कहा कि यह लोग हिंदू के नाम पर ड्रामा करते हैं। अगर वो सच्चे अर्थों में हिंदू है तो एक महादलित समाज के घर भोजन करके दिखाए। अब मैं उन्हें खुला चैलेंज देता हूं।

राजद विधायक राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव ने बताया कि जिस तरह से गिरिराज सिंह हिंदू जागरण यात्रा को निकाल कर हिंदू को एकजुट करने में लगे हुए क्या हिंदू कभी एकजुट नहीं था। ऐसे लोग को हिंदू का अर्थ ही पता नहीं है। गिरीराज सिंह और अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह को आड़े हाथों में लेते हुए कहा कि यह लोग नौटंकी करते हैं और अपनी राजनीतिक रोटी को सेंकने का काम करते हैं। इस तरह के जागरण यात्रा निकालने से कुछ भी बिहार में फर्क नहीं पड़ता है। अगर एनडीए के लोग हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तो सीएम नीतीश कुमार जी क्यों नहीं साथ आ रहे हैं? सीएम नीतीश जी को भी यह बताया चाहिए कि उनके लोग राज्य में क्या कर रहे हैं?

राजद के विधायक ने बताया कि यह सब हिंदू वाली मानसिकता और सोच वर्ष 2014 के मोदी जी की सरकार बनने के बाद होनी शुरू हो गई है। इसके पहले क्या हिंदू देश में नहीं थे क्या? हिंदू को कोई खतरा था। राजद विधायक ने कहा कि आरएसएस के लोग खुद सच्चे हिन्दू नहीं है। बल्कि हिन्दू को बेवकूफ बनाने वाले लोग हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग को तो देश की आजादी में हिंदू से अधिक मुसलमान ने अपनी कुर्बानियां को दिया है।

एडवेंचर टूरिज्म में बदली बिहार की तस्वीर

पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने भ्रमण के लिए किया आमंत्रित

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में पर्यटन का प्रक्षेत्र विस्तृत हो चुका है। यहां न केवल देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों की संख्या में अभिवृद्धि हुई है। पर्यटन विभाग आधारभूत संरचनाओं को बेहतर बनाने में जुटा हुआ है, इसके साथ ही बेहतर रूप से प्रचार-प्रसार का कार्य भी किया जा रहा है। इसे और बेहतर बनाते हुए हम सब एक काम और करें कि जब भी बिहार के बाहर के लोगों से मिलें, तो यहां की बदली हुई तस्वीर बताते हुए उन्हें बिहार भ्रमण के लिए आमंत्रित करें। ये बातें नीतीश मिश्रा, पर्यटन मंत्री, बिहार ने ज्ञान भवन में आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर 2024 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि हमें घरेलू के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों और विदेशों से पर्यटकों की आमद को यहां बढ़ाने पर काम करना है। समापन समारोह में पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने कहा कि टीटीएफ में देश के सभी बड़े राज्यों की भागीदारी रही, यहां से

हमें कई ऐसे सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो आगामी दिनों में योजनाओं और नीतियों को बनाने में काफी सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री तथा पर्यटन सचिव द्वारा टीटीएफ पटना के विभिन्न प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

बिहार में एडवेंचर टूरिज्म के विस्तार को लेकर व्यापक अवसर हैं। यहां कैसे एडवेंचर टूरिज्म को कैसे बढ़ा सकते हैं, इस पर विचार करने की जरूरत है। बिहार सरकार के पास एडवेंचर टूरिज्म को लेकर एक ब्लू प्रिंट होना चाहिए। उक्त बातें नगर विकास विभाग के सचिव और पर्यटन विभाग के पूर्व सचिव अभय कुमार सिंह ने कही। वह पर्यटन विभाग की ओर से पटना टीटीएफ 2024 के दूसरे दिन 'रोमांच और पगडंडियां: साहसिक पर्यटन की संभावनाएं' विषय पर आयोजित सेमिनार में माडरेटर के रूप में संबोधित करते हुए कह रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में अपनी टूरिज्म पॉलिसी है, जिसमें सभी स्टेक होल्डर्स के लिए चीजें स्पष्ट की गई हैं। इसका लाभ भी लोग उठा रहे हैं। आने वाले समय में एडवेंचर टूरिज्म को लेकर एक अलग पॉलिसी भी जरूरत पड़ने पर बनाई जा सकती है। बिहार में पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया (एडीटीओआई) के अध्यक्ष पीपी खन्ना ने एडवेंचर टूरिज्म को लेकर कहा कि इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी है। एडवेंचर टूरिज्म में युवा ही हमारे लक्षित समूह हैं। युवा ही इसे ज्यादा करना चाहते हैं। देश में 35 वर्ष के कम उम्र के 65% युवा हैं। एडवेंचर टूरिज्म के लिए बिहार को वर्ल्ड क्लास प्रोसिजियोर को फॉलो करना चाहिए। इसके लिए यहां ट्रेंड गाइड नहीं है। पर्यटन विभाग को इसके लिए पहल करने की जरूरत है। बिहार में एडवेंचर टूरिज्म को लेकर इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन के इक्विप्मन्ट नहीं हैं। जो सेफ्टी के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।

नेशनल एडवेंचर फाउंडेशन (एनएएफ) के चैप्टर डायरेक्टर दया शंकर मिश्रा ने कहा कि बिहार के लोग बाहर जाकर ज्यादा एडवेंचर स्पोर्ट्स करते हैं। खासकर ओडिशा में। बिहार में इसे कर लोगों की रूचि कम है। अभी इस दिशा में लोगों को सोचने की जरूरत है। बिहार में एडवेंचर टूरिज्म व स्पोर्टस को लेकर सारी सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन साथी के रूप में लोगों को जोड़ने और प्रशिक्षित करने की जरूरत है। एडवेंचर टूरिज्म को लेकर राज्य सरकार एक एसओपी बनाए।

मोटरहोम एडवेंचर्स के प्रिंसिपल बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, विदुषी सैनी ने मोटरहोम एडवेंचर टूरिज्म के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि यह पर्यटकों के लिए काफी फायदेमंद चीज है। अगर आप मोटरहोम एडवेंचर का लुफ्त उठाते हैं तो आप एकदम प्रकृति के करीब व सुदूर जंगलों में भी पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए घर जैसा आनंद ले सकते हैं। सेमिनार के समापन पर बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) के प्रबंध निदेशक श्री नन्द किशोर और पर्यटन विभाग के निदेशक विनय कुमार राय ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

एमआरजेडी कॉलेज में शिक्षकों की गुंडागर्दी

छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को जमकर पीटा

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले में एमआरजेडी कॉलेज के शिक्षकों की गुंडागर्दी सामने आई है। जहां एक साथ कई छात्र एवं छात्राओं को लाठी डंडे से पीट-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। वहीं, बचाने गए अभिभावक के साथ भी शिक्षकों के द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है।

मारपीट में कई छात्र एवं छात्राओं सहित अभिभावक भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल में चल रहा है। इस पिटाई से नाराज सैकड़ों की संख्या

में छात्र ने कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा शुरू कर दिया है। वहीं, हंगामा देखकर मौके पर पुलिस पहुंचकर शांत करने में लगे हुए हैं। यह पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर स्थित एमआरजेडी कॉलेज का है।

घायल छात्र एवं छात्राओं की पहचान नगर थाना क्षेत्र के जीडी कॉलेज के रहने वाले अभिषेक कुमार लक्ष्मी देवी, करण कुमार, जानकी कुमारी, नंदिनी, कुमारी, निधि भारती के रूप में की गई है। इस घटना के संबंध में छात्र ने बताया है कि आज बीए पार्ट सेमेस्टर-2 का एग्जाम चल रहा था। इस एग्जाम के दौरान प्रश्न पत्र देने के दौरान छात्र के साथ शिक्षकों के द्वारा किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान शिक्षक नाराज होकर मारपीट करने लगे।

मारपीट देखकर सभी छात्र एवं छात्राओं ने इसका विरोध किया तो इसी से नाराज होकर कॉलेज के सभी शिक्षकों के द्वारा लाठी डंडे से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट देखकर बचाने गए अभिभावक के भी साथ कॉलेज के शिक्षकों के द्वारा मारपीट की गई। इस घटना के बाद मौके पर काफी देर तक कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। हालांकि, इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने नगर थाना पुलिस को दी। मौके पर नगर थाने के पुलिस पहुंचकर सभी घायल छात्र एवं छात्राओं को उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज चल रहा है।

अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा

बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह के बयान पर उपेंद्र कुशवाहा की प्रतिक्रिया

जहानाबाद (एजेंसियां)।

बिहार यात्रा को लेकर जहानाबाद पहुंचे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह के द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कुशवाहा ने कहा, एक संवैधानिक पद पर रहने वाला व्यक्ति इस प्रकार का अगर बात बोलता है तो यह काफी निंदनीय है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार में हर जाति-धर्म के लोग रह रहे हैं। कहीं से कोई खतरा नहीं है। सीएम नीतीश कुमार का शासन जब से बिहार में चल रहा है, तब से लेकर आज तक कोई बड़ी घटना नहीं घटी है। नीतीश कुमार के शासन के पहले नरसंहार एवं दंगा होता था। लेकिन अब छिटपुट इक्का-दुक्का घटना को छोड़कर बिहार में शांति का माहौल है। सभी जाति-धर्म के लोग आपसी सद्भाव के साथ रह रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के द्वारा निकाली गई हिंदू स्वाभिमान यात्रा के संबंध में कहा कि यह यात्रा उनकी निजी यात्रा है, बीजेपी नेताओं ने साफ तौर पर कहा है कि इससे पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने कहा कि बिहार में कहीं भी हिंदू और मुसलमान खतरे में नहीं है। ऐसी स्थिति में इस प्रकार की यात्रा करने का कोई औचित्य नहीं है। पटना से गया जाने के दौरान जहानाबाद पहुंचने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। फूलमाला एवं गुलदस्ता देकर उनका अभिवादन किया। बिहार यात्रा के दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने अपने कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील की। इस मौके पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष पिंटू कुशवाहा, जदयू नेता रामभवन सिंह कुशवाहा जदयू जिला अध्यक्ष दिलीप कुशवाहा सहित भारी संख्या में एनडीए गठबंधन के लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com